



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 332]

नई दिल्ली, मंगलवार, दिसम्बर 19, 2017/अग्रहायण 28, 1939

No. 332]

NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 19, 2017/AGRAHAYANA 28, 1939

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय  
(वाणिज्य विभाग)  
(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)  
अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 दिसम्बर, 2017

अंतिम जाँच परिणाम

**विषय : चीन जनवादी गणराज्य के मूल के अथवा वहां से निर्यातित ओ-एसिड के आयातों पर पाटन-रोधी जांच।**

**सं.14/31/2016-डीजीएडी.**— समय-समय पर यथा संशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात अधिनियम कहा गया है) और समय-समय पर यथा संशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटन-रोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली (जिसे एतदपश्चात नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

## क. मामले की पृष्ठभूमि

1. यतः मेसर्स आरती ड्रग्स लिमिटेड (जिसे आगे "आवेदक" अथवा "घरेलू उद्योग" कहा गया है) ने अधिनियम के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें आगे प्राधिकारी भी कहा गया है) के समक्ष एक आवेदन प्रस्तुत किया है, जिसमें उसने चीन जनवादी गणराज्य (जिसे आगे संबद्ध देश भी कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "ओ-एसिड" (जिसे आगे संबद्ध वस्तुएं भी कहा गया है) के आयातों से संबंधित पाटन-रोधी जांच की शुरुआत करने और पाटन-रोधी शुल्क लगाने का अनुरोध किया है।

2. यतः प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा प्रस्तुत प्रथम दृष्टया साक्ष्य के आधार पर भारत के राजपत्र असाधारण में प्रकाशित दिनांक 21 सितंबर, 2016 की अधिसूचना संख्या 14/31/2016-डीजीएडी द्वारा अधिसूचना जारी की, जिसमें पाटन-रोधी नियमावली के उप नियम 5 के अनुसार पाटन-रोधी जांच की शुरुआत की गई, ताकि चीन जनवादी गणराज्य के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के कथित पाटन की मौजूदगी, उसकी मात्रा

और प्रभाव का निर्धारण किया जा सके और पाटन-रोधी शुल्क की ऐसी राशि की सिफारिश की जा सके जिसे यदि लगाया जाए तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिये पर्याप्त होगी।

3. प्राधिकारी ने दिनांक 23.05.2017 की अधिसूचना संख्या 14/31/2016-डीजीएडी द्वारा प्रारंभिक जांच परिणाम जारी करके वर्तमान मामले में अनन्तिम पाटन-रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की थी। तदनुसार, वित्तीय मंत्रालय ने दिनांक 13.07.2017 की सीमा-शुल्क अधिसूचना संख्या 35/2017-सीमा-शुल्क (एडीडडी) द्वारा अनन्तिम पाटन-रोधी शुल्क लगाने की अधिसूचना जारी की थी।

#### ख. प्रक्रिया

4. संबद्ध जांच के संबंध में प्राधिकारी द्वारा नीचे वर्णित प्रक्रिया का पालन किया गया है:-

- (1) प्राधिकारी ने उपरोक्त नियमावली के नियम 5 के उप-नियम (5) के अनुसार जांच शुरू करने की कार्यवाही करने से पहले भारत में संबद्ध दूतावास का पाटन-रोधी आवेदन-पत्र प्राप्त होने के बारे में अधिसूचित किया है।
- (2) प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तु के आयातों से संबंधित पाटन-रोधी जांच की शुरूआत करते हुए भारत के राजपत्र असाधारण में दिनांक 21 सितंबर, 2016 को प्रकाशित एक सार्वजनिक सूचना जारी की है।
- (3) प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6 (2) के अनुसार भारत में चीन के दूतावास को जांच शुरू करने के बारे में इस अनुरोध के साथ सूचित कर दिया था कि वह चीन जनवादी गणराज्य के निर्यातकों/आयातकों को यह सलाह दें कि वे निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली के अपने उत्तर प्रस्तुत कर दें।
- (4) प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6 (4) के अनुसार चीन जनवादी गणराज्य में निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों/आयातकों से संबद्ध सूचना प्राप्त करने के लिए निर्यातक की प्रश्नावलियां भेजी थीं:-

क्रमांक	उत्पादकों/निर्यातकों के नाम
1.	अपीलोआ कांगयू बिजनेस ऑफिस
2.	झेझियांग जिआंगक्सी फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड
3.	झेझियांग ईस्ट फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड
4.	योंगनिंग फार्मा
5.	जिआंगसू गुओटाई इनटेल ग्रुप हुआटाई इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड
6.	झेझियांग मेडिसिन्स एंड हेल्थ प्रोडक्ट्स इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड
7.	मेसर्ज झेझियांग केमिकल्स इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट
8.	मेसर्ज चाईना सिनोफार्म इंटरनेशनल कार्पोरेशन

- (5) उपरोक्त अधिसूचना के उत्तर में निम्नलिखित निर्यातकों/आयातकों ने निर्यातक की प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत किए हैं:-

क्रमांक	उत्पादकों/निर्यातकों के नाम
1.	झेझियांग हेंगडियान अपीलोआ इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड
2.	जिआंगक्सी चिबांग फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड
3.	जिआंगक्सी डाडी फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड
4.	झेझियांग विसंगयांग इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड
5.	चाईना सिनोफार्म इंटरनेशनल कार्पोरेशन
6.	यानचेंग विसनानझाऊ फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड
7.	शंघाई चांगयू केमिकल टेक्नालॉजी कंपनी लिमिटेड

8.	इनर मंगोलिया युआनहोंग फाईन केमिकल कंपनी लिमिटेड
9.	ड्रीमलैंड क्रिएशन इंक
10.	झेझियांग युआनहोंग मेडिकल एंड केमिकल टेक्नालॉजी कंपनी लिमिटेड
11.	झेझियांग यूईजी बिजनेस सर्विस कंपनी लिमिटेड
12.	झेझियांग मेडिसिन्स एंड हेल्थ प्रोडक्ट्स इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड
13.	झेझियांग केमिकल्स इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड

- (6) बाजार अर्थव्यवस्था निरूपण (एमईटी) की प्रश्नावली चीन जनवादी गणराज्य में ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों और भारत में चीन जनवादी गणराज्य के दूतावास को इस अनुरोध के साथ भेजी गई थी कि वे प्राधिकारी को संबद्ध सूचना निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्रदान कर दें। किसी भी प्रतिवादी निर्यातक ने एमईटी का दावा नहीं किया है।
- (7) प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6 (4) के अनुसार आवश्यक सूचना मंगाने के लिए भारत में संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं को आयातक की प्रश्नावलियां भेजी थीं। तथापि, संबद्ध वस्तुओं के किसी भी आयातक से प्रश्नावली का कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है।

क्रमांक	आयातकों/उपभोक्ताओं के नाम
1.	मेसर्ज सिपला लिमिटेड
2.	मेसर्ज मेक्लिओड्स फार्मास्युटिकल लिमिटेड
3.	मेसर्ज जे. बी. केकमिल्स एंड फार्मास्युटिकल लिमिटेड
4.	मेसर्ज अरिस्टो फार्मास्युटिकल प्राईवेट लिमिटेड
5.	मेसर्ज सन फार्मास्युटिकल इंड. लिमिटेड
6.	मेसर्ज मेडी फार्मा ड्रग हाऊस
7.	मेसर्ज एफडीसी लिमिटेड
8.	मेसर्ज मेडले फार्मास्युटिकल लिमिटेड
9.	मेसर्ज केडिला हेल्थकेयर लिमिटेड
10.	मेसर्ज मेरेक (इंडिया) लिमिटेड
11.	मेसर्ज अल्केम लेबोरेटरीज लिमिटेड

- (8) दि चाईना चेम्बर ऑफ कामर्स फॉर इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट ऑफ मेडिसिन्स एंड हेल्थ प्रोडक्ट्स एसोसिएशन ने प्रश्नावली के विस्तृत उत्तरों के बिना निवेदन किए हैं। इन पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदनों को वर्तमान निर्धारण करते समय ध्यान में रखा गया है।
- (9) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय वृत्तान्त को सार्वजनिक फाईल के रूप में हितबद्ध पक्षकारों की जांच के प्रयोजनार्थ खुला उपलब्ध कराया गया है।
- (10) इसके अतिरिक्त जितना आवश्यक समझा गया है, आवेदक और हितबद्ध पक्षकारों से अतिरिक्त सूचना मंगाई गई है। इस जांच के प्रयोजनार्थ जितना आवश्यक समझा गया है, घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़ों का सत्यापन किया गया है।
- (11) हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना की गोपनीयता के दावों की उनकी पर्याप्तता के संदर्भ में जांच की गई है। प्राधिकारी ने संतुष्ट होने पर जहां कहीं भी उचित था, गोपनीयता के ऐसे दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना को गोपनीय समझा है और उसे अन्य पक्षकारों के समक्ष प्रकट नहीं किया है। जहां कहीं भी संभव हुआ है, वहां गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करने वाले हितबद्ध पक्षकारों को निदेश दिया गया था कि वे गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना का अगोपनीय वृत्तान्त भी प्रस्तुत करें और नियमावली के अनुसार प्राधिकारी द्वारा उसे सार्वजनिक फाईल में रखा गया था।

- (12) सामान्यतया स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों (जीएएपी) के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की लागत और उन्हें निर्मित करने और बेचने की लागत के आधार पर क्षति रहित कीमत का आकलन किया गया है, ताकि क्षति मार्जिन का पता लगाया जा सके और ड्रा बैक का अनुसरण करते हुए कमतर शुल्क का नियम लागू किया जा सके। आवेदक ने अपना प्रयोगिक उत्पादन जून, 2015 में शुरू कर दिया था और अक्टूबर, 2015 से पूरे पैमाने पर उत्पादन शुरू कर दिया था। जुलाई, 2015 से जून, 2016 (जांच अवधि) तक की अवधि के लिए जांच की गई थी। क्षति का विश्लेषण अलग-अलग महीने के आधार पर किया गया था।
- (13) वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से अनुरोध किया गया था कि वह जांच अवधि सहित विगत तीन वर्षों के लिए संबद्ध वस्तुओं के आयातों के ब्यौरे प्रदान करने की व्यवस्था करें। वर्तमान जांच में प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त आंकड़ों पर विश्वास किया है।
- (14) प्रारंभिक जांच परिणाम जारी करने के बाद हितबद्ध पक्षकारों से कहा गया था कि वे प्रारंभिक जांच परिणाम पर अपनी टिप्पणियां प्रस्तुत करें।
- (15) पाटन-रोधी नियमावली के नियम 6 (6) के अनुसार प्राधिकारी ने सभी हितबद्ध पक्षकारों को संबद्ध सूचना मौखिक रूप से प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान करने के लिए 31 जुलाई, 2017 को सार्वजनिक सुनवाई की थी, जिसमें घरेलू उद्योग और प्रतिवादी पक्षकारों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। इस मौखिक सुनवाई में भाग लेने वाले घरेलू उद्योग और प्रतिवादी पक्षकारों के सभी प्रतिनिधियों से अनुरोध किया गया था कि वे मौखिक सुनवाई में मौखिक रूप से व्यक्त किए गए अपने निवेदनों को लिखित रूप में भी प्रस्तुत करें।
- (16) अंतिम जांच परिणाम जारी करने की तारीख 20 सितंबर, 2017 थी, लेकिन केन्द्रीय सरकार द्वारा नियम 17 (1) के अनुसार इसे तीन महीनों के लिए अर्थात् 20 दिसंबर, 2017 तक बढ़ा दिया था।
- (17) निर्दिष्ट प्राधिकारी के बदल जाने और एटीएमए के मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय के अनुसार नए निर्दिष्ट अधिकारी द्वारा दिनांक 25 अक्टूबर, 2017 को एक और मौखिक सुनवाई की गई थी। इस दूसरी मौखिक सुनवाई में उपस्थित पक्षकारों से अनुरोध किया गया था कि वे मौखिक रूप से व्यक्त किए गए अपने निवेदनों को लिखित रूप में भी प्रस्तुत करें और साथ ही उनके प्रत्युत्तर भी दें।
- (18) 30.11.2017 को प्रकटन विवरण जारी किया गया था जिसमें निर्दिष्ट प्राधिकारी के विचाराधीन अत्यावश्यक तथ्य निहित हैं। पक्षकारों से कहा गया है कि यदि वे उस पर अपनी कोई टिप्पणी देना चाहते हैं, तो उसे 07.12.2017 तक प्रस्तुत कर दें। प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों से प्रकटन विवरण पश्चात प्राप्त हुई टिप्पणियों पर उपयुक्त रूप से विचार किया है।
- (19) इस अंतिम जांच परिणाम में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक पाए गए निवेदनों का निदान किया गया है।
- (20) इस अंतिम जांच परिणाम में किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा \*\*\* सूचना को गोपनीय आधार पर प्रस्तुत किया गया है तथा नियमावली के अंतर्गत प्राधिकारी द्वारा उस पर उसी प्रकार से विचार किया गया है।
- (21) संबद्ध जांच के लिए प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई औसत विनिमय दर, 1 अमरीकी डालर = 66.84 रूपए है।

## **ख. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु**

### **ख.1. घरेलू उद्योग के विचार**

5. विचाराधीन उत्पाद के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (1) विचाराधीन उत्पाद ओ-एसिड अथवा ओफ्लोक्सेसिन एसिड है। यह ओफ्लोक्सेसिन विनिर्मित करने का एक मध्यवर्ती रसायन है, जो कि फ्लोरोक्वीनोलोन औषध के सिंथेटिक केमोथिरेपियोटिक एंटीबायोटिक है, जिसे दूसरी-संतति की फ्लोरोक्वीनोलोन श्रेणी माना जाता है। ओफ्लोक्सेसिन रेसेमिक मिश्रण होता है जिसमें 50% लेवोफ्लोक्सेसिन (जो कि बायोलोजिकली सक्रिय संघटक है) तथा इसका 50% "मिरर इमेज" अथवा इनेंटीओमर डेक्स्ट्रा फ्लोक्सेसिन शामिल होता है।
- (2) विचाराधीन उत्पाद के आयात के आंकड़ों से पता चलता है कि विचाराधीन उत्पाद का व्यापार वाणिज्यिक रूप से अनेक विभिन्न नामों से किया जाता है, जैसे कि ओ-एसिड, ओफ्लोक्सेसिन एसिड (ओफ्लोक्सेसिन एसिड 98% मिन), 9, 10-डिलफ्सयूरो-2, 3-डिहाईड्रो-3-मिथिल-7-ओक्सो-7एच पाईरीडो {1,2,3-डि} -1, 4-बेनेजोक्साजीन-6-कार्बोक्लिक एसिड (ओफ्लोक्सेसिन एसिड) ओफ्लोक्सेसिन क्यू एसिड 9, 10-डिफ्लूरो-2, 3 - डिहाईड्रो-3-मिथिल-7-ओक्सो-7एच- पाईरीडो {1,2,3-डि}-1-4-बेनिजोक्साजीन-6- कार्बोक्लिक एसिड (ओफ्लोक्सेसिन क्यू एसिड), ओफ्लोक्सेसिन एसिड, ओफ्लोक्सेनेसिड, क्यू एसिड ऑफ ओफ्लोक्सेसिन आदि। चूंकि ये विचाराधीन उत्पाद के विभिन्न संभावित नाम हैं, विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र में ये सभी नाम शामिल हैं।
- (3) ओफ्लोक्सेसिन एसिड का उपयोग ओफ्लोक्सेसिन का उत्पादन करने के लिए किया जाता है। यह ओफ्लोक्सेसिन एसिड का एकल उपयोग है। ओफ्लोक्सेसिन व्यापक ब्रांड नामों और समान जेनरिक औषधियों के रूप में बेचा जाता है, जो कि खाने और लगाने दोनों के लिए होती है। ओफ्लोक्सेसिन टोपीकल उपयोग के लिए उपलब्ध है, जिसे इसे आंख और कान में ड्राप डालने के लिए प्रयुक्त किया जाता है। यह विश्व स्वास्थ्य संगठन की अनिवार्य औषधियों की मॉडल सूची में शामिल है, जो कि मूल स्वास्थ्य प्रणाली में अत्यंत महत्वपूर्ण औषधी मानी जाती है।
- (4) ओफ्लोक्सेसिन ईस्टर और उसके किसी अन्य रूप को जिसमें कि उत्पाद को सम्पादित किया जा सकता है, को विचाराधीन उत्पाद के दायरे में शामिल करने के लिए इस तरह से स्पष्ट किया जाता है कि ओफ्लोक्सेसिन ईस्टर इस कारण से स्पष्टतया स्वीकार्य है कि पाटन-रोधी शुल्क लगाए जाने से पहले ओफ्लोक्सेसिन ईस्टर का भारत में कभी आयात नहीं किया गया था। अनन्तिम शुल्क 13 जुलाई, 2017 को लगाए गए थे। मात्र 3 महीनों में बाजार में इनके निर्यात 142 मी.टन के हुए हैं। ओफ्लोक्सेसिन ईस्टर केवल विभिन्न रूपों में ओफ्लोक्सेसिन एसिड है और ओफ्लोक्सेसिन ईस्टर का आयात करने का एक मात्र प्रयोजन पाटन-रोधी शुल्क से बचना है, जो कि ओ-एसिड के आयातों पर लागू होते हैं। ओ-एसिड को अन्य कोई उपयोग नहीं है तथा ओ एसिड ईस्टर की लागत, ओ-एसिड की लागत से बहुत भिन्न है।

## ग. 2. प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों के विचार

6. विचाराधीन उत्पाद के संबंध में किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने कोई निवेदन नहीं किया है।

## ग. 3. प्राधिकारी द्वारा जांच

7. विचाराधीन उत्पाद ओ-एसिड अथवा ओफ्लोक्सेसिन एसिड है। यह हल्के सफेद से सफेद रंग का पदार्थ होता है जो सफेद क्रिस्टेलिन पाउडर होता है और इसका उपयोग ओफ्लोक्सेसिन विनिर्मित करने के लिए एक मध्यवर्ती पदार्थ के रूप में किया जाता है, जो कि फ्लोरोक्वीनोलोन औषध के सिंथेटिक केमोथिरेपियोटिक एंटीबायोटिक है, जिसे दूसरी-संतति की फ्लोरोक्वीनोलोन श्रेणी माना जाता है। ओफ्लोक्सेसिन रेसेमिक मिश्रण

होता है जिसमें 50% लेवोफ्लोक्सेसिन (जो कि जैवीकीय रूप से सक्रिय संघटक है) तथा इसका 50% "मिरर इमेज" अथवा इनेंटीओमर डेक्स्ट्रा फ्लोक्सेसिन शामिल होता है।

8. ओ-एसिड का उपयोग ओफ्लोक्सेसिन का उत्पादन करने में किया जाता है, जिसका उपयोग कुछ संक्रमणों के उपचार के लिए किया जाता है, जिनमें श्वसनी शोथ, निमोनिया और चर्म संक्रमण, मूत्राशय, मूत्रीय क्षेत्रों, प्रजननकारी अंगों और ग्रन्थि शामिल हैं।

9. विचाराधीन उत्पाद को सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम के अध्याय 29 में वर्गीकृत किया गया है। विचाराधीन उत्पाद का आयात, विभिन्न अन्य एचएस संहिताओं नामतः 29419030, 29152990, 29163990, 29183090, 29189900, 29349900, 29411090, 29419090, 29420090 के अंतर्गत किया जाता है। सीमा शुल्क का ऐसा वर्गीकरण सांकेतिक है और यह वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद के कार्य-क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।

10. रिकार्ड पर उपलब्ध सूचना से प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित विचाराधीन उत्पाद, संबद्ध देश से आयातित वस्तुओं के समान वस्तु है। घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित और संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तुएं भौतिक और रसायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्यों और उपयोगों, उत्पाद विनिर्देशनों, वितरण और विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण जैसी अनिवार्य उत्पाद विशेषताओं की दृष्टि से तुलनीय है। नियमावली के अनुसार उद्योग द्वारा विनिर्मित और संबद्ध देश से आयातित वस्तुएं, समान वस्तुएं हैं। ये दोनों वस्तुएं तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। इस प्रकार प्राधिकारी का यह मानना है कि पाटन-रोधी नियमावली के अनुसार आवेदक घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित वस्तुएं और संबद्ध देश से आयातित विचाराधीन उत्पाद के समान वस्तु है।

11. घरेलू उद्योग ने यह मांग की है कि विचाराधीन उत्पाद के रूप में ईस्टर के आयातों पर लागू पाटन-रोधी शुल्क की अवधि को आगे बढ़ाया जाए। तथापि, प्राधिकारी का विचार है कि ऐसा प्रमाणित नहीं है कि विचाराधीन उत्पाद के रूप में ईस्टर को शामिल करने का स्पष्ट अभिप्राय यह नहीं होगा कि विचाराधीन उत्पाद के दायरे को बढ़ा दिया गया है। इसके अतिरिक्त कार्रवाई किए जाने के ऐसे विलंबित चरण में विचाराधीन उत्पाद के रूप में ईस्टर को शामिल करने पर विचार नहीं किया जा सकता है। फिर भी यदि घरेलू उद्योग ऐसा समझता है कि विचाराधीन उत्पाद के रूप में ईस्टर के आयातों पर पहले सिफारिश किए गए पाटन-रोधी शुल्क की प्रपंचना करने के लिए उत्पाद का आयात किया जा रहा है, तो घरेलू उद्योग प्रपंचना-रोधी विधि के अंतर्गत एक आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर सकता है।

## **घ. घरेलू उद्योग का कार्य-क्षेत्र और आधार**

### **घ. 1. घरेलू उद्योग के विचार**

12. घरेलू उद्योग के कार्य-क्षेत्र और आधार के बारे में किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (1) आवेदक विचाराधीन उत्पाद का एकमात्र उत्पादक है और उसने उसके उत्पादन की अभी नई सुविधाएं स्थापित की हैं, जिसका भारत में अब तक उत्पादन नहीं होता था।
- (2) आवेदक कुछ समय से ओफ्लोक्सेसिन का उत्पादन कर रहा है जिसके लिए आवेदक चीन से ओफ्लोक्सेसिन एसिड का आयात कर रहा था।
- (3) याचिकादाता विगत में इस कारण से विचाराधीन उत्पाद के आयात कर रहा था कि भारत में विचाराधीन उत्पाद का कोई उत्पादन नहीं होता था। याचिकादाता ने विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन करने के लिए अत्यधिक निवेश किया है और उसने उसका वाणिज्यिक उत्पादन करना भी शुरू कर दिया था। तथापि,

याचिकादाता ने जैसे ही वाणिज्यिक उत्पादन करना शुरू किया, वैसे ही चीन के उत्पादकों ने गहन पाटन करना शुरू कर दिया था।

- (4) विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन में कच्चे माल की लागत (अनुकूलतम खपत कारकों पर), चीन के उत्पादक द्वारा पेश की जा रही कीमत से बहुत अधिक थी। इस प्रकार यह ऐसा स्पष्ट मामला है, जिसमें चीन के उत्पादकों ने अत्यधिक आक्रमणशील कीमतों की पेशकश की है और ऐसे स्तर से नीचे हैं जो कि कच्चे माल में निहित लागतों द्वारा समर्थित है। इसलिए याचिकादाता को वाणिज्यिक उत्पादन शुरू करने के बाद विचाराधीन उत्पाद की कुछ मात्रा में आयात करने के लिए विवश होना पड़ा था।
- (5) आवेदक ने विचाराधीन उत्पाद का निर्यात नहीं किया था। आवेदक संबद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद के किसी भी आयातक अथवा निर्यातक से संबंधित नहीं है। किसी भी स्थिति में ऐसा कोई संबंध नहीं है जिससे नियम 2 (ख) के अंतर्गत बहिष्करण की संभावना उत्पन्न होती हो।
- (6) उन परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए जिनमें आवेदक ने विचाराधीन उत्पाद के आयात किए थे, प्राधिकारी को आवेदक को नियमावली की परिभाषा के भीतर पात्र घरेलू उद्योग माना जाना चाहिए।
- (7) याचिकादाता एक नया उत्पादक है और इस प्रकार उसे स्थापित उत्पादकों जैसा उत्पादक नहीं माना जा सकता है। जिन मामलों में कैप्टिव उत्पादकों को बाहर रखा गया था, वे भिन्न हैं, चूंकि उन मामलों में उत्पादकों का उद्देश्य घरेलू बाजार में बिक्री करना नहीं था। क्षमता का सृजन करने के लिए अत्यधिक निवेश किया गया है, जो कि भारत में ओ-एसिड की मांग के तुलनीय है।
- (8) भारत में विचाराधीन उत्पाद का कोई अन्य ज्ञात उत्पादक नहीं है। आवेदक भारत में विचाराधीन उत्पाद का नया उत्पादक है, जिसका भारत में उत्पादन का कोई विगत इतिहास नहीं है। याचिका नियमावली के अंतर्गत घरेलू उद्योग के आधार को पूरा करती है। इसके अतिरिक्त आवेदक पाटन-रोधी नियमावली की परिभाषा के भीतर घरेलू उद्योग बनता है।
- (9) याचिकादाता ने हाल ही में चीन की किसी भी कंपनी में कोई शेयर नहीं खरीदा है। याचिकादाता की चीन में एक संयुक्त उद्यम कंपनी है। तथापि, यह कंपनी बहुत अधिक पुरानी है और विचाराधीन उत्पाद अथवा ओफ्लोक्सेसिन का उत्पादन नहीं करती है।
- (10) याचिकादाता भारत में किसी आयातक अथवा संबद्ध देश से किसी निर्यातक से संबंधित नहीं है।
- (11) याचिकादाता ओफ्लोक्सेसिन में खपत करने करने के लिए विचाराधीन उत्पाद का आयात कर रहा है। याचिकादाता ने कैप्टिव प्रयोजनार्थ के साथ-साथ व्यापारी बाजार में बेचने के लिए क्षमताएं स्थापित की हैं। याचिकादाता ने संबद्ध उत्पाद का उत्पादन करने के लिए अत्यधिक पूंजी निवेश किया था और उसने अपना निजी उत्पादन शुरू करने के बाद संबद्ध वस्तुओं का आयात करना बंद कर दिया था।
- (12) चीन के उत्पादकों ने अपनी कीमतों को इस हद तक कम कर दिया था जिससे याचिकादाता ओफ्लोक्सेसिन का उत्पादन करने के लिए संबद्ध वस्तुओं का आयात करने के लिए विवश हो गया था, जो कि पृथक पाटन-रोधी जांच के अध्यधीन है।
- (13) याचिकादाता एक नया उत्पादक है और उसे उस मानक से आंका नहीं जा सकता है, जिससे स्थापित उत्पादक को आंका जाता है। याचिकादाता निचले स्तर के उत्पाद (ओफ्लोक्सेसिन) का उत्पादन कर रहा है, जो की पाटन-रोधी जांच के अध्यधीन है। अन्य मामलों में जिनमें कैप्टिव उत्पादकों को बाहर रखा गया है, वे भिन्न हैं क्योंकि ऐसे उत्पादक घरेलू बाजार में बिक्री नहीं करते हैं। आयात निचले स्तर के उत्पाद में प्रयुक्त किए जाने के लिए किए गए हैं।
- (14) नियम 2 (ख) प्राधिकारी को विवेकाधिकार प्रदान करता है और इस संबंध में निवेदन निराधार हैं।

## घ. 2. प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों के विचार

13. घरेलू उद्योग के आधार और कार्य-क्षेत्र के बारे में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (1) आवेदक द्वारा प्रस्तुत आवेदन-पत्र के आधार पर जांच शुरू की गई है। आवेदक ने अक्टूबर, 2015 में ओ-एसिड को विनिर्माण करना शुरू किया था और यह स्पष्ट नहीं है कि ऐसा उत्पादन प्रायोगिक दौर था अथवा वाणिज्यिक उत्पादन था।
- (2) आवेदक को इस कारण से घरेलू उद्योग नहीं माना जा सकता है कि वह केवल एक कैप्टिव उत्पादक है और घरेलू विक्रेता नहीं है। आवेदक ने ओ-एसिड का उत्पादन 224 मी.टन किया था और उसे कैप्टिव खपत के लिए प्रयुक्त किया था तथा घरेलू बाजार में नहीं बेचा था। इसलिए याचिकादाता के ओ-एसिड के उत्पादन ने ओफ्लोक्सेसिन का उत्पादन करने के लिए मात्र कैप्टिव मांग को पूरा किया था।
- (3) ओ-एसिड की वर्तमान स्थापित क्षमता ओफ्लोक्सेसिन का उत्पादन करने के लिए आवेदक की कैप्टिव मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त है। ऐसी स्थिति में जिसमें आवेदक का मुख्य लक्ष्य कैप्टिव आवश्यकता को पूरा करना है, उसे घरेलू उद्योग कैसे माना जा सकता है।
- (4) आवेदक का निवेश कैप्टिव खपत के लिए है और न कि घरेलू बिक्रियों के लिए। आस्ट्रेलिया और चीन जनवादी गणराज्य मूल के अथवा वहां से निर्यातित “लो एश मेटेल्लयुजिकल कोक” के आयातों से संबंधित पाटन-रोधी जांच के मामले में दिनांक 20 अक्टूबर, 2016 के अंतिम जांच परिणाम संख्या 14/09/2015-डीजीएडी द्वारा कैप्टिव उत्पादकों को घरेलू उद्योग के दायरे से बाहर रखा गया है।
- (5) वर्तमान जांच, विधि की दृष्टि से निकृष्ट है क्योंकि याचिकादाता स्वतंत्र रूप से यह स्वीकार करता है कि वह चीन जनवादी गणराज्य से संबद्ध वस्तुओं का एक आयातक है। नियम 2 (ख) के अनुसार ऐसे उत्पादकों को जो कि आयातक भी हैं, घरेलू उद्योग के अधिकार-क्षेत्र से बाहर रखा जा सकता है। याचिकादाता संबद्ध वस्तुओं का वाणिज्यिक उत्पादन शुरू करने से पहले और बाद में भी संबद्ध वस्तुओं का आयात कर रहा है। वास्तव में याचिकादाता न केवल जांच अवधि से पहले, बल्कि जांच अवधि के बाद भी संबद्ध वस्तुओं का आयात कर रहा था। चूंकि आरती ड्रग्स लिमिटेड ने कम कीमत के आयातों का लाभ प्राप्त करने के लिए संबद्ध वस्तुओं का आयात किया है, अब आरती ड्रग्स लिमिटेड यह दावा नहीं कर सकता है कि उसे ऐसे कम कीमत के आयातों के कारण प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।
- (6) याचिकादाता के चीन की एक कंपनी में शेयर हैं और इस तथ्य को प्राधिकारी से छिपाया गया है।
- (7) याचिकादाता ने जांच अवधि के दौरान उत्पादन के आंकड़ों के साथ-साथ चीन जनवादी गणराज्य से याचिकादाता के आयातों के संबंध में गोपनीयता का दावा किया है, जिन पर टिप्पणी देना प्रतिवादी पक्षकारों के लिए संभव नहीं है। ऐसा प्रतीत होता है कि याचिकादाता आरोपित पाटित वस्तुओं की खरीद और बिक्री से लाभ प्राप्त करके आरोपित पाटन के सभी दुष्प्रभावों से स्वयं को छिपाए हुए है। इस प्रकार वर्तमान याचिका को खारिज करने के पर्याप्त आधार हैं।

## घ. 3. प्राधिकारी द्वारा जांच

14. आवेदन-पत्र मेसर्स आरती ड्रग्स लिमिटेड, मुंबई द्वारा विचाराधीन उत्पाद के एक घरेलू उत्पादक होने के रूप में प्रस्तुत किया गया है। यह अविवादित है कि भारत में विचाराधीन उत्पाद का कोई अन्य ज्ञात उत्पादक नहीं है और आवेदक भारत में विचाराधीन उत्पाद का एक नया उत्पादक है। आवेदक ने विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन के लिए नया निवेश किया है। विचाराधीन उत्पाद के लिए घरेलू उद्योग द्वारा सृजित क्षमता की तुलना ओफ्लोक्सेसिन के उत्पादन के लिए आवेदक की कैप्टिव आवश्यकता के साथ की गई है। यह नोट किया जाता है कि आवेदक ने \*\*\* मी.टन की क्षमता स्थापित की है और उत्पाद की उसकी निजी आवश्यकता लगभग \*\*\* मी.टन है। इसके अतिरिक्त ओफ्लोक्सेसिन का उत्पादन लगभग \*\*\* मी.टन होने को ध्यान में रखते हुए देश में उत्पाद की



आवश्यकता \*\*\* मी.टन होने का अनुमान लगाया गया है। इस प्रकार यह स्पष्ट होता है कि आवेदक ने अपनी निजी आवश्यकता से अधिक ओफ्लोक्सेसिन एसिड की उत्पादन क्षमताएं स्थापित की हैं। इसके अतिरिक्त उसने बाजार में अन्य को वस्तुओं को बेचने का अपना इरादा स्पष्ट कर दिया है, हालांकि उसमें उसे कोई सफलता नहीं मिली है। इसलिए यह स्पष्ट है कि घरेलू उद्योग द्वारा स्थापित उत्पादन क्षमता उसके निजी उपयोग के साथ-साथ बाजार में अन्य प्रयोक्ताओं को बिक्री करने के लिए है।

15. हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि आवेदक ने उत्पादन की क्षमताएं केवल खपत करने के लिए ही स्थापित की हैं और विगत में प्राधिकारी ने यह निर्णय दिया है कि नियम 5 के अंतर्गत घरेलू उत्पादक के आधार का निर्धारण करने के लिए कैप्टिव खपत पर विचार करने की आवश्यकता नहीं है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि (क) ओफ्लोक्सेसिन एसिड के लिए कंपनी द्वारा सृजित की गई क्षमताएं उसकी निजी आवश्यकताओं से बहुत अधिक हैं, (ख) ऐसी क्षमताएं निश्चित रूप से भारतीय बाजार में उत्पाद की मांग से तुलनीय हैं, (ग) उत्पादन शुरू करने के बाद आवेदक ने ई-मेल संचारणों और केमिकल वीकली में सार्वजनिक विज्ञापन दे कर बिक्री के लिए उत्पाद की निरंतर पेशकश की है, (घ) वर्तमान मामला ऐसा मामला है जिसमें प्राधिकारी इसकी जांच कर रहे हैं कि क्या उत्पाद का पाटन, देश में घरेलू उद्योग की अवस्थापना के लिए सामग्रीगत विलम्बन है या नहीं, (ङ) वर्तमान स्थिति पर विचार करना और उसकी तुलना ऐसी स्थिति से करना उपयुक्त नहीं होगा जिसमें ऐसे अनेक घरेलू उत्पादक हों जो काफी लंबी अवधि से विद्यमान हैं और जो कैप्टिव खपत के लिए उत्पादन कर रहे हैं अथवा विशेष रूप से बाजार में उत्पाद को बेच रहे हैं अथवा दोनों प्रचालन कर रहे हैं। इसलिए वर्तमान मामले के तथ्यों और परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी का यह निर्णय है कि जांच अवधि तक वास्तविक व्यापारिक बिक्रियां नहीं होने के तथ्य से कंपनी को नियम 2 (ख) के अंतर्गत घरेलू उद्योग के रूप में माने जाने से वंचित नहीं किया जाना चाहिए।

16. आयातों के कारण घरेलू उद्योग की पात्रता के प्रश्न के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटन-रोधी नियमावली के नियम 2 (ख) के अंतर्गत निर्धारित प्रावधान का आशय किसी घरेलू उत्पादक को घरेलू उद्योग के क्षेत्र से मात्र इस कारण से बाहर करना नहीं है कि उसने संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयात किए हैं। प्राधिकारी ऐसे आयातों के मूल आधार और परिस्थितियों पर विचार करना उपयुक्त समझते हैं और तदनुसार इसकी जांच करते हैं कि क्या पाटन-रोधी नियमावली के अनुसार घरेलू उत्पादक को घरेलू उद्योग माना जाए अथवा नहीं। ऐसे घरेलू उत्पादक के आशय और ऐसी स्थिति का मूल्यांकन करना महत्वपूर्ण है जिसके अंतर्गत ऐसे आयात किए गए हैं। आवेदक के दावे के अनुसार ओफ्लोक्सेसिन के उत्पादन में खपत करने के लिए ओ-एसिड का उत्पादन शुरू करने से पहले वह ओएसिड का आयात कर रहा था। ओ-एसिड का अपना निजी उत्पादन शुरू करने के बाद आवेदक ने ओ-एसिड का आयात करना बंद कर दिया था। तथापि, चीन से निर्यातकों ने ओ-एसिड की कीमतों को इतना अधिक कम कर दिया था कि आवेदक को निचले स्तर के उत्पाद (ओफ्लोक्सेसिन) को जारी रखने के लिए चीन से दुबारा ओ-एसिड का आयात करने के लिए विवश होना पड़ गया, ताकि वह उत्पाद का प्रतिस्पर्द्धी बना रह सके, विशेषकर तब जब कि चीन से पाटित कीमतों पर ओफ्लोक्सेसिन का भी निर्यात किया जा रहा है, जिसके लिए एक पृथक जांच चल रही है। यह बताया गया था कि ओफ्लोक्सेसिन के उत्पादन के लिए आवेदक के प्रचालन और अधिक गैर-अर्थक्षम हो जाते, यदि उसने ओफ्लोक्सेसिन के उत्पादन के लिए अपने समस्त कैप्टिव एसिड को उपयोग किया होता। रिकार्ड में उपलब्ध आंकड़े इस तथ्य का समर्थन करते हैं कि घरेलू उद्योग ने उस अवधि में अपने आयात कम कर दिए थे और अनन्तिम शुल्क लागू होने के बाद ओ-एसिड के आयात पूर्णतया बंद कर दिए थे। प्राधिकारी ने नोट किया है कि आवेदक का वास्तविक इरादा उत्पादन पर ध्यान संकेन्द्रित करना है और न कि आयातों पर तथा आरोपित पाटित आयात, घरेलू उद्योग को बाजार में पूरी तरह से स्थापित होने नहीं दे रहे थे। इसके अतिरिक्त घरेलू उद्योग द्वारा किए गए आयातों को व्यापारिक बाजार में नहीं बेचा गया है। आवेदक को अपनी रक्षा करने के लिए ही उत्पाद का आयात करने पर विवश होना पड़ा था, जो कि उसका विकल्प नहीं था। इसलिए आवेदक, पाटन-रोधी नियमावली में उल्लिखित परिभाषा के भीतर घरेलू उद्योग बनता है।

17. मामले को कानूनी प्रावधानों और तथ्यों की ध्यानपूर्वक जांच करने के बाद प्राधिकारी का यह विचार है कि नियम 2 (ख) में उल्लिखित परिभाषा के अनुसार आवेदक एक पात्र घरेलू उद्योग है। आवेदक का उत्पादन, समान वस्तु का समग्र भारतीय उत्पादन बनता है। इसलिए प्राधिकारी का यह निर्णय है कि पाटन-रोधी नियमावली के नियम 2 (ख) में उल्लिखित परिभाषा के अनुसार आवेदक एक पात्र घरेलू उद्योग है और आवेदन-पत्र उपरोक्त नियमावली के नियम 5 में उल्लिखित आधार के मानदंड को पूरा करता है।

### **ड. गोपनीयता**

#### **ड.1 घरेलू उद्योग के विचार**

18. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (1) चीन के निर्यातकों ने अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है। जहां तक कि सार्वजनिक क्षेत्र में उपलब्ध सूचना की गोपनीयता का दावा किया गया है।
- (2) चीन के निर्यातकों ने लाभ और आर्थिक सहायता से संबंधित सूचना का भी दावा किया है, जबकि सार्वजनिक रूप से उपलब्ध सूचना दर्शाती है कि चीन के उत्पादक अत्यधिक सहायिकियों से लाभान्वित हो रहे हैं।
- (3) कुछ सूचना को सूचीबद्ध किया जा सकता है, लेकिन चीन के निर्यातकों ने उसको प्रदान नहीं किया है।

#### **ड.2 प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों के विचार**

19. विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदनों को संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है:-

- (1) याचिका के अगोपनीय वृत्तान्त से उनमें निहित आरोपों को ठीक ढंग से नहीं समझा जा सकता है। चूंकि याचिका के प्रदत्त आंकड़ों को अगोपनीय भाग में ठीक ढंग से सूचीबद्ध नहीं किया गया है, हितबद्ध पक्षकारों के हितों के अधिकारों की पूरी तरह से सुरक्षा नहीं की जा सकती है। याचिका का अगोपनीय वृत्तान्त नियमावली के नियम-7 और निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा जारी की गई दिनांक 09 दिसंबर, 2013 के व्यापारिक सूचना संख्या 1/2013 में निर्धारित मानकों को पूरा करने में विफल है।
- (2) याचिकादाता ने अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है और एक अधूरी याचिका दायर की है। “फार्मेट क, ख, ग 1, ग 2, घ और ड” तथा इन सभी फार्मेट की गोपनीयता का दावा किया गया है। प्रपत्र-IV ख का पर्याप्त और उपयुक्त अगोपनीय वृत्तान्त, परियोजना रिपोर्टें जिन पर याचिकादाता द्वारा विश्वास किया गया है, परिशुद्धता का प्रमाण पत्र/फार्मेट च, प्राक्कलन/तुलना और याचिकादाता ईष्टतम परियोजनाओं के आधार प्रदान किए जाने चाहिए।
- (3) परियोजना रिपोर्टों से कोई भी आंकड़ा उपलब्ध नहीं है। इस प्रकार यह अस्पष्ट है कि क्या प्रारंभिक जांच परिणाम में उल्लिखित आंकड़े परियोजना रिपोर्ट से प्राप्त किए गए हैं अथवा पूरी तरह से नए संरचित हैं।
- (4) याचिकादाता ने अपने आर्थिक प्राचलो से संबंधित कोई आंकड़ा प्रस्तुत नहीं किया है और प्राधिकारी ने भी वास्तविक स्थिति के साथ-साथ अनुमानों के अनुसार क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग, कैप्टिव बिक्रियों और अंत स्टॉक से संबंधित समस्त आंकड़ों को सम्पादित किया है।
- (5) रिलायन्स इंडस्ट्रीज बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी के मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा घोषित विशिष्ट न्यायिक क्षेत्राधिकार के विपरीत संरचित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमतों जैसे मुद्दों पर प्राधिकारी के निष्कर्ष और निर्धारण को गोपनीय रखा गया है।
- (6) प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों को सार्वजनिक फाईल में नहीं रखा है और उनका प्रकटन प्रारंभिक जांच परिणाम में नहीं किया है।

#### **ड.3 प्राधिकारी द्वारा जांच**

20. गोपनीयता के संबंध में वर्तमान जांच की कार्रवाई के दौरान विविध पक्षकारों द्वारा किए गए और प्राधिकारी द्वारा प्रासंगिक पाए गए विभिन्न निवेदनों की जांच की गई थी। हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय

आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना की जांच, गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में की गई है। प्राधिकारी ने संतुष्ट होने पर जहां कहीं भी उचित था, गोपनीयता के ऐसे दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना को गोपनीय समझा है और उसे अन्य पक्षकारों के समक्ष प्रकट नहीं किया है। जहां कहीं भी संभव हुआ है, वहां गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान करने वाले हितबद्ध पक्षकारों को निदेश दिया था कि वे गोपनीय आधार पर दायर सूचना का अगोपनीय वृत्तान्त भी प्रस्तुत करें। प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय वृत्तान्त को सार्वजनिक फाईल के रूप में उपलब्ध कराया है।

21. हितबद्ध पक्षकारों ने सूचना की गोपनीयता के संबंध तर्क दिए हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्राधिकारी द्वारा सामान्यतया अनुपालन की जा रही पद्धति के अनुसार हितबद्ध पक्षकारों के गोपनीयता के दावे सुसंगत हैं। जहां कहीं भी संभव हुआ है, हितबद्ध पक्षकारों को सूचना का अगोपनीय वृत्तान्त प्रदान किया गया है। घरेलू उद्योग ने गोपनीय याचिका में निहित अपनी विभिन्न सूचना का सूचीबद्ध वृत्तान्त प्रदान किया है।

22. सीएनवी गोपनीय है क्योंकि इसका परिकलन घरेलू उद्योग की एनआईपी के आंकड़ों के आधार पर किया जाता है। सीएनवी का परिकलन करने की कार्य-प्रणाली का उल्लेख संबद्ध पैराओं में किया गया है। एनआईपी का परिकलन सहयोगी निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के आधार पर किया गया है और उनका प्रकटन नहीं किया जा सकता है।

23. आईबीआईएस के अनुसार आयात के जिन आंकड़ों पर घरेलू उद्योग ने विश्वास किया है, उनका प्रकटन उसने अपनी याचिका में किया है और इसे सार्वजनिक फाईल में रखा गया है। डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों के संबंध में कोई भी पक्षकार प्राधिकारी से संपर्क कर सकता था, जो शर्तों के अनुसार डीजीसीआईएंडएस से उन्हें प्राप्त करने का अधिकार पत्र जारी कर सकते थे। लेकिन इस मामले में किसी भी निर्यातक ने डीजीसीआईएंडएस से आंकड़े उपलब्ध कराने के लिए प्राधिकारी से संपर्क नहीं किया है।

## च. विविध मुद्दे

### च.1 घरेलू उद्योग के विचार

24. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:

- (1) चीन की सरकार द्वारा कोई भी आर्थिक सहायता नहीं दिए जाने के संबंध में प्रश्नावली के उत्तर में निर्यातकों ने झूठे और भ्रामक विवरण दिए हैं, चूंकि याचिकादाता द्वारा प्रदत्त गैर-व्यापक सूची में ऐसे कार्यक्रमों का उल्लेख किया गया है, जो कि चीन की सरकार द्वारा चलाए जा रहे हैं, जिनमें निर्यातकों को लाभ प्रदान किए जा रहे हैं।
- (2) निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा सिफारिश किए गए पाटन-रोधी शुल्क की वर्तमान मात्रा कम है, जो कि घरेलू उद्योग की रक्षा करने के लिए अपर्याप्त है और इसलिए याचिकादाता का निर्दिष्ट प्राधिकारी से अनुरोध है कि वे कृपया पाटन-रोधी शुल्क की मात्रा को बढ़ाने पर विचार करें।
- (3) प्राधिकारी ने जिआंगक्सी चिबांग फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड के लिए प्रारंभिक जांच परिणाम में दो विभिन्न माध्यमों के नाम से दो विभिन्न शुल्क लगाए हैं। पहले तब जब कि वे स्वयं वस्तुओं का निर्यात करते हैं और दूसरा तब जब वे झेझियांग केमिकल्स इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड और झेझियांग किंसगयांग हेंगडियान अपीलोआ इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड के माध्यम से निर्यात करते हैं, जो कि कमतर शुल्क माध्यम को लागू करने के लिए उत्पादक को अनुचित और गैर-अभीष्ट लाभ प्रदान करता है।

### च.2 प्रतिवदी हितबद्ध पक्षकारों के विचार

25. विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदनों का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है:-

- (1) अनुच्छेद 9 ख (1) (ख) (3) के अनुसार "सामग्री विलम्बन" के मामलों में अनन्तिम शुल्क नहीं लगाए जा सकते हैं। ये तभी लागू किए जा सकते हैं जबकि जांच अवधि के दौरान पाटन के कारण क्षति हो रही हो और इसके अतिरिक्त यह भी निर्णय है कि जांच के दौरान क्षति की रोकथाम करने के लिए शुल्क आवश्यक

- है, अर्थात् क्षति की रोकथाम करने की आवश्यकता, मौजूदा शुल्क के अतिरिक्त है और न कि उसके बदले में।
- (2) प्राधिकारी घरेलू उद्योग को सामग्री विलम्बन की जांच करने के लिए पहले कार्य-प्रणाली बनाए बिना और उसका प्रकटन किए बिना जांच को निरंतर जारी नहीं रख सकते हैं। यूएस मानक को शामिल करने से प्राधिकारी पूरी और कारगर जांच करने में सक्षम होंगे।
  - (3) याचिका में निहित आंकड़ों मात्र से सामान्य शुरू करने की दशाओं का पता चलता है। प्रचालनात्मक कमियों और शुरू करने की कठिनाईयों के कारण कथित क्षति हुई है और न कि चीन जनवादी गणराज्य से कथित किसी पाटन के कारण।
  - (4) याचिकादाता की नवीनतम अवस्थापना है और उसके उत्पादन और आपूर्ति की श्रृंखला पूर्णतया स्पष्ट रूप से स्थापित नहीं हुई है। ऐसी अत्यावश्यक मद के मामले में स्थापित श्रृंखलाओं को अवरोधित करने के फलस्वरूप प्रयोक्ता उद्योग अर्थात् स्वास्थ्य परिचर्या उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेंगे। जहां तक कि एक मात्र आपूर्तिकर्ता देश से उत्पाद की कीमत में वृद्धि करने से समग्र आपूर्ति बाधित हो सकती है और उससे प्रयोक्ता उद्योग पर और अंततः ऐसे रोगियों पर अनुचित भार पड़ सकता है, जो कि उत्पाद के उपभोक्ता हैं।
  - (5) यह तथ्य कि आवेदक स्वतः बाजार में संबद्ध वस्तुओं की आपूर्ति करने में विफल रहा है, जिसका अनुचित भार संबद्ध वस्तुओं के आयातकों पर नहीं पड़ना चाहिए। वास्तव में याचिकादाता संबद्ध वस्तुओं का एक आयातक है। इसके अतिरिक्त कीमत कारक और मात्रा कारक, किसी पाटन-रोधी उपाय को लागू करने के लिए अकेले निर्देश नहीं देते हैं।
  - (6) आवेदक ने सामग्री विलम्बन के संबंध में कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है और न ही प्रारंभिक जांच परिणाम में प्राधिकारी द्वारा उसकी जांच की गई है।
  - (7) महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (एमपीसीबी) के आदेश के कारण मेसर्स आरती ड्रग्स लिमिटेड की उत्पादन सुविधाओं बंद हो गई थीं चूंकि वे अभी भी पर्यावरण संबंधी मुद्दों में उलझे हुए थे और उसकी उत्पादन सुविधाएं निरंतर बंद हैं। इस प्रकार घरेलू उद्योग की आपूर्ति अनिश्चित और अविश्वसनीय है।
  - (8) यह प्रमाणित करने के लिए कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है कि निर्यातकों ने किस तरह से प्राधिकारी को भ्रमित किया है, चूंकि ऐसा कोई साक्ष्य निर्यातकों को प्राप्त नहीं हुआ है। इसके अतिरिक्त वर्तमान जांच स्वीकृत की जा रही आर्थिक सहायता का अनुमान लगाने के लिए नहीं है, इसलिए उसके संबंध में याचिकादाता अथवा प्राधिकारी के लिए कोई निश्चित बयान देना लिए संभव नहीं है। प्रतिवादी यहां एमईटी का दावा नहीं कर रहे हैं, इसलिए यदि प्रतिवादियों को कोई आर्थिक सहायता प्राप्त हुई है, तो वह वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ प्रासंगिक होगी।
  - (9) विभिन्न व्यापारिक माध्यमों के लिए भिन्न शुल्क मार्जिन का प्राधिकारी का निर्धारण बिल्कुल गलत नहीं है, चूंकि प्राधिकारी मुख्यतया भारत के लिए उत्पाद और निर्यातक के बीच व्यापारिक माध्यम के आधार पर शुल्कों को अभिज्ञात करते हैं। इस प्रकार ऐसा कोई भी उत्पादक जिसे सीधे निर्यातों के लिए शुल्क तालिका में शुल्क की दर प्राप्त होती है, उस पर किसी अन्य निर्यातक के लिए प्रयुक्त करने के लिए स्वतः शेष दर लागू होती है। इसके अतिरिक्त प्रत्येक उत्पाद के लिए किसी विशेष शुल्क का दावा करना और प्रत्येक निर्यातक के लिए विशेष शुल्क, व्यापार की वास्तविकताओं के साथ-साथ शुल्क मार्जिन परिकलन से विषम होगा, चूंकि प्राधिकारी द्वारा उत्पादक और निर्यातक सहित व्यापारिक माध्यम के आधार पर शुल्क मार्जिन निर्धारित किया जाता है। निर्यातक द्वारा किए गए उत्पादक की वस्तुओं के पाटन के लिए उत्पादक को दंडित करना अनुचित होगा।
  - (10) प्राधिकारी से अनुरोध है कि वे अल्प, 18 महीनों की सीमित अवधि के लिए शुल्कों की सिफारिश करने पर विचार करें ताकि घरेलू उद्योग कुछ समय के भीतर अपना वाणिज्यिक उत्पादन पूरा कर सके और घरेलू उद्योग की स्थिति का उचित मूल्यांकन करने के लिए और सूचना प्रदान की जा सके।

**च.3 प्राधिकारी द्वारा जांच**

26. विविध निवेदनों का किया गया विश्लेषण निम्नानुसार है:-

- (1) अनुच्छेद 9 ख (1) (ख) (3) के अनुसार "सामग्री विलम्बन" के मामलों में अनन्तिम शुल्क नहीं लगाए जा सकते हैं। यह नोट किया जाता है कि अनन्तिमक पाटन-रोधी शुल्क लागू करने के लिए सीमा-शुल्क अधिनियम में कोई रोक नहीं है। अनुच्छेद 9 ख (1) (ख) (3) के अनुसार "क्षति" में क्षति के सभी तीन रूप नामतः आर्थिक क्षति, आर्थिक क्षति का खतरा और घरेलू उद्योग की अवस्थापना को सामग्री मंदी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त जांच अवधि के दौरान क्षति के विद्यमान होने के लिए भी मामले की जांच की गई थी, जिसका आगे अलग-अलग मास के आधार पर विश्लेषण किया गया है। चूंकि उद्योग उनके विद्यमान होने से संबंधित जटिल स्थिति का सामना कर रहा था, प्राधिकारी ने अनन्तिम शुल्क लगाना आवश्यक समझा था, जिससे कि घरेलू उद्योग को हो रही क्षति की रोकथाम की जा सके। तथापि, वर्तमान जांच में अंतिम जांच परिणाम जारी करने के लिए इस मामले सभी तथ्यों की नए सिरे से जांच की गई है और उनका विश्लेषण किया गया है।
- (2) इस तर्क के संबंध में कि सामग्री विलम्बन की जांच करने के लिए पहले कार्य-प्रणाली बनाए बिना और उसका प्रकटन किए बिना जांच को निरंतर जारी नहीं रखा जा सकता है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि विगत में सामग्री विलम्बन पर अनेक मामले हुए हैं। इसके अतिरिक्त जांच शुरू करने संबंधी अधिसूचना में स्पष्ट रूप से यह निर्धारित किया गया है कि जांच, घरेलू उद्योग की अवस्थापना को आर्थिक क्षति होने और सामग्री विलम्बन की जांच करने से संबंधित है और इस प्रकार घरेलू उद्योग के मासिक कार्य-निष्पादन पर विचार किया जाएगा।
- (3) इस तर्क के संबंध में कि घरेलू उद्योग के उत्पादन और आपूर्ति की स्थिति स्थापित नहीं की गई है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि मासिक विश्लेषण से यह पता चलता है कि घरेलू उद्योग अपने संयंत्र में अपने उत्पादन और क्षमता को बढ़ा सकता था, लेकिन पाटित आयातों ने घरेलू उद्योग को संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन करने और उन्हें घरेलू बाजार में बेचने से रोक दिया है। उत्पादन और कैप्टिव बिक्रियों में गिरावट आने के परिणाम स्वरूप उसकी वित्तीय घाटे हुए हैं।
- (4) यह नोट किया जाता है कि जांच अवधि (जुलाई, 2015 – जून, 2016) के दौरान संयंत्र बंद नहीं था। तथापि, एमपीसीबी के आदेश अनुसार संयंत्र 03.12.2016 -03.02.2017 और 25.04.2017-18.05.2017 तक बंद था, लेकिन निचले स्तर के संयंत्र को चालू रखने के लिए उसके पास पर्याप्त मालसूचियां थीं।
- (5) निर्यातकों के उत्तर की जांच करने और साथ ही उसका सत्यापन करने के बाद यह पाया गया है कि उत्पादक संबंधित हैं अथवा उनका एक यूनिट दूसरे की सहायक कंपनी है, इसलिए ऐसे मामले में शुल्क उपयुक्त रूप से निष्फल हो गए।

**छ. बाजार अर्थव्यवस्था निरूपण, सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का निर्धारण**

27. अधिनिधम की धारा 9 (1) (ग) और पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-1 के अंतर्गत सामान्य मूल्य से संबंधित प्रावधान दिए गए हैं।

**छ.1 घरेलू उद्योग के विचार**

28. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (1) चीन एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है। उसका कोई भी निर्यातक बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा स्वीकृत करने के लिए अर्हता की किसी भी शर्त को पूरा नहीं करता है। सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए चीन में उत्पादकों की लागत और कीमत पर विश्वास नहीं किया जा सकता है।

- (2) सामान्य मूल्य का निर्धारण, बाजार अर्थव्यवस्था वाले तृतीय देश में कीमत अथवा संरचित मूल्य के आधार पर इस कारणवश नहीं किया जा सकता है कि संबद्ध सूचना सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है। आवेदक बाजार अर्थव्यवस्था वाले तृतीय देश में उत्पादक से ऐसी सूचना प्राप्त करने में असमर्थ रहा है क्योंकि इस उत्पाद का उत्पादन चीन और भारत में ही होता है। वास्तव में किसी भी अन्य देश से भारत में इस उत्पाद के आयात होने की कोई सूचना भी नहीं है।
- (3) भारत में विधिवत् समायोजन करके उत्पादन की लागत के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया गया है। इसके अतिरिक्त सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए सामान्यीकृत लागतों पर विचार किया गया है और इसलिए नए निवेश के कारण लागत में असमानता, सामान्य मूल्य की संरचना करने का एक कारक बनी है।
- (4) आवेदक ने निर्यात कीमत का परिकलन करने के लिए आईबीआईएस द्वारा प्रदान किए गए कारोबार-वार आंकड़ों पर विश्वास किया है। जबकि सामान्य मूल्य कारखाना-गत स्तर पर है, निर्यात कीमत के सीआईएफ मूल्य होने के कारण निर्यात कीमत में समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, कमीशन, अंतरदेशीय भाड़े के व्यय, पत्तन व्यय, बैंक प्रभारों और वैट समायोजन किया गया है। संबद्ध देश से पाटन मार्जिन न केवल न्यूनतम स्तर से अधिक है, बल्कि यह पर्याप्त भी है।
- (5) मेसर्स यानचेंग किसियानझाऊ फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड और मेसर्स जिआंगक्सी डाडी फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रश्नावली के उत्तर को खारिज कर दिया जाना चाहिए क्योंकि उसमें उसके संबंधित उत्पादक, ओ-एसिड मेसर्स बेईगावक्रियो लियान्टोंग फार्मास्युटिकल लिमिटेड का उत्तर निहित नहीं है।
- (6) मेसर्स यानचेंग किसियानझाऊ फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड, मेसर्स जिआंगक्सी डाडी फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड का संबंधित उत्पादक है। 2, 3, 4, 5 टेट्राफ्लोरोबेनजोयल क्लोराईड नामक एक नई कच्ची सामग्री एक दूसरे से खरीदने के साथ-साथ अन्य गैर-संबंधित आपूर्तिकर्ताओं से खरीदी गई थी। इस प्रकार यह पता लगाना आवश्यक है कि उसके संबंधित पक्षकार से कच्ची सामग्री की खरीद निकटस्थ कीमत पर की गई है।
- (7) प्रारंभिक जांच परिणाम में यह देखा गया है कि एक निर्यातक बहुविध उत्पादकों द्वारा उत्पादित वस्तुओं का निर्यात कर रहा है। इस प्रकार सामान्य उत्पादकों अथवा निर्यातकों के लिए पाटन-रोधी शुल्क समाप्त कर दिया जाना चाहिए और प्रत्येक उत्पादक के लिए एक विशेष शुल्क लगाया जाना चाहिए और इसी प्रकार प्रत्येक निर्यातक पर भी एक विशेष शुल्क लगाया जाना चाहिए।
- (8) प्राधिकारी को मासिक-वार पाटन मार्जिन निर्धारित करना चाहिए और उसके बाद अंतिम जांच परिणाम में भारित औसत पाटन पर विचार करना चाहिए।

## **छ. 2. प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों के विचार**

29. प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (1) आवेदन-पत्र पाटन-रोधी करार के अनुच्छेद 5.2 और पाटन-रोधी नियमावली के नियम 5 (2) के साक्ष्यों के मानक को पूरा नहीं करता है, चूंकि याचिकादाता ने पाटन का कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है। वर्ष 2014-15, 2015-16 और जांच अवधि के लिए निर्यात कीमतें उसी स्तर पर बनी हुई हैं। इससे यह स्पष्ट पता चलता है कि कोई "गहन पाटन" नहीं हुआ है।
- (2) याचिका में चीन जनवादी गणराज्य में घरेलू कीमतों से संबंधित सूचना की कमी है। जहां तक कि चीन के गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे की स्थिति में वहां के निर्यातकों के निरूपण के मामले में भी यह अनिवार्य है कि चीन जनवादी गणराज्य में घरेलू कीमतों की जांच की जाए।
- (3) बिना किसी आधार के सामान्य मूल्य संरचित किया गया है और सामान्य मूल्य की संरचना के बारे में कोई प्रकटन नहीं किया गया है। सामान्य मूल्य की संरचना करने के लिए आवेदन-पत्र में संरचित सामान्य मूल्य के बारे में संबद्ध साक्ष्य निहित होने चाहिए। उसके बजार मूल्यों से संबंधित अथवा उसके आधार के बारे

में कोई ब्यौरे प्रस्तुत नहीं किए गए हैं। याचिकादाता ने किसी खपत मानदंड, परिवर्तन लागत अथवा प्रयोज्यता लागत आदि का कोई उल्लेख नहीं किया है।

- (4) आवेदक द्वारा दावा की गई कारखाना-गत निर्यात कीमत गलत अवधारणाओं पर आधारित है, चूंकि अंत प्रयोक्ताओं द्वारा अधिकतर आयात सीधे किए गए हैं। निर्यात बिक्रियों के संबंध में कोई कमीशन लागू नहीं होता है। याचिकादाता ने निर्यात कीमत के संबंध में गैर-कानूनी समायोजन किए हैं, जो अनुचित हैं और ये असामान्य रूप से बहुत अधिक हैं। आवेदन-पत्र के अगोपनीय वृत्तान्त में कटौतियों, समायोजनों के बारे में कोई उचित आधार अथवा साक्ष्य निहित नहीं है और उनके आधार को गोपनीय नहीं माना जा सकता है। विशेष रूप से याचिकादाता ने उनके लिए गोपनीयता का कोई दावा भी नहीं किया है। याचिका परिकलन के लिए पर्याप्त आधार प्रदान नहीं करती है और यह प्रतिवादियों को उसका पूरा और उचित खंडन करने के अवसर से वंचित करती है।
- (5) निर्यातक की लागत की कोई भी तुलना याचिकादाता के साथ करना अनुचित है, चूंकि याचिकादाता के उत्पाद की लागत, संबद्ध देश से आयातों से बहुत भिन्न होती है। इस प्रकार प्राधिकारी को उचित प्राक्कलन और निर्धारण सुनिश्चित करने के लिए याचिकादाता के कम से कम कैप्टिव उत्पादन और खपत को घरेलू उद्योग उत्पादन और घरेलू मांग के दायरे से बाहर रखना चाहिए।
- (6) याचिकादाता का दावा है कि वह उद्योग में नया है, जबकि प्रतिवादी सुस्थापित उत्पादक हैं। इस प्रकार दोनों पूर्णतया भिन्न प्रयोज्यता हैं, जिनके प्रत्येक कार्यात्मक पहलु में अनेक भिन्नताएं हैं। पर्याप्त साक्ष्य अथवा स्पष्टीकरण के बिना ऐसे दो प्रयोज्यताओं की लागतों को समान मानना असंगत पूर्वसर्ग है।
- (7) प्रारंभिक जांच परिणाम में प्राधिकारी का विश्लेषण विकट रूप से गलत है। प्राधिकारी ने चीन में सभी निर्यातकों द्वारा निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के लिए सामान्य मूल्य का समायोजन, उत्पादन की ईष्टतम लागत पर विचार करके और बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक लागतों को जोड़ने और सम्पादित प्रतिशत पर लाभ प्रदान करने के बाद किया है। उन्होंने ओ-एसिड के विनिर्माण के लिए प्रयुक्त इनपुट पर आयात शुल्कों के संबंध में प्रतिवादी के निवेदनों को नोट नहीं किया है, जो कि याचिकादाता के लिए उत्पादन की लागत में अंतर्निहित हैं। सामान्य मूल्य की संरचना करने के लिए उत्पादन की लागत में इनपुट वस्तुओं पर आयात शुल्कों को एक कारक माना चाहिए और सामान्य मूल्य की संरचना के लिए केवल निर्यातकों के खपत मानक पर विचार किया जाना चाहिए। प्राधिकारी को नोट करना चाहिए कि ओ-एसिड के विनिर्माण के लिए प्रयुक्त कच्ची सामग्री पर लागू आयात शुल्क, तैयार वस्तुओं के आयातों पर कच्ची सामग्री से अधिक है।
- (8) मेसर्ज इनर मंगोलिया युआनहोंग फाईन केमिकल कंपनी लिमिटेड और मेसर्ज झेझियांग युआनहोंग मेडिकल एंड केमिकल टेक्नालॉजी कंपनी लिमिटेड संबद्ध वस्तुओं की संबंधित उत्पादक कंपनियां हैं और उनके लिए शुल्क की समान दर निर्धारित की जानी चाहिए।
- (9) मेसर्ज यानचेंग किसयानझाऊ फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड और मेसर्ज जिआंगक्सी डाडी फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड ने प्राधिकारी को अपने बीच संबंध होने के बारे में सूचित किया है। मेसर्ज यानचेंग किसयानझाऊ फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड और मेसर्ज जिआंगक्सी डाडी फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड ने प्राधिकारी को संबंधित आपूर्तिकर्ताओं और गैर-संबंधित आपूर्तिकर्ताओं से खरीद बीजक प्राधिकारी को प्रस्तुत किए हैं। ये प्राधिकारी को गोपनीयता के आधार पर प्रस्तुत किए गए हैं। संबंधित आपूर्तिकर्ताओं और गैर-संबंधित आपूर्तिकर्ताओं दोनों से बिक्रियां/खरीदें समान कीमत सीमा के भीतर हैं। इसलिए यह स्पष्ट होता है कि बिक्रियां निकटस्थ कीमत पर की गई हैं। इसके अतिरिक्त प्रतिवादी एमईटी का दावा नहीं कर रहे हैं। इस जांच के प्रयोजनार्थ प्रतिवादियों की कच्ची सामग्री की कीमतें प्रासंगिक नहीं हैं।
- (10) ऐसा कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है, जिससे पता चले कि मेसर्ज यानचेंग किसयानझाऊ फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड और मेसर्ज जिआंगक्सी डाडी फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड एक अन्य उत्पादक मेसर्ज टाईझाऊ बेईगावक्वो फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड से संबंधित हैं, जो कि ओ-एसिड का

विनिर्माता भी है। कंपनी ने वर्ष 2015 से प्रचालन करना बंद कर दिया था और वर्ष 2015 और 2016 में उसकी कंपनी का पंजीकरण इस प्रकार पठित है: “प्रचालन की स्थिति बंद है।”

### **छ. 3. प्राधिकारी द्वारा जांच**

30. जांच शुरू करने के चरण में प्राधिकारी ने इस अवधारणा के साथ आगे की कार्रवाई की थी कि चीन जनवादी गणराज्य एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है। जांच शुरू करने पर प्राधिकारी ने चीन में उत्पादकों/निर्यातकों को यह सलाह दी थी कि वे जांच शुरू करने संबंधी अधिसूचना का उत्तर दें और उनके बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे का निर्धारण करने के लिए संबद्ध सूचना प्रस्तुत करें। प्राधिकारी ने एमईटी प्रश्नावली की प्रतियां, नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 8 (3) में निर्धारित मानदंड के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की अवधारणा का खंडन करने के लिए सभी ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को भेजी थीं। साथ ही प्राधिकारी ने चीन की सरकार से भी अनुरोध किया था कि वह चीन में उत्पादकों/निर्यातकों को सलाह दें कि वे संबद्ध सूचना प्रदान करें।

31. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन में उत्पादकों/निर्यातकों और चीन की सरकार को निर्धारित रूप में और तरीके से सूचना प्रस्तुत करने की आवश्यकता के बारे में पर्याप्त रूप से अधिसूचित कर दिया गया था और उन्हें इस संबंध में अपने प्रस्तुतीकरण के लिए पर्याप्त अवसर प्रदान किया गया था। वर्तमान जांच में अनेक उत्पादकों/निर्यातकों ने अपने उत्तर प्रस्तुत किए हैं। तथापि, किसी ने भी एमईटी का दावा नहीं किया है। इसके अतिरिक्त किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने नियमावली में यथानिर्धारित कोई अन्य वैकल्पिक आधार भी प्रदान नहीं किया है, जिस पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया जा सकता है।

32. उपरोक्त स्थिति को ध्यान में रखते हुए और चीन की किसी भी निर्यातक कंपनी द्वारा गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के दावे का खंडन नहीं किए जाने पर प्राधिकारी सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार आगे कार्रवाई करना उपयुक्त समझते हैं।

33. निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत प्रतिक्रियाओं की जांच की गई है जिसमें 2013 से 2016 के बीच निर्यात और पीओआई के बारे में जानकारी शामिल है। निर्यातकों द्वारा किए गए सबमिशन के मुताबिक पूरे चोट की अवधि के लिए निर्यात मूल्य एक ही स्तर पर रहे हैं, जो सही नहीं है, जो प्राधिकरण को विभिन्न परिशिष्टों में प्रस्तुत की गई जानकारी से स्पष्ट है। इसके अलावा, यह भी डीजीसीआई और एस के आंकड़ों के अनुसार (लेनदेन के आंकड़े प्राप्त किए गए लेनदेन) के अनुसार स्पष्ट है कि निर्यात की कीमतें बेस साल की तुलना में चोट अवधि के दौरान बढ़ गई हैं और फिर पीओआई के दौरान गिरावट आई है।

34. आवेदक ने यह तर्क दिया है कि अनेक देशों में विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन नहीं किया जाता है। वास्तव में विश्वभर में विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन बहुत सीमित होता है। क्षति अवधि में भारत में विचाराधीन उत्पाद के समग्र आयात चीन से हुए थे। बाजार अर्थव्यवस्था वाले तृतीय देशों में उत्पाद की लागत अथवा कीमत के बारे में सार्वजनिक रूप से कोई सूचना उपलब्ध नहीं है। इस प्रकार इस उत्पाद की कीमत और लागत के विश्वसनीय आंकड़े उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में प्राधिकारी ने विधिवत् समायोजन करके भारत में उत्पाद की उत्पादन लागत के आधार पर चीन में सामान्य मूल्य संरचित किया है। सीएनवी का परिकलन करते समय आयातित कच्ची सामग्री पर शुल्क के संबंध में निर्यातक की चिंता को ध्यान में रखा गया है। घरेलू उद्योग संबंध देश से लागू आयात शुल्कों का भुगतान करके 2, 3, 4, 5-टेट्राफ्लूरो बेनजोल क्लोराइड (टीएफबीसी), एथिल 3-(एन, एन-डिमैथिलामिनो) एक्रेलाईट और अलानिनोल नामक कच्ची सामग्री खरीद रहा है। सीएनवी का परिकलन करने के लिए घरेलू कीमत (अर्थात् ऐसी कच्ची सामग्री का पहुंच मूल्य) को आधार के रूप में लिया गया है और उसके बाद उसमें से पहुंच प्रभारों, सीमा शुल्क, सीमा उपकर, समुद्री भाड़े और बीमा का घटा दिया गया ताकि एफओबी कीमत का आक्कलन किया जा सके और उसे कच्ची सामग्री की कीमतें माना गया है।

35. यह नोट किया जाता है कि आवेदक देश में उत्पाद का एक नया उत्पादक है और इसलिए उत्पादन की उसकी वास्तविक लागत, उसके कम उत्पादन के कारण काफी अधिक हो सकती है। तथापि, प्राधिकारी ने उत्पादन की उसकी वास्तविक लागत पर विचार नहीं किया है। प्राधिकारी ने आवेदक के उत्पादन की लागत ऐसा मानते हुए



निर्धारित की है, जैसे कि वह क्षमता उपयोग के उचित स्तर पर प्रचालन कर रहा हो। तदनुसार, प्राधिकारी ने उत्पादन की अनुकूलतम लागत पर विचार करते हुए चीन में सभी निर्यातकों द्वारा संबद्ध वस्तुओं के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण, उसमें बिक्री, सामान्य और प्रशासनिक लागतों और \*\*\*% का लाभ जोड़ने के बाद किया है।

### **चीन में सभी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत**

36. संबद्ध देश से निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने निर्यातक की प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत किए हैं और निर्यात कीमत के बारे में विस्तृत सूचना प्रदान की है:-

(1)	जिआंगक्सी चिबांग फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड (उत्पादक और निर्यातक)
(2)	यानचेन्ग किसनानझाऊ फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड (उत्पादक)
(3)	जिआंगक्सी डाडी फार्मास्युटिकल लिमिटेड लाईबिलिटी कंपनी (उत्पादक)
(4)	झेझियांग युआनहोंग मेडिकल एंड केमिकल टेक्नालॉजी कंपनी लिमिटेड (उत्पादक और निर्यातक)
(5)	इनर मंगोलिया युआनहोंग फाईन केमिकल कंपनी लिमिटेड (उत्पादक)
(6)	झेझियांग हेंगडियान अपेलोआ एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड (निर्यातक)
(7)	झेझियांग केमिकल्स इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड (निर्यातक)
(8)	झेझियांग क्विंग्यांग इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड (निर्यातक)
(9)	झेझियांग यूईजी बिजिनस सर्विस कंपनी लिमिटेड (निर्यातक)
(10)	ड्रीमलैंड क्रिएशन इंक (निर्यातक)
(11)	झेझियांग मेडिकल एंड हेल्थ प्रोडक्ट्स कंपनी लिमिटेड (निर्यातक)
(12)	चाईना साईनोफार्म इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन (निर्यातक)
(13)	शंघाई चांगयू केमिकल टेक्नालॉजी कंपनी लिमिटेड (निर्यातक)

37. पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए इन उत्तरों की नीचे उपयुक्त रूप से जांच की गई है।

### **जिआंगक्सी चिबांग फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड (उत्पादक) के साथ व्यापारी मेसर्ज झेझियांग केमिकल इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड, झेझियांग हेंगडियान अपेलोआ एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड**

38. जिआंगक्सी चिबांग फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड (चिबांग) द्वारा प्रस्तुत किए गए उत्तर से प्राधिकारी नोट करते हैं कि चिबांग संबद्ध वस्तुओं का एक उत्पादक होने के साथ-साथ एक निर्यातक भी है। जांच अवधि के दौरान चिबांग ने प्रत्यक्ष रूप से और साथ ही मेसर्ज झेझियांग केमिकल्स इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड और मेसर्ज झेझियांग हेंगडियान अपेलोआ एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड नामक उससे असंबद्ध दो व्यापारिक कंपनियों के माध्यम से संबद्ध वस्तुओं के निर्यात किए हैं। इन दोनों व्यापारिक कंपनियों ने पृथक् रूप से अपने उत्तर प्रस्तुत किए हैं। इन उत्पादक और निर्यातक कंपनियों ने अंतरदेशीय भाड़े, समुद्री भाड़े, हैंडलिंग और सीमा-शुल्क प्रभारों, बीमा, क्रेडिट लागत के लिए समायोजन, वैट समायोजन और बैंक प्रभारों का दावा किया है तथा उसे प्राधिकारी द्वारा अनन्तिम रूप से स्वीकार कर लिया गया है। प्रत्यक्ष निर्यातों पर वैट प्रभारित नहीं किया गया है और अप्रत्यक्ष निर्यातों के समायोजन पर यह 4% लगाया गया है। तदनुसार, जिआंगक्सी चिबांग फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड के लिए प्रत्यक्ष निर्यातों के लिए और निर्यातकों के माध्यम से किए गए निर्यातों के लिए कारखाना-गत स्तर पर निर्यात कीमत निर्धारित की गई है, जिसे नीचे पाटन तालिका में दर्शाया गया है।

जियांगशी डाडी फार्मास्युटिकल लिमिटेड लायबिलिटी कंपनी (उत्पादक) और यानचेन्ग किसनानझाऊ फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड (उत्पादक) के साथ-साथ झेझियांग केमिकल्स इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड, झेझियांग यूईजी बिजिनस सर्विस कंपनी लिमिटेड, झेझियांग क्विंग्यांग इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी और झेझियांग हेंगडियान अपेलोआ एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड नामक निर्यातक/व्यापारी

39. जियांगशी डाडी फार्मास्युटिकल लिमिटेड लायबिलिटी कंपनी ("जियांगशी डाडी") द्वारा दायर किए गए उत्तर से, प्राधिकारी नोट करते हैं कि यानचेन्ग किसनानझाऊ फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड, जियांगशी डाडी फार्मास्युटिकल लिमिटेड लायबिलिटी कंपनी की एक सहायक कंपनी है। ये दोनों कंपनियां चीन जनवादी गणराज्य

में संबद्ध वस्तुओं की उत्पादक कंपनियां हैं। जांच की अवधि के दौरान, इन दोनों ने चार गैर-संबंधित कंपनियों नामतः मेसर्ज झेझियांग केमिकल्स इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड, मेसर्ज झेझियांग यूईजी बिजनेस सर्विस कंपनी लिमिटेड, मेसर्ज झेझियांग किंसग्यांग इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी और मेसर्ज झेझियांग हेंगडियान अपेलोआ एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड को संबद्ध वस्तुएं बेची हैं। इन सभी निर्यातक कंपनियों ने पृथक से उत्तर प्रस्तुत किए हैं। उत्पादक और निर्यातकों द्वारा अंतरदेशीय भाड़े, समुद्री भाड़े, रखरखाव व सीमाशुल्क प्रभार, बीमा, ऋण लागत, वैट समायोजन और बैंक प्रभारों के लिए समायोजन का दावा किया गया है और प्राधिकारी द्वारा इसकी अनुमति दी गई है। तदनुसार, यानचेन्ग किंसनानझाऊ फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड के लिए कारखाना-गत स्तर पर निर्यात कीमत निर्धारित की गई है, जिसे नीचे दी गई पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

**जेझियांग युआनहोंग मेडिकल एंड कैमिकल टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड (उत्पादक) और इनर मंगोलिया युआनहोंग फाइन कैमिकल कंपनी लिमिटेड के साथ-साथ निर्यातक/व्यापारी कंपनियां, ड्रीमलैंड क्रिएशन इंक लिमिटेड, जेझियांग यूईजी बिजनेस सर्विस कंपनी लिमिटेड, शंघाई चांगयू केमिकल टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड, जेझियांग मेडीसिन्स एंड हेल्थ प्रोडक्ट्स इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड, झेझियांग किंसग्यांग इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड और चाइना साइनोफार्म इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन**

40. इनर मंगोलिया युआनहोंग फाइन कैमिकल कंपनी लिमिटेड और जेझियांग युआनहोंग मेडिकल एंड कैमिकल टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड द्वारा प्रस्तुत किए गए उत्तर से, प्राधिकारी नोट करते हैं कि इनर मंगोलिया युआनहोंग फाइन कैमिकल कंपनी लिमिटेड, जेझियांग युआनहोंग मेडिकल एंड कैमिकल टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड की एक सहायक कंपनी है। ये दोनों संबद्ध वस्तुओं की उत्पादक कंपनियां हैं और इन्होंने अनेक व्यापारी कंपनियों नामतः ड्रीमलैंड क्रिएशन इंक लिमिटेड, जेझियांग युआनहोंग मेडिकल एंड कैमिकल टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड, मै. जेझियांग यूईजी बिजनेस सर्विस कंपनी लिमिटेड और चाइना साइनोफार्म इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन के माध्यम से संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है। मेसर्ज ड्रीमलैंड क्रिएशन इंक लिमिटेड ने भारत को संबद्ध वस्तुओं का निर्यात नहीं किया है, लेकिन उसने अन्य निर्यातकों को वस्तुओं की आपूर्ति की है। इन सभी निर्यातक/व्यापारी कंपनियों ने पृथक से उत्तर प्रस्तुत किए हैं। उत्पादक और निर्यातकों द्वारा अंतरदेशीय भाड़े, समुद्री भाड़े, रखरखाव व सीमाशुल्क प्रभार, बीमा, ऋण लागत, वैट समायोजन और बैंक प्रभारों के लिए समायोजन का दावा किया गया है और प्राधिकारी द्वारा इसकी अनुमति दी गई है। तदनुसार, कारखाना-गत स्तर पर निर्यात कीमत निर्धारित की गई है, जिसे नीचे दी गई पाटन मार्जिन तालिका में दर्शाया गया है।

### **पाटन मार्जिन**

41. उपर्युक्त में यथानिर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत पर विचार करने के बाद संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के सभी निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण नीचे दिए गए अनुसार किया गया है :-

**पाटन मार्जिन तालिका**

क्रमांक	उत्पादक	निर्यातक	संरचित सामान्य मूल्य अमरीकी डालर/ कि.ग्रा.	कारखानागत निर्यात कीमत अमरीकी डालर/ कि.ग्रा.	पाटन मार्जिन अमरीकी डालर/ कि.ग्रा.	पाटन मार्जिन (%)	पाटन मार्जिन % सीमा
1.	जियांशी चिबांग फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड	जियांगशी चिबांग फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***	15-25
2.	जियांशी चिबांग फार्मास्युटिकल कंपनी लिमिटेड	1. जेझियांग कैमिकल्स इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***	35-45

		2. जेझियांग हेंगडियान अपेलोआ इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड					
3.	(1) मेसर्स जियांगशी डाडी फार्मास्युटीकल लिमिटेड लायबिलिटी कंपनी और / या  (2) यांगचेंग जिनअनझाऊ फार्मास्युटीकल कंपनी लिमिटेड	1. जेझियांग कैमिकल्स इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड  2. जेझियांग हेंगडियान अपेलोआ इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड  3. जेझियांग यूईजी बिजनेस सर्विस कंपनी लिमिटेड  4. जेझियांग जिंगयांग इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***	30-40
4.	(1) जेझियांग युआनहोंग मेडिकल एंड कैमिकल टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड और / या (2) इनर मंगोलिया युआनहोंग फाईन केमिकल कंपनी लिमिटेड	1. जेझियांग मेडीसिन्स एंड हेल्थ प्रोडक्ट्स कंपनी लिमिटेड  2. चाइना साइनोफार्म इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन  3. जेझियांग कैमिकल्स इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड  4. जेझियांग जिंगयांग इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड  5. शंगाई चांगयू केमिकल टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***	25-35
5.	कोई भी अन्य उत्पादक जिसका ऊपर क्रमांक 1 से 4 में उल्लेख नहीं किया गया है।	जियांगशी चिबांग फार्मास्युटीकल कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***	50-60

**ज. क्षति का निर्धारण करने के लिए कार्य-प्रणाली तथा क्षति और कारणात्मक संबंध की जांच**

**ज.1 घरेलू उद्योग के विचार**

42. क्षति और कारणात्मक संबंध के मामले में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं :-

- (1) विचाराधीन उत्पाद की मांग आफ्लोसैक्सिन के उत्पादन में वृद्धि के साथ अब तक सकारात्मक रही है।
- (2) याचिकादाता ने अक्टूबर, 2015 से संबद्ध वस्तुओं का व्यापक स्तर पर व्यापारिक उत्पादन शुरू किया और अब तक उत्पादित वस्तुओं की खपत कैप्टिव रूप में की गई है। अक्टूबर, 2015 तक समग्र मांग चीन से आयातों द्वारा पूरी की जा रही थी। याचिकादाता द्वारा विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन के साथ, आयातों के बाजार हिस्से में गिरावट आई और याचिकादाता का बाजार हिस्सा बढ़ा। हालांकि, चीन के उत्पादकों द्वारा कीमत में कमी के साथ, आयातों का बाजार हिस्सा एक बार फिर बढ़ गया और घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में गिरावट आई।
- (3) मांग को पूरा करने के लिए क्षमता होने के बावजूद, आवेदक अपनी क्षमता का पूर्ण रूप से उपयोग करने में सक्षम नहीं है क्योंकि आयात किए गए सामानों की कीमत स्वदेश में उत्पादित संबद्ध वस्तुओं की कीमत से बहुत कम है। वास्तव में आयात किए गए सामानों की कीमत घरेलू उद्योग की कच्चे माल की लागत की कीमत से भी कम थी।
- (4) आयात कीमत में विशेष रूप से अक्टूबर, 2015 के बाद तेजी से गिरावट आयी थी। वास्तव में यह गिरावट आयात की कीमत पर अमरीकी डॉलर के मामले में विचार किए जाने पर बहुत अधिक है।
- (5) यदि आयात की कीमत की कच्चे मालों एवं उपयोगिताओं पर विचार करने पर उत्पादन की लागत से तुलना की जाती है, तब यह देखा जाएगा कि आयात की कीमतें कच्चे मालों और उपयोगिताओं के कारण लागतों से भी कम रही है।
- (6) आवेदक ने 2015-16 में व्यापारिक उत्पादन शुरू। आवेदक ने यह सूचित करते हुए प्रमुख व्यापार पत्रिकाओं (कैमिकल वीकली) में विज्ञापन भी निकाला कि आवेदक बाजार में विचाराधीन उत्पाद बेच रहा है। हालांकि आवेदक को उपभोक्ताओं से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। जब बाजार में यह सामग्री लागतों से भी कम मूल्य पर उपलब्ध है तब यह बिल्कुल स्वाभाविक है कि उपभोक्ता भारतीय बाजार से इस उत्पाद को खरीदने में बिल्कुल इच्छुक नहीं है।
- (7) घरेलू उद्योग जिसने अक्टूबर, 2015 में व्यापारिक उत्पादन शुरू किया, को उसके बाद जनवरी, 2016 में उत्पादन स्थगित करना पड़ा। दिसंबर, 2015 में माल भंडार बहुत उच्च स्तर तक पहुंच गया जिसके फलस्वरूप जनवरी, 2016 में उत्पादन को रोकना पड़ा। इसके अलावा, उत्पादन फरवरी, 2016 के दौरान भी कम रहा।
- (8) चीन के उत्पादक भी भारतीय बाजार में निचले स्तर के उत्पाद अर्थात् ऑफ्लोसैक्सिम के पाटन का सहारा ले रहे हैं। अतः इस देश में दोनों उत्पादों का पाटन घरेलू उद्योग को अपना निजी उत्पादन अपनी निजी आवश्यकताओं की सीमा तक उपयोग करने से रोक रहा है।
- (9) घरेलू उद्योग ने दिसंबर, 2015 में \*\*\* % और उसके बाद मार्च, 2016 में \*\*\*% का क्षमता उपयोग प्राप्त किया। हालांकि घरेलू उद्योग इस देश में पाटन को देखते हुए इस उत्पादन स्तर को नियमित रूप से रखने में सक्षम नहीं है।
- (10) बाजार में ओफ्लोक्सेगसिन के पाटन को देखते हुए, स्पष्ट रूप से आवेदक को बाजार से ओफ्लोक्सेगसिन के लिए और अधिक कीमतें नहीं मिलती और समग्र घाटा उठाने के लिए मजबूर होना पड़ता। जबकि आवेदक को पहले से ही ओफ्लोक्सेगसिन में वित्तीय हानि उठानी पड़ रही है, यदि आवेदक ने ओ-एसिड के अपने निजी उत्पादन पर अपना पूरा प्रचालन आधारित किया होता तो आवेदक को और अधिक एवं पर्याप्त वित्तीय हानि हुई होती।
- (11) अनुमानित लाभप्रदता और वास्तविक लाभप्रदता की जांच यह दर्शाती है कि आवेदक को कैप्टिव बिक्री में पर्याप्त हानि हुई और यदि आवेदक ने वर्तमान आयात कीमतों के अनुरूप कीमतों पर इस उत्पाद को बेचा होता तब उन्हें पर्याप्त वित्तीय हानि उठानी पड़ी होती।

- (12) आवेदक ने ओ-एसिड के निर्माण में नए निवेश किए हैं। हालांकि इस उत्पाद का कार्य-निष्पादन बहुत प्रतिकूल है। व्यापारिक उत्पादन शुरू करने के बावजूद, घरेलू उद्योग इस देश में विचाराधीन उत्पाद के पाटन के कारण इस उत्पाद को इसकी क्षमताओं की सीमा तक उत्पादन करने और बेचने में सक्षम नहीं है।
- (13) याचिकादाता पहले आफ्लोसैक्सिन के उत्पादन में खपत के लिए ओ-एसिड की समग्र मात्रा का निर्यात कर रहा था। याचिकादाता ने अब ओ-एसिड का उत्पादन करना शुरू कर दिया है। हालांकि याचिकादाता को ओ-एसिड और आफ्लोसैक्सिन के पाटन के कारण ओ-एसिड के उत्पादन को आरंभ करने के बाद भी ओ-एसिड का आयात करना पड़ा है।
- (14) यदि याचिकादाता ने इनहाऊस ओफ्लोक्सेगसिन का निर्माण करने के लिए अपेक्षित ओ-एसिड की समग्र मात्रा का उत्पादन किया होता तब याचिकादाता द्वारा आयात की गई संबद्ध वस्तुओं का आंशिक रूप में उपयोग न किए जाने पर बहुत अधिक लाभप्रदता होती।
- (15) प्राधिकारी घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन का आकलन घरेलू उद्योग के मौजूद होने की सीमा तक कर सकते हैं। याचिकादाता ने संगत अवधि के लिए सूचना प्रदान की है, हालांकि इस तथ्य पर विचार करने तथा इसको समझने के बाद कि संगत अवधि तीन वर्ष की अवधि से बहुत कम है, याचिकादाता ने अपने मामले को सिद्ध करने के लिए मासिक और फिर तिमाही विश्लेषण किया है।
- (16) सभी मानदंडों के मामले में घरेलू उद्योग की वृद्धि कम रही है। नई कंपनी होने के कारण घरेलू उद्योग ने मात्रा और कीमत दोनों मानदंडों में बहुत अधिक वृद्धि की अपेक्षा की थी। हालांकि इस देश में इस उत्पाद का पाटन बाजार में घरेलू उद्योग के वृद्धि पर प्रतिकूल प्रभाव डाल रहा है।
- (17) जबकि, वास्तविक क्षति अथवा वास्तविक क्षति के खतरे की जांच एक मौजूदा घरेलू उद्योग पर लागू की जा सकती है, घरेलू उद्योग के मामले में इसे पूर्ण रूप से अभी सिद्ध किया जाना है, जो जांच लागू की जा सकती है वह लक्षित कार्य निष्पादन की सीमा तक उद्योग की स्थापना के वास्तविक विलंबन तथा उसके होने की सीमा तक वास्तविक क्षति के रूप में की जाएगी।
- (18) वर्तमान मामले में याचिकादाता ने व्यापारिक उत्पादन अक्टूबर, 2015 में शुरू किया है, इस कारण से प्राधिकारी (क) पाटन के प्रभाव को स्थापित करने के लिए अब तक वास्तविक कार्य निष्पादन (ख) वास्तविक क्षति के खतरे को सिद्ध करने के उद्देश्य से संभावित स्थिति (ग) क्या विचाराधीन उत्पाद का पाटन भारत में घरेलू उद्योग की स्थापना को पर्याप्त रूप से पीछे धकेल रहा है, पर विचार कर सकते हैं।
- (19) जांच अवधि के दौरान समग्र रूप से और सापेक्षित रूप से आयात अत्यधिक ऊंचे स्तर पर है।
- (20) ओफ्लोक्सेगसिन के उत्पादन में कैप्टिव खपत के लिए संबद्ध वस्तुओं की अंतरण कीमत, घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत से कम है। इसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती हो रही है और घरेलू बाजार पर कीमत ह्रास के प्रभाव पड़ रहे हैं।
- (21) संबद्ध देश से आयात, घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती कर रहे हैं और उनके कारण कीमत ह्रास हो रहा है।
- (22) घरेलू उद्योग निर्यात नहीं कर रहा है और कोई व्यापारिक प्रतिबंधित पद्धति नहीं है। इस प्रकार दावा की गई क्षति केवल प्रचालनों के कारण नहीं है। इसके अतिरिक्त घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और बेचे जा रहे अन्य उत्पादों का निष्पादन क्षति का कारण नहीं है, चूंकि केवल संबद्ध वस्तुओं के बारे में सूचना प्रदान की गई है।
- (23) प्राधिकारी ने उत्पादन की लागत और बाजार कीमत के बीच कैप्टिव अधिप्राप्ति के मूल्यांकन को माना है और उसका अलग से अवकलन किया है। दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत शपथ पत्र में प्राधिकारी द्वारा अनुबंध-3 में “जांच की अवधि में करें” शब्दांश का स्पष्टीकरण किया गया है और प्राधिकारी ने इसका स्पष्टीकरण बेवसाईट पर भी दिया है, जिसमें यह स्पष्ट बताया गया है कि क्षति रहित कीमत का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ कैप्टिव इनपुट्स को माना जाता है, जो कि लेखाओं की लेखा-परीक्षित बहियों में उत्पादन की लागत, बाजार मूल्य आदि में प्रतिबिंबित होता है और यदि ऐसा रिकार्ड मूल्य,

कैप्टिव इनपुट की उत्पादन लागत पर नहीं होता है, तो उसमें नियोजित पूंजी पर 22% प्रतिलाभ जोड़ दिया जाता है। इसके अतिरिक्त यदि ऐसी कैप्टिव इनपुट का मूल्यांकन बाजार कीमत पर किया जाता है, तो कैप्टिव संयंत्रों में किए गए निवेशों में कुछ भी नहीं जोड़ा जाता है।

## ज.2 प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों के विचार

43. क्षति एवं कारणात्मक संबंध के संबंध में अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा निम्नलिखित अनुरोध किए गए हैं :
  - (1) याचिका से यह स्पष्ट है कि आवेदक ने घरेलू बाजार में कोई भी सामान नहीं बेचा है; वे स्वयं भारी मात्रा में आयात कर रहे हैं। चूंकि आवेदक ने घरेलू बाजार में इस उत्पाद को नहीं बेचा है, अतः इसे निम्न कीमतों पर बेचने का कोई प्रश्न नहीं उठता है। कोई घरेलू बिक्री नहीं का अर्थ कोई घरेलू कीमत नहीं होती है और इस प्रकार से कीमत में कटौती, कीमत पर दबाव और कीमत में ह्रास, गिरावट का लाभ, नियोजित पूंजी पर आय आदि जैसे मानदंडों के संबंध में घरेलू उद्योग पर आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में निष्कर्ष निराधार है।
  - (2) बिक्री और क्षति के आरोप के समर्थन में क्षति रहित कीमत अथवा उसकी गणना का उल्लेख कम कीमत पर नहीं किया गया है। कीमत में क्षति को सिद्ध करने के लिए कारकों को सिद्ध नहीं किया गया है अथवा याचिकादाता द्वारा स्पष्ट रूप से आरोप नहीं लगाए गए हैं। जहां तक कि प्राधिकारी के प्रारंभिक जांच परिणाम में भी क्षति रहित कीमत के लिए अपनाई गई कार्य-प्रणाली का प्रकटन नहीं किया गया है, क्योंकि पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-3 में विगत तीन वर्षों की अवधि और जांच अवधि पर विचार करते हुए क्षति रहित कीमत की संरचना करने की प्रक्रिया निर्धारित है। चूंकि वर्तमान मामले में याचिकादाता जांच शुरू होने के समय पर इतने लंबे समय से अस्तित्व में नहीं था, प्राधिकारी विगत तीन वर्षों पर विचार नहीं कर सकते हैं। इस प्रकार वर्तमान मामले में अपनाई गई ऐसी प्रक्रिया को प्रकट करना और उसकी विस्तृत जानकारी देना कठिन है, जिससे कि याचिकादाता की क्षति रहित कीमत प्रमाणित हो सके। प्राधिकारी जांच शुरू करने के समय ऐसी साक्ष्यात्मक कमी पर विचार करने के लिए अपने कर्तव्य से बाध्य हैं और ऐसा नहीं करना, पाटन-रोधी नियमावली के अनुच्छेद 5.3 का उल्लंघन करना है।
  - (3) घरेलू उद्योग की स्थापना में कोई वास्तविक विलंबन अथवा कारणात्मक संबंध को वर्तमान मामले में प्रमाणित नहीं किया गया है। जैसा कि आरोप लगाया गया है, घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई है और उनके आर्थिक मानदंड में संबद्ध देश से आयातों पर ध्यान दिए बिना सुधार होता हुआ प्रतीत होता है।
  - (4) आयात सापेक्ष रूप में नहीं बढ़ा है। स्पष्ट रूप से चूंकि याचिकादाता की बिक्री में 2015 में शून्य मी.टन से 126 मी.टन तक वृद्धि हुई और उसके बाद जांच की अवधि में यह बढ़कर 220 मिलियन टन हो गया, यह स्पष्ट है कि घरेलू उत्पादन/बिक्री की वृद्धि का सापेक्ष आंकड़ा स्पष्ट रूप से आयातों की वृद्धि के सापेक्ष आंकड़ों से अधिक है। इस प्रकार से आयात घरेलू उद्योग के विकास में रूकावट पैदा नहीं कर रहा है।
  - (5) याचिकादाता ने दावा किया है उसका उद्योग एक अविकसित उद्योग है, जिसके उत्पादन का कोई इतिहास नहीं है। इस प्रकार से प्राधिकारी ने गिरावट का निष्कर्ष निकाला है, जहां कोई तुलनात्मक आंकड़े मौजूद नहीं हैं।
  - (6) आवेदन की उत्पादन की लागत का निर्धारण करते समय, असाधारण लागतों को बाहर रखा जाना चाहिए। वर्तमान जांच में घरेलू उत्पादक एक नया उद्योग है। इस कारण से एनआईपी की गणना में उत्पादन की उनकी वास्तविक लागत पर विचार करना सही परिणाम नहीं देगा।
  - (7) आरोपित क्षति का कारण भारत में कच्ची सामग्री की उच्च लागतें हैं।
  - (8) याचिकादाता की कीमतें, कच्ची सामग्री की औसत कीमतों को प्रतिबिम्बित नहीं करती हैं, चूंकि याचिकादाता ने पूरे वर्ष में उत्पादन नहीं किया है और कुछ चुनिन्दा महीनों में ही कच्ची सामग्री खरीदी है। इस प्रकार याचिकादाता की कच्ची सामग्री की कीमतों की अनदेखी करना और कच्ची सामग्री के लिए अंतर्राष्ट्रीय कीमतों पर विचार करना महत्वपूर्ण है।

- (9) जांच अवधि के दौरान भारत में संबद्ध वस्तुओं की मांग 524 मी.टन थी और घरेलू उद्योग भारत में प्रचलित मांग को पूरा नहीं कर सकता है, इसलिए अन्य देशों से आयात करने पड़ते हैं और यह मांग को पूरा करने के लिए सभी तरीकों से अपरिहार्य है।
- (10) याचिकादाता द्वारा संबद्ध वस्तुओं का वाणिज्यिक उत्पादन केवल वर्ष 2015-16 में शुरू हुआ था, इसलिए वह उक्त अवधि से पहले क्षति का दावा नहीं कर सकता है। इसलिए याचिकादाता द्वारा किया गया क्षति का दावा अवास्तविक है और उसे खारिज कर दिया जाना चाहिए।
- (11) आवेदक की ओ-एसिड से ऑफ्लोसेक्सिन में अंतरण कीमत, कीमत कटौती का परिकलन करने का आधार नहीं हो सकती है क्योंकि डीजीएडी की दीर्घावधि की पद्धति ने कीमत कटौती का निर्धारण करने के लिए कभी भी अंतरण कीमत प्रणाली को स्वीकार नहीं किया है। इसके अतिरिक्त ऑफ्लोसेक्सिन के संबंध में पाटन-रोधी कार्रवाई के मामले में क्षति दर्शाने के लिए याचिकादाता ने जानबूझ कर ओ-एसिड की अंतरण कीमत को बढ़ा दिया है।
- (12) ओ-एसिड से ऑफ्लोसेक्सिन सुविधा में अंतरण कीमत उपकर मूल्यांकन पर आधारित है जिसमें उत्पादन की समस्त लागतों और 10% लाभ मार्जिन को शामिल किया गया है। यदि घरेलू उद्योग उत्पाद शुल्क मूल्यांकन को अपना आधार बनाता है, तो घाटे नहीं उठा सकता है।
- (13) इस प्रकार घरेलू बाजार में बिक्री कीमत और कैप्टिव खपत की तुलना के लिए कोई आधार नहीं है।
- (14) आवेदक ने बिक्रियों और बिक्री नीति के बारा में भ्रामक विवरण दिया है, चूंकि जब आवेदक की कोई घरेलू बिक्री नहीं होती है, तो वह कैसे ऐसी नीति बना सकता है। इसके अतिरिक्त याचिका के एक भाग में यह दावा किया गया है कि कंपनी घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुएं नहीं बेच सकी है और इसके विपरीत यह दावा किया गया है कि कंपनी ने बड़े ग्राहकों को बिक्री की है।
- (15) इस तथ्य को देखते हुए कि बाजार ऐतिहासिक रूप से आयात प्रधान रहा है और किसी भी स्थिति में फार्मास्युटिकल बाजार में मांग को अंतरित करना कठिन है। इसलिए ऐसा प्रतीत होता है कि घरेलू उद्योग पर्याप्त रूप से निष्पादन कर रहा है। इसके अतिरिक्त याचिकादाता के आर्थिक प्राचलों के अनुसार उसे कोई क्षति नहीं हुई है।
- (16) प्रारंभिक जांच परिणाम में प्राधिकारी ने एक प्रासंगिक कारक के रूप में चीन से आयातों की कम मात्रा की अनदेखी की है, जिससे ऐसा माना जाना प्रतीत होता है कि घरेलू उत्पादन के तथ्य का स्वतः यह तात्पर्य है कि वह घरेलू बाजार में आयात को प्रतिस्थापित कर देगा। पूर्वधारणा कानूनी रूप से तर्कसंगत नहीं है।
- (17) चीन से आयातों की मात्रा से कोई मात्रात्मक प्रभाव नहीं पड़ा है। समग्र रूप से आयातों में कमी हुई है, जो कि वर्ष 2015-16 में 583 मी.टन से घट कर जांच अवधि में 524 मी.टन हो गए हैं, जो कि मात्र तीन महीनों में हुआ है। इसके अतिरिक्त घरेलू उद्योग के उत्पादन और साथ ही भारतीय खपत के संबंध में चीन से आयात कम हो गए हैं। घरेलू उद्योग ने वाणिज्यिक उत्पादन शुरू करने के मात्र 8 महीनों में घरेलू बाजार के 48% हिस्से को प्राप्त कर लिया है।
- (18) कीमत प्रभाव पर कोई जांच नहीं की जा सकती है क्योंकि ऐसी कोई “बिक्री कीमत” नहीं है, जिसकी तुलना या तो कीमत कटौती अथवा कीमत ह्रास/न्यूनीकरण के साथ की जा सके। इसके अतिरिक्त कम कीमत पर बिक्री की जांच कीमत प्रभाव की जांच नहीं है, बल्कि यह क्षति मार्जिन का परिकलन है।
- (19) प्रारंभिक जांच परिणाम में किया गया क्षति निर्धारण का आधार, संबद्ध वस्तुओं की कैप्टिवली खपत की गई मात्रा और घरेलू उद्योग द्वारा स्वतः किए गए आयात हैं। ऐसे उपागम के फलस्वरूप तथ्यों की विकृति होती है।
- (20) समग्र जांच अवधि में लाभ, नकदी लाभ और पीबीआईटी के आंकड़ों और सभी आंकड़ों का मासिक विश्लेषण सकारात्मक रहा है। इस प्रकार यह अस्पष्ट है कि फिर भी याचिकादाता क्षति होने के दावे कैसे कर रहा है।

- (21) प्राधिकारी को कैप्टिव खपत के साथ-साथ व्यापारिक बिक्रियों की पहचान करनी चाहिए और साथ ही इन उत्पादों और विचाराधीन आयातों के बीच प्रतिस्पर्धा पर विचार करना चाहिए।

### ज.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

44. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग तथा विरोधी हितबद्ध पक्षकारों का घरेलू उद्योग को क्षति के संबंध में विभिन्न अनुरोधों का ध्यान रखा है और रिकॉर्ड पर उपलब्ध तथ्यों तथा लागू कानूनों पर विचार करने के बाद उसका विश्लेषण किया है। प्राधिकारी द्वारा यहां नीचे किए गए क्षति विश्लेषण वास्तव में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विभिन्न अनुरोधों का समाधान करते हैं।

45. जहां तक घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध- II के पैरा (IV) में निम्नानुसार उल्लेख है:

*"संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर आय या क्षमता उपयोग में स्वाभाविक और संभावित गिरावट सहित उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालने वाले सभी संगत आर्थिक कारकों और संकेतकों, घरेलू कीमतों, पाटन मार्जिन की मात्रा, नकद प्रवाह पर वास्तविक और संभावित नकारात्मक प्रभाव, मालसूची, रोजगार, मजदूरी, वृद्धि पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता को प्रभावित करने वाले कारकों का मूल्यांकन शामिल होगा।"*

46. भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए, प्राधिकारी ने ऊपर दी गई नियमावली के अनुबंध-II (iv) के अनुसार, ऐसे और सूचकांकों पर विचार किया है जिसका उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता हो, जैसे उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री की मात्रा, भंडार, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन का आकार एवं मार्जिन आदि।

47. जैसा कि जांच शुरू करने संबंधी अधिसूचना में पहले से विशेष रूप से उल्लिखित किया गया है, घरेलू उद्योग ने यह आरोप लगाया है कि भारत में विचाराधीन उत्पाद के पाटन के कारण घरेलू उद्योग की अवस्थापना का वास्तविक रूप से विलंबन हो रहा है। चूंकि घरेलू एक नया उद्योग है और उसने मात्र अक्टूबर, 2015 में वाणिज्यिक उत्पादन शुरू किया है और उसे अभी पूर्णतया स्थापित होना है, इसलिए प्राधिकारी ने भी (क) उसके अस्तित्व में आने से ले कर उसके वास्तविक निष्पादन की सीमा तक और (2) घरेलू उद्योग के वास्तविक विलंबन की जांच शुरू की है।

48. **विचाराधीन उत्पाद की अंतरण कीमत और क्षति रहित कीमत:** चूंकि घरेलू उद्योग कच्ची सामग्री का एक उत्पादक और कैप्टिव प्रयोक्ता भी है, इसलिए प्राधिकारी ने क्षति रहित कीमत का परिकलन करते समय विशेष रूप से अंतरण कीमत के मुद्दे की जांच की है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि ऑफ्लोसेक्सिन और ओ-एसिड के पाटन के संबंध में जांच एक साथ की जा रही है। प्राधिकारी ने ऑफ्लोसेक्सिन और ओ-एसिड दोनों के संबंध में घरेलू उद्योग के लिए क्षति रहित कीमत का निर्धारण किया है। साथ ही प्राधिकारी ने याचिकादाता द्वारा किए गए ओ-एसिड के आयातों की भी ध्यान पूर्वक जांच की है और यह पाया है कि याचिकादाता द्वारा किए गए ओ-एसिड के आयात की पहुंच कीमत की भारित औसत कीमत, प्राधिकारी द्वारा निर्धारित ओ-एसिड की क्षति रहित कीमत से कम है। इसके अतिरिक्त प्राधिकारी ने याचिकादाता के ओ-एसिड के उत्पादन की सामान्यकृत लागत की तुलना, याचिकादाता द्वारा किए गए ओ-एसिड के आयात की पहुंच कीमत के साथ की है। यह पाया गया है कि आयात की पहुंच कीमत, याचिकादाता के उत्पादन की सामान्यकृत लागत से कम है। इस प्रकार मामले के तथ्य दर्शाते हैं कि याचिकादाता ने जब अपनी निजी विनिर्माण करने की सुविधाएं प्राप्त कर ली थीं, तब आयात करना शुरू कर दिया था क्योंकि आयात की पहुंच कीमत के साथ तुलना करने पर उत्पादन की अधिक लागत आने लगी थी। इस प्रकार ओ-एसिड के पाटित आयातों ने याचिकादाता को ऑफ्लोसेक्सिन में खपत करने के लिए ओ-एसिड का आयात करने के लिए विवश होना पड़ा था।

### मांग का निर्धारण



49. प्राधिकारी ने वर्तमान जांच के उद्देश्य से भारत में इस उत्पाद की मांग अथवा स्पष्ट खपत को आवेदक की घरेलू बिक्री तथा सभी स्रोतों से आयातों के योग के रूप में परिभाषित किया है। जबकि, जांच की अवधि में इस आवेदक द्वारा कोई व्यापारिक बिक्री नहीं हुई है, आवेदक ने इस उत्पाद की खपत कैप्टिव रूप से की है और उस पर इस देश में इस उत्पाद की खपत के निर्धारण के लिए विचार किया है। इस प्रकार से आकलित मांग नीचे तालिका में दी गई है:-

विवरण	यूनिट	2013-14	2014-15	2015-16	जांच की अवधि (जुलाई 2015-जून 2016)
संबद्ध देश	मी.टन	427	516	583	524
घरेलू उद्योग घरेलू बिक्री	मी.टन	0	0	126	224
अन्य भारतीय उत्पादक	मी.टन	0	0	0	0
मांग/खपत					
कैप्टिव खपत सहित	मी.टन	427	516	709	748

50. प्राधिकारी नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद के लिए मांग में वृद्धि क्षति की अवधि के दौरान हुई है और मांग में बहुत अधिक उछाल 2015-16 के दौरान देखा गया है।

#### झ. पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव

##### (1) आयात की मात्रा और और आयातों में बाजार का हिस्सा

51. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में, प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वह इस पर विचार करे कि क्या पाटित आयातों में वास्तविक वृद्धि स्वतंत्र रूप में अथवा भारत में उत्पादन अथवा खपत की तुलना में हुई है। क्षति के विश्लेषण के प्रयोजन से प्राधिकारी ने डी जी सी आई एंड एस से प्राप्त कारोबार-वार आयात आंकड़ों पर भरोसा किया है। संबद्ध देश और अन्य देशों से वर्षवार और माहवार आयात आंकड़े नीचे तालिकाओं में दिए गए हैं:-

#### वार्षिक आयात

विवरण	मापन का यूनिट	2013-14	2014-15	2015-16	जांच की अवधि
चीन	मी.टन	427	516	583	524
अन्य देश	मी.टन	0	0	0	0
कुल	मी.टन	427	516	583	524

52. संबद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद के वार्षिक आयातों का विश्लेषण दर्शाता है कि क्षति की अवधि के दौरान आयातों में वृद्धि हुई है लेकिन घरेलू उद्योग द्वारा संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन को शुरू किए जाने के कारण जांच की अवधि के दौरान गिरावट आई है। संबद्ध देश के अलावा कोई अन्य देश के अलावा कोई आयात नहीं किया गया है।

53. प्राधिकारी ने मासिक आधार पर आयातों की मात्रा और आयात की कीमत का भी विश्लेषण किया है जो दर्शाता है कि आयात की कीमत जुलाई, 2015 से जून, 2016 तक गिरती हुई प्रवृत्ति दर्शाती रही है। जनवरी, 2016 के बाद से गिरावट में बहुत तेजी आई है। आगे यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग ने अक्टूबर, 2015 में विचाराधीन उत्पाद का व्यापक आधार पर वाणिज्यिक उत्पादन एवं खपत शुरू की है जिसके फलस्वरूप आयातों में गिरावट आई है। हालांकि, चीनी उत्पादकों ने बाजार फिर से प्राप्त करने के उद्देश्य से अपनी कीमतों में बहुत अधिक कटौती की है और आयात फरवरी, 2016 के बाद से बढ़ा है।

**माह-वार आयात और आयात कीमत**

माह	आयात (मी.टन)	आयात कीमत (रु./किग्रा.)
जुलाई-15	96	2344
अगस्त-15	52	2300
सितंबर-15	85	2320
अक्टूबर-15	29	2404
नवंबर-15	22	2198
दिसंबर-15	4	2237
जनवरी-16	16	2022
फरवरी-16	60	2057
मार्च-16	39	2019
अप्रैल-16	8	2045
मई-16	66	2017
जून-16	45	2077

**(2) मांग में बाजार का हिस्सा**

54. कैप्टिव खपत सहित और उसके रहित बाजार के हिस्से का विश्लेषण नीचे दिए गए अनुसार किया गया है :-

	मापन यूनिट	2013-14	2014-15	2015-16	जांच की अवधि
संबद्ध देश – चीन	मी.टन	427	516	583	524
घरेलू उद्योग घरेलू बिक्री/कैप्टिव	मी.टन	0	0	126	224
अन्य भारतीय उत्पादक	मी.टन	0	0	0	0
कैप्टिव सहित मांग	मी.टन	427	516	709	748
कैप्टिव रहित मांग	मी.टन	310	244	583	524
आयातों का बाजार का हिस्सा					
कैप्टिव खपत सहित	%	100%	100%	82%	70%
कैप्टिव खपत रहित	%	100%	100%	100%	100%

55. उपर्युक्त तालिका से यह स्पष्ट है कि पूरा आयात चीन से हुआ है। घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि उनके द्वारा कैमिकल वीकली में विज्ञापन देकर और विभिन्न ग्राहकों से संपर्क कर बाजार में संबद्ध वस्तुओं को देने के लिए किए गए अनेक प्रयासों के बावजूद, घरेलू उद्योग घरेलू बाजार में कोई बिक्री कर पाने में सक्षम नहीं रहे हैं। इस कारण से आवेदक कैप्टिव उपयोग के लिए ही अपने उत्पादन का उपयोग कर सकते थे और इसलिए उत्पादन में उस सीमा तक कटौती करनी पड़ी और उसके द्वारा आयातों में घरेलू उद्योग को बिक्री के इसकी अनुमानित लक्ष्य प्राप्त करने से रोका।

56. कुल मांग में घरेलू उद्योग और आयात का बाजार हिस्सा का आगे विश्लेषण मासिक आधार पर नीचे दिए गए अनुसार किया गया है :-

**आयातों का माह-वार विश्लेषण**

अवधि	चीन का बाजार हिस्सा %	घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा %
जांच की अवधि	70	30
जुलाई -15	100	0
अगस्त-15	100	0
सितंबर-15	98	2
अक्टूबर-15	77	23
नवंबर-15	50	50
दिसंबर-15	14	86
जनवरी-16	40	60
फरवरी-16	91	9
मार्च-16	48	52
अप्रैल-16	26	74
मई-16	65	35
जून-16	59	41

57. कैप्टिव खपत सहित मांग और बाजार के हिस्से के संबंध में आयातों का हिस्सा घरेलू उद्योग द्वारा व्यापारिक उत्पादन शुरू किए जाने के पूर्व 100 प्रतिशत से घटकर जांच की अवधि में 70 प्रतिशत हो गया है। हालांकि, बाजार हिस्से के मासिक विश्लेषण से यह नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग उत्पादन शुरू करने के बाद अपने बाजार हिस्से में तेजी से वृद्धि करने में सक्षम था। हालांकि, चीन के उत्पादकों द्वारा कीमतों में कटौती के साथ, चीन के आपूर्तिकर्ताओं का बाजार हिस्सा एक बार फिर बढ़ गया और घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा गिर गया। घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा दिसंबर, 2015 में 86 प्रतिशत तक पहुंच गया। हालांकि उसमें उसके बाद गिरावट आई और यह जून, 2016 में 41 प्रतिशत हो गया।

**ख. घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव**

58. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में, निर्दिष्ट प्राधिकारी से यह अपेक्षित है कि वह इस पर विचार करे कि क्या भारत में समान उत्पादों की कीमत की तुलना में पाटित आयातों द्वारा कीमत में पर्याप्त कटौती की गई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से अन्य प्रकार से काफी हद तक कीमतों पर दबाव पड़ता अथवा कीमत में वृद्धि को रोकता जो अन्य प्रकार से काफी हद तक बढ़ गई होगी। पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभाव को कीमत में कटौती, कम कीमत पर बिक्री, कीमत पर दबाव और कीमत में ह्रास, यदि कोई हो, पर विचार करने के बाद ही देखा जाना अपेक्षित है। उत्पादन की लागत के उद्देश्य से प्राधिकारी घरेलू उद्योग की निवल बिक्री प्राप्ति (एन एस आर), क्षति रहित कीमत (एन आई पी) और संबद्ध देश से आयातों की पहुंच कीमत पर विचार करते हैं। हालांकि, वर्तमान मामले में जहां एक नए उत्पादक ने किसी उत्पाद के लिए व्यापारिक उत्पादन शुरू किया है, जिसका उत्पादन पहले नहीं किया जा रहा था और जहां प्राधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या पाटित आयात पर्याप्त रूप से बाजार में घरेलू उद्योग की स्थापना को बाधित कर रहा है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का प्रभाव उन कीमतों पर विचार करने के बाद विचार किया जाना अपेक्षित है, जिस पर इस उत्पाद को घरेलू उद्योग द्वारा बेचा गया है अथवा बिक्री के लिए प्रस्ताव किया गया है, उत्पादन की आदर्शतम लागत और घरेलू उद्योग की एनआईपी की तुलना आयातों के पहुंच मूल्य के साथ की गई है।

59. कीमत में कटौती का आकलन आयातों की पहुंच कीमत की तुलना उस कीमत से करने के बाद किया गया है जिस पर इस उत्पाद को घरेलू उद्योग द्वारा भारत में बेचा गया है अथवा बिक्री के लिए प्रस्ताव किया गया है। यह उल्लेख किया गया है कि आवेदक ने इस उत्पाद के उपभोक्ताओं को उस कीमत पर प्रस्ताव किया है जो उत्पादन की लागत, एनआईपी और आयातों के पहुंच कीमत से कम है। इसके अलावा, आवेदक ने संबद्ध वस्तुओं को आफ्लोसैक्सिन के उत्पादन में कैप्टिव खपत के लिए स्थानांतरित किया है। आयातों की पहुंच कीमत उस कीमत से बहुत कम है जिस पर संबद्ध वस्तुओं का स्थानांतरण आफ्लोसैक्सिन में उत्पादन के लिए किया गया है। इसके अलावा, इस प्रकार की स्थानांतरण कीमत घरेलू उद्योग की एन आई पी कीमत से कम है। व्यापारिक उत्पादन शुरू करने के बाद, चीन के उत्पादकों ने कीमतों में और आगे बहुत कटौती की है। इस प्रकार से यह देखा गया है कि आयातों की पहुंच कीमत लागत के स्तर, घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तावित बिक्री कीमत और घरेलू उद्योग की एनआईपी से बहुत कम रही। इस प्रकार से आयात बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती कर रहा है और इसका घरेलू बाजार में कीमतों पर पर्याप्त दमनकारी प्रभाव पड़ रहा है। आगे यह नोट किया गया है कि आयात कीमत घरेलू उद्योग की कच्चे माल की कीमत से भी कम है।

60. कीमत में कटौती का परिकलन, ओ-एसिड के पहुंच मूल्य की तुलना बिक्री कीमत के साथ करके किया गया है, जिसे ओ-एसिड से ऑफ्लोसेक्सिन संयंत्र तक की अंतरण कीमत के रूप में लिया गया है। प्राधिकारी ने अंतरण कीमत को ईष्टम कीमत के बतौर माना है, जिसे रिकार्ड से ओ-एसिड के उत्पादन की लागत अर्थात् प्रतिलाभ से पूर्व क्षति रहित कीमत के रूप में सत्यापित किया गया है।

#### कीमत कटौती

क्रमांक	विवरण	मात्रा	मूल्य	यूनिट कीमत	एलवी	अंतरण कीमत (बिक्री कीमत)	कीमत कटौती	कीमत कटौती (%)	कीमत कटौती (सीमा)
1	कुल आयात	524	11,502	2,196	2,358	***	***	***	1-10
2	घरेलू उद्योग द्वारा आयात	***	***	***	2,504	***	***	***	(5)-5
3	आयात घरेलू उद्योग के छोड़ कर	***	***	***	2,262	***	***	***	5-15

#### कम कीमत पर बिक्री

क्रमांक	विवरण	मात्रा	मूल्य	यूनिट कीमत	एलवी	अंतरण कीमत (बिक्री कीमत)	कीमत कटौती	कीमत कटौती (%)	कीमत कटौती (सीमा)
1	कुल आयात	524	11,502	2,196	2,358	***	***	***	5-15
2	घरेलू उद्योग द्वारा आयात	***	***	***	2,504	***	***	***	1-10
3	आयात घरेलू उद्योग के छोड़ कर	***	***	***	2,262	***	***	***	15-25

61. यह स्पष्ट देखा गया है कि कुल आयातों में आरोपित पाटित आयातों के कारण सकारात्मक और अत्यधिक कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री हुई है। साथ ही यह तब हुआ है, जब घरेलू उद्योग के आयातों को परिकलन से बाहर निकाल दिया गया है। वास्तव में अन्य प्रयोक्ताओं द्वारा आयात काफी कम कीमतों पर किए गए हैं जिनके कारण अत्यधिक कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री हो रही है।

ग. घरेलू उद्योग के आर्थिक मानदंड

(1) उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री की मात्रा और माल सूचियां

62. चूंकि आवेदक एक नया उत्पादक है और इसने अक्टूबर, 2015 में भी व्यापारिक उत्पादन शुरू किया है, प्राधिकारी ने नीचे दी गई तालिका में दर्शाए गए अनुसार जांच की अवधि के लिए उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री का एक मासिक विश्लेषण किया है और इसकी तुलना उनके अनुमानों/लक्षित कार्य निष्पादन के साथ की है।

अवधि	वास्तविकता के अनुसार					अनुमानों के अनुसार		
	क्षमता (मी.टन)	उत्पादन (मी.टन)	क्षमता उपयोग (%)	बिक्री (कैप्टिव) (मी.टन)	अंतिम भंडार (मी.टन)	उत्पादन	क्षमता उपयोग	बिक्री (कैप्टिव सहित)
जुलाई-15	***	***	***	-	***	***	***	***
अगस्त -15	***	***	***	-	***	***	***	***
सितंबर-15	***	***	***	***	***	***	***	***
अक्टू -15	***	***	***	***	***	***	***	***
नवंबर-15	***	***	***	***	***	***	***	***
दिसंबर-15	***	***	***	***	***	***	***	***
जन.-16	***	-	***	***	***	***	***	***
फर. -16	***	***	***	***	***	***	***	***
मार्च -16	***	***	***	***	***	***	***	***
अप्रैल -16	***	***	***	***	***	***	***	***
मई -16	***	***	***	***	***	***	***	***
जून -16	***	***	***	***	***	***	***	***
तिमाही 1	***	***	***	***	***	***	***	***
तिमाही 2	***	***	***	***	***	***	***	***
तिमाही 3	***	***	***	***	***	***	***	***
तिमाही 4	***	***	***	***	***	***	***	***
जांच की अवधि	***	***	***	***	***	***	***	***

63. यह देखा गया है कि -

(क) घरेलू उद्योग के पास देश में इस उत्पाद की मांग को पूरा करने की पर्याप्त क्षमता है।

(ख) उत्पादन अगस्त, 2015 में शुरू हुआ और इसका व्यापारीकरण अक्टूबर, 2015 में किया गया। उसके बाद उत्पादन में दिसंबर, 2015 तक वृद्धि हुई। हालांकि, उत्पादन से बहुत कम कैप्टिव खपत रहने और घरेलू उद्योग से उपभोक्ताओं द्वारा खरीद न करने के साथ माल भंडार बढ़ता रहा। इस प्रकार से जब घरेलू उद्योग ने कैप्टिव उपयोग के लिए इस उत्पादन के हिस्से का भी उपयोग किया, तब भी घरेलू उद्योग घरेलू बाजार में इस उत्पाद को नहीं बेच सका।

- (ग) जब घरेलू उद्योग ने फरवरी, 2016 में व्यापारिक उत्पादन भी शुरू किया, तब उत्पादन विनियमित रहा और माल भंडार का स्तर अधिक रहा। घरेलू उद्योग देश में उपभोक्ताओं को इस उत्पाद की बिक्री करने में सफल नहीं हो पाया, क्योंकि चीन के उत्पादकों ने कीमतों में और अधिक कटौती कर दी।
- (घ) घरेलू उद्योग ने अपने प्रचालन के प्रथम वर्ष में \*\*\* % क्षमता उपयोग और \*\*\* मी. टन उत्पादन और बिक्री का अनुमान लगाया था। हालांकि, घरेलू उद्योग का उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग अनुमानित स्तरों से बहुत कम रहा है और वास्तव में आवेदक द्वारा जो परिकल्पना की गई थी उसके आधे तक भी नहीं पहुंच सका।

## (2) लाभ/हानि, निवेश पर आय

64. याचिकादाता ने बिक्रियों की लागत के ब्यौरे दिए हैं। उनकी तुलना बिक्रियों की वूसली के साथ की गई है, जो कि इस मामले में आफ्लोसैक्सिन का विनिर्माण करने के लिए अन्य संयंत्र को संबद्ध वस्तुओं की अंतरण कीमत है। घरेलू उद्योग द्वारा अर्जित लाभ और नकदी लाभ नीचे दिया गया है:-

माह	बिक्री की लागत रु./कि.ग्रा.	बिक्री प्राप्ति रु./कि.ग्रा.	लाभ रु./कि.ग्रा.	नकद लाभ लाख रुपए	पीवीआईटी लाख रुपए	नियोजित पूंजी लाख पए	निवेश पर आय %
जुलाई-15	-	-	-	-	-	-	-
अगस्त-15	***	-	-	-	-	--	-
सितं.-15	***	-	-	-	-	-	-
अक्टू-15	***	***	(***)	(***)	(***)	***	(***)
नवं.-15	***	***	(***)	(***)	(***)	***	(***)
दिसं.-15	***	***	(***)	(***)	(***)	***	(***)
जन.-16	***	***		***	***	***	***
फर.-16	***	***	(***)	(***)	(***)	***	(***)
मार्च-16	***	***	(***)	(***)	(***)	***	(***)
अप्रैल-16	***	***	(***)	(***)	(***)	***	(***)
मई-16	***	***	(***)	(***)	(***)	***	(***)
जून-16	***	***	(***)	(***)	(***)	***	(***)
तिमाही 1	***	***		***			
तिमाही 2	***	***	(***)	(***)	(***)	***	(***)
तिमाही 3	***	***	(***)	(***)	(***)	***	(***)
तिमाही 4	***	***	(***)	(***)	(***)	***	(***)
जांच की अवधि	***	***	(***)	(***)	(***)	***	(***)

65. यह नोट किया जाता है कि :

- (क) घरेलू उद्योग का उद्देश्य व्यापारिक बिक्री करना था। हालांकि उन्होंने केवल कैप्टिव तरीके से इस उत्पाद की खपत की है। व्यापारिक बिक्री न होने पर, लाभ, नकद लाभ और निवेश पर आय का निर्धारण स्थानांतरण कीमत पर विचार करते हुए किया गया है।
- (ख) घरेलू उद्योग को इस उत्पाद के कैप्टिव स्थानांतरण में बहुत अधिक वित्तीय हानि उठानी पड़ रही है। इसके परिणामस्वरूप नकदी का प्रवाह और निवेश पर आय भी पर्याप्त रूप से नकारात्मक है।
- (ग) चीन के उत्पादकों ने इस उत्पाद की कीमतों में कटौती की जिसके परिणामस्वरूप कैप्टिव खपत से पर्याप्त वित्तीय हानि, नियोजित पूंजी पर नकारात्मक प्रतिलाभ आय और नकारात्मक नकदी प्रवाह हुआ।

66. आगे यह नोट भी किया जाता है कि घरेलू उद्योग ने प्रचालन के प्रथम वर्ष अर्थात् 2016 में लाभ का अनुमान लगाया था। तथापि, घरेलू उद्योग बाजार में पर्याप्त मात्रा में पाटित संबद्ध वस्तुओं की मौजूदगी को देखते हुए उत्पादन की उसकी लागत को प्राप्त करने में सफल नहीं हो पाया और उसे भारी हानि हुई है।

### (3) उत्पादकता, रोजगार और मजदूरी

67. नीचे दी गई मासिक सूचना से प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्रति दिन तथा प्रति कर्मचारी उत्पादकता के मामले में उत्पादकता जांच की अवधि के अंत तक गिरावट की प्रवृत्ति को दर्शाती है। इसके अलावा, भुगतान की गई मजदूरी में आंशिक वृद्धि हुई है।

माह	कर्मचारियों की क्षमता	उत्पादन मी.टन में	उत्पादकता/ कर्मचारी	उत्पादकता/दिन	मजदूरी
जुलाई-15	***	-			***
अगस्त-15	***	***	***	***	***
सितं.-15	***	***	***	***	***
अक्तू.-15	***	***	***	***	***
नवं.-15	***	***	***	***	***
दिसं.-15	***	***	***	***	***
जनवरी-16	***	-	-	-	***
फरवरी-16	***	***	***	***	***
मार्च-16	***	***	***	***	***
अप्रैल-16	***	***	-	-	-
मई-16	***	***	***	***	***
जून-16	***	***	***	***	***
तिमाही 1	***	***	***	***	***
तिमाही 2	***	***	***	***	***
तिमाही 3	***	***	***	***	***
तिमाही 4	***	***	***	***	***
जांच की अवधि	***	***	***	***	***

### (4) पाटन की मात्रा

68. संबद्ध देश से उत्पादकों/निर्यातकों के संबंध में निर्धारित पाटन मार्जिन जांच की अवधि के लिए बहुत है।

### (5) संवृद्धि

69. प्राधिकारी नोट करते हैं कि देश में इस उत्पाद की पर्याप्त क्षमताओं और मांग के साथ इस देश में एक नया उत्पादक होने के बावजूद, घरेलू उद्योग का सभी प्रमुख आर्थिक मानदंडों के संबंध में नकारात्मक वृद्धि हुई है। इन आयातों ने घरेलू उद्योग को स्वतः स्थापित करने से रोका है।

### (6) पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता

70. इस देश में पर्याप्त मांग वाले किसी उत्पाद में भारत में नए निवेश के बावजूद, घरेलू उद्योग का कार्य निष्पादन प्रतिकूल है। अर्थात् बाजार हिस्से के साथ-साथ नकारात्मक लाभप्रदता, निवेश पर आय दर्शाती है कि घरेलू उद्योग की इस क्षेत्र के लिए पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण गंभीर रूप से प्रभावित हुई है।

**(7) घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक**

71. आयात उस कीमत पर हुए हैं जो घरेलू उद्योग के उत्पादन की लागत और एन आई पी से बहुत कम है। चूंकि घरेलू उद्योग में एकमात्र प्रतिस्पर्धा आयात है और घरेलू उद्योग इस देश में नया उत्पादक है, अतः यह आयात की कीमत है जो घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तावित कीमतों के लिए एकमात्र जिम्मेदार है।

**(8) क्षति का समग्र निर्धारण**

72. संबद्ध उत्पाद के आयातों और घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन की जांच स्पष्ट रूप से दर्शाती है कि विचाराधीन उत्पाद के आयातों में घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन शुरू करने के बावजूद वृद्धि हुई है। आयात उस कीमत पर हुआ है जो घरेलू उद्योग के उत्पादन की लागत और एन आई पी से बहुत कम है और इस प्रकार से इसके फलस्वरूप बहुत अधिक कटौती हुई है। घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में यह देखा गया है कि घरेलू उद्योग बाजार में बहुत अधिक पाटित आयातों की उपलब्धता के मद्देनजर बार-बार प्रयास करने के बावजूद घरेलू बाजार में अपने उत्पाद को नहीं बेच सका। जब घरेलू उद्योग ने सामान्य स्तर पर सृजित नई सुविधाओं का उपयोग और उत्पादन शुरू किया तब भी उत्पादन और क्षमता में कुछ स्तरों तक पहुंचने के बाद बहुत अधिक गिरावट आई। उत्पादन और क्षमता उपयोग में गिरावट घरेलू उद्योग की इस बाजार में उत्पाद को बेचने में असमर्थ रहने के कारण आयी। उपभोक्ता चीन से पाटित सामग्री की उपलब्धता के कारण घरेलू उद्योग से खरीदने के लिए इच्छुक नहीं है। घरेलू उद्योग को बहुत अधिक वित्तीय हानि, नकद हानि उठानी पड़ रही है और निवेश पर नकारात्मक आय हो रही है।

**ज. अन्य ज्ञात कारक तथा कारणात्मक संबंध**

73. पर्याप्त क्षति तथा नए उद्योग की स्थापना पर दबाव, घरेलू उद्योग की कीमतों पर पाटित आयातों की मात्रा और कीमत का प्रभाव की मौजूदगी की जांच करने के बाद, पाटन-रोधी भारतीय नियमावली और करार के अंतर्गत सूचीबद्ध अन्य सांकेतिक मानदंडों की जांच प्राधिकारी द्वारा यह देखने के लिए की गई है कि क्या पाटित आयातों के अलावा, कोई अन्य कारक घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचा सकता था।

**(क) तीसरे देशों से आयातों की मात्रा और कीमत**

74. यह नोट किया गया है कि संबद्ध देशों से आयात भारत में आयातों का 100 प्रतिशत होता है और इस प्रकार से अन्य देशों से आयातों का कोई प्रश्न नहीं उठता है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति पहुंच सकती हो।

**(ख) मांग में संकुचन**

75. विचाराधीन उत्पाद की मांग में गिरावट नहीं आयी है। इस प्रकार से मांग में संकुचन घरेलू उद्योग द्वारा उठाई गई क्षति के लिए एक संभावित कारण नहीं है। वास्तव में घरेलू उद्योग इस देश में अब तक उत्पादित न किए गए किसी उत्पाद के लिए एक नया उत्पादक।

**(ग) खपत की पद्धति में परिवर्तन**

76. विचाराधीन उत्पाद के संबंध में खपत की पद्धति में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है और इस कारण से यह घरेलू उद्योग द्वारा उठाई गई क्षति का कारण नहीं रहा होगा।

**(घ) विदेशी और घरेलू उत्पादकों का व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाओं और उनके बीच प्रतिस्पर्धा**

77. प्राधिकारी नोट करते हैं कि ऐसा कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथा नहीं है जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई होगी।

**(ङ.) प्रौद्योगिकी का विकास**

78. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि इस उत्पाद के उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी में कोई बदलाव नहीं आया है। इस कारण से प्रौद्योगिकी का विकास क्षति का कारक नहीं है।

**(च) निर्यात का निष्पादन**

79. आवेदक ने विचाराधीन उत्पाद का निर्यात नहीं किया है। अतः घरेलू उद्योग की दावा की गई क्षति निर्यात के कारण नहीं हो सकती है।

**(छ) घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन की जा रही और बेची जा रही अन्य उत्पादों का निष्पादन**

80. घरेलू उद्योग को दावा की गई क्षति विचाराधीन उत्पाद के कारण है।

**ज. क्षति का आकार और क्षति मार्जिन**



81. प्राधिकारी द्वारा पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-3 के संबंध में यथानिर्धारित घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं का क्षति रहित कीमत की तुलना जांच की अवधि के दौरान क्षति मार्जिन के निर्धारण के लिए संबद्ध देश से इन निर्यातों की पहुंच मूल्य के साथ किया गया है और इस प्रकार से तय किया गया क्षति मार्जिन नीचे दिया गया है :-

### क्षति मार्जिन तालिका

क्रमांक	उत्पादक	निर्यातक	संरचित सामान्य मूल्य अमरीकी डालर/ कि.ग्रा.	कारखानागत निर्यात कीमत अमरीकी डालर/ कि.ग्रा.	पाटन मार्जिन अमरीकी डालर/ कि.ग्रा.	पाटन मार्जिन (%)	पाटन मार्जिन सीमा
1.	जियांगशी चिबांग फार्मास्युटीकल कंपनी लिमिटेड	जियांगशी चिबांग फार्मास्युटीकल कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***	10-20
2.	जियांगशी चिबांग फार्मास्युटीकल कंपनी लिमिटेड	1. जेझियांग कैमिकल्स इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड 2. जेझियांग हेंगडियान अपेलोआ इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***	20-30
3.	मेसर्ज जियांगशी डाडी फार्मास्युटीकल लिमिटेड लायबिलिटी कंपनी और / या मेसर्ज यांगचेंग जिनअनझाऊ फार्मास्युटीकल कंपनी लिमिटेड	1. जेझियांग कैमिकल्स इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड 2. जेझियांग हेंगडियान अपेलोआ इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड 3. जेझियांग यूईजी बिजनेस सर्विस कंपनी लिमिटेड 4. जेझियांग जिंगयांग इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड	***	***	***	***	10-20
4.	मेसर्ज जेझियांग युआनहोंग मेडिकल एंड कैमिकल टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड और / या मेसर्ज इनर मंगोलिया युआनहोंग फाईन केमिकल कंपनी लिमिटेड	1. जेझियांग मेडीसिन्स एंड हेल्थ प्रोडक्ट्स कंपनी लिमिटेड 2. चाइना साइनोफार्म इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन 3. जेझियांग केमिकल्स इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट	***	***	***	***	5-15

		कंपनी लिमिटेड  4. जेझियांग जिंगयांग इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड  5. शंगाई चांगयू केमिकल टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड					
5.	कोई भी अन्य उत्पादक जिसका ऊपर क्रमांक 1 से 4 में उल्लेख नहीं किया गया है।	ऐसा कोई भी निर्यातक अथवा अन्य संयोजन जिसका ऊपर उल्लेख नहीं किया गया है।	***	***	***	***	25-35

82. सभी प्रतिवादी उत्पादकों और निर्यातकों के विरुद्ध क्षति मार्जिन सकारात्मक है और पर्याप्त है।

#### ट. प्रकटन पश्चात टिप्पणियां

83. हितबद्ध पक्षकारों से प्रकटन विवरण पश्चात निवेदन प्राप्त हो गए हैं। उनमें उठाए गए मुद्दों को जांच के दौरान पहले भी उठाया गया है और साथ ही उनका उपयुक्त रूप से समाधान भी कर दिया गया है। तथापि, स्पष्टता के लिए हितबद्ध पक्षकारों के निवेदनों की जांच की जा रही है, जो कि निम्नानुसार है:

#### घरेलू उद्योग का मत

84. घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित निवेदन किए हैं :

- आफलाक्सासिन एस्टर को शामिल करने के लिए पी यू सी के कार्यक्षेत्र को विस्तृत किए जाने की आवश्यकता है। आफलाक्सासिन और कुछ नहीं बल्कि एक अलग रूप में ओ-एसिड ही है। अनंतिम शुल्कों के अधिरोपण से पूर्व ऑफलाक्सासिन एस्टर को भारत में कभी आयातित नहीं किया गया था। आयात केवल अनंतिम शुल्क के परिहार के लिए आरंभ किए गए थे। ऑफलाक्सासिन एस्टर को ओ-एसिड में बदलने की लागत महत्वपूर्ण नहीं है और शुल्क के अधिरोपण के बाद से 3 महीने की अवधि के भीतर 142 मी. टन ऑफलाक्सासिन एस्टर का आयात किया गया है। मूल आवेदन में उत्पाद के विवरण और/ या कार्यक्षेत्र में इसका पहले अनुमान नहीं लगाया जा सका और उसे शामिल नहीं किया गया।
- याचिकाकर्ता के अतिरिक्त देश में ओ-एसिड का कोई अन्य उत्पादक नहीं है। याचिकाकर्ता भारत में किसी आयातक या संबद्ध देश से किसी निर्यातक से संबंधित नहीं है, उसे ऑफलाक्सासिन के उत्पादन के लिए पी यू सी का आयात करना पड़ा जो एक व्यापारिक मंदी वाला उत्पाद है और ए. डी. जांच के अध्यक्ष भी है। चीनी व्यापारी ओ-एसिड की मानद लागत से भी कम पर ओ-एसिड को पाटित कर रहे हैं। प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता को पात्र घरेलू उत्पादक सही माना है।
- प्राधिकारी ने जेंगझी चाईबेंग फर्मास्युटिकल कं. लिमि. के लिए दो विभिन्न चैनलों को ध्यान में रखते हुए दो भिन्न मार्जिन प्रदान किए हैं – प्रथम जब वे स्वयं वस्तुओं का निर्यात करते हैं और द्वितीय जब वे झिजियांग केमिकल्स इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमि. और झिजियांग हेंगडियान एपिलोआ इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लिमि. के जरिए वस्तुओं का निर्यात करते हैं जो एक निम्न शुल्क प्रणाली को आकर्षित करने के लिए उत्पादक को अनुचित, अनपेक्षित और अनुचित लाभ देते हैं।
- पी ओ आई में कुल रूप में और सापेक्ष रूप में आयात उल्लेखनीय रूप से उच्च स्तर पर रहे हैं। जुलाई, 2015 से जून 2016 तक आयात कीमतों में गिरावट की प्रवृत्ति रही है। जनवरी, 2016 के बाद से यह गिरावट बहुत तीव्र रही है।

- v. आयातों की पहुंच कीमत लागत, घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तावित बिक्री कीमत और घरेलू उद्योग के एन आई पी के स्तर से उल्लेखनीय रूप से निम्न बनी रही है।
- vi. चीनी उत्पादकों द्वारा कीमत में कमी किए जाने के साथ आयातों के बाजार हिस्से में एक बार फिर वृद्धि हुई और घरेलू उद्योग के हिस्से में गिरावट आई। घरेलू उद्योग घरेलू बाजार में बाहरी प्रयोक्ताओं को उत्पाद की बिक्री नहीं कर सका क्योंकि चीनी उत्पादकों ने कीमतों में और अधिक कमी कर दी थी।
- vii. नकदी प्रवाह और आर ओ आई महत्वपूर्ण रूप से ऋणात्मक है। चीनी उत्पादकों ने कीमतों में कमी की है, जिस के परिणामस्वरूप, महत्वपूर्ण वित्तीय हानियां, ऋणात्मक आर ओ आई और कैप्टिव बिक्री से ऋणात्मक नकदी प्रवाह हुआ। ऋणात्मक लाभप्रदता, मांग बाजार हिस्से के साथ निवेश पर वापसी इंगित करती हैं कि पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की पूंजीगत निवेशों को जुटाने की क्षमता प्रभावित हुई है।
- viii. स्थापित संयंत्र में कैप्टिव मांग को पूरा करने और व्यापारी बाजार को संभालने की पर्याप्त क्षमता थी। विभिन्न प्रयासों के बावजूद घरेलू उद्योग व्यापार बाजार में वस्तुओं की बिक्री करने में सक्षम नहीं रहा है। घरेलू उद्योग पाटन के कारण कैप्टिव प्रयोजनों के लिए भी उत्पादन का उपयोग करने से प्रतिबाधित है।
- ix. याचिकाकर्ता ने आदेशों के अभाव में घरेलू बाजार में वस्तुओं की बिक्री नहीं की। उद्योग का ध्यान व्यापारी बाजार में उत्पादन और बिक्री पर समान रूप से केंद्रित है। ई मेल के जरिए प्रयोक्ताओं से सीधे संपर्क करने तथा सार्वजनिक रूप से विज्ञापनों को स्थापित करने के द्वारा भी बाजार में बिक्री करने के प्रयास बार-बार किए गए। घरेलू उद्योग बाजार में पाटित वस्तुओं के कारण उत्पाद की बिक्री में सफल नहीं हो सका। संबद्ध वस्तुओं की विपणन बिक्री के बिना, इन्वेंट्रीज का स्तर बढ़ता जा रहा है क्योंकि कैप्टिव आवश्यकताएं उत्पादन और क्षमताओं से काफी कम थीं।
- x. कम कीमत वाले आयातों के कारण, कोई भी प्रयोक्ता वस्तुओं की खरीद के लिए आगे नहीं आया। विपणन बिक्री के अभाव में, बिक्री कीमत पर विचार किया जाना कैप्टिव स्थानांतरणों के लिए प्रयुक्त किए जाने वाले उपायों में से एक है। सांविधिक अनिवार्यताओं के संगत में ओ-एसिड की सभी कैप्टिव बिक्रियों का मूल्यांकन किया गया है। घरेलू उद्योग ने ऑफलांक्ससिन संयंत्र को ओ-एसिड की बिक्री की है और इसके अतिरिक्त, चूंकि मूल्यांकन सांविधिक विनियमों के संगत है, लाभप्रदता को ऐसी कैप्टिव बिक्रियों पर विचार करते हुए निर्धारित किया जा सकता है। मात्रा और मूल्य, दोनों के रूप में कैप्टिव बिक्री से संबंधित सूचना विश्वसनीय है क्योंकि कंपनी ने इस आधार पर उत्पाद शुल्क अदा किया है, अपने बही खातों में इस आधार पर अपनी बिक्रियों का मूल्यांकन किया है।
- xi. निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा आयोजित मासिक विश्लेषण दर्शाता है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन में वृद्धि के साथ आयातों में गिरावट आनी आरंभ हो गई। लागतों में कमी के बिना आयात कीमतों में और अधिक गिरावट आनी आरंभ हो गई। इस ने घरेलू उद्योग को उत्पादन को विनियमित करने के लिए बाध्य किया। घरेलू उद्योग का हिस्सा दिसंबर, 2015 में 86 प्रतिशत पर पहुंच गया। जून, 2016 में यह गिरकर 41 प्रतिशत रह गया। एक विस्तृत परियोजना रिपोर्ट प्रस्तुत की गई जिसमें दर्शाया गया कि घरेलू उद्योग के निष्पादन प्रक्षेपित स्तरों से नीचे घरेलू उद्योग के प्रचालन के पहले वर्ष में लाभ प्रक्षेपित किया गया था। तथापि, घरेलू उद्योग भारी हानि का सामना कर रहा है। निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा निर्धारित इष्टतम लागत और एन आई पी स्पष्ट रूप से डी आई पर पाटित आयातों के प्रभाव को दर्शाते हैं।
- xii. निश्चित पाटनरोधी शुल्कों को अधिरोपित किया जाना चाहिए। सीमा शुल्क पट्टन प्राधिकारी के पास किसी आयातक द्वारा रिपोर्ट की गई आयात कीमत की परिशुद्धता को सुनिश्चित करने के लिए क्रियाविधि की कमी है। आयात कीमत को सत्यापित करना पट्टन प्राधिकारियों के लिए न तो व्यवहार्य है न ही संभव।

- xiii. वर्तमान में अनंतिम शुल्क अमरीकी डालर के रूप में अभिव्यक्त किया जाता है। अंतिम निर्धारण में इसे जारी रखने का अनुरोध किया गया है। रुपए के मूल्य में उल्लेखनीय रूप से हास हुआ है। भारतीय रुपए का हास कच्ची सामग्रियों, यूटिलिटीज और अन्य लागतों की कीमत को प्रभावित करता है।

### **विरोधी हितबद्ध पक्षकारों का मत**

85. विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों के निवेदनों को निम्नानुसार संक्षिप्त रूप में दिया गया है :

- i. दिसंबर, 2016 के पश्चात गैर-बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में चीन को माना जाना चीन के परिग्रहण प्रोटोकॉल का उल्लंघन है। परिग्रहण प्रोटोकॉल 11 दिसंबर, 2016 को समाप्त हुआ था और उसके पश्चात कोई भी देश चीन से आयातों का सौदा करते समय सामान्य मूल्यों के निर्धारण पर मानक नियमों का अनादर करने में सक्षम नहीं होगा।
- ii. आरती ड्रग्स लिमि. को घरेलू उद्योग नहीं माना जा सकता क्योंकि वह कैप्टिव उत्पादक है और विपणन बाजार में विक्रेता नहीं है। घरेलू उद्योग उत्पादन अगस्त, 2015 में ही आरंभ हुआ जबकि वाणिज्यिक उत्पादन अक्टूबर, 2015 में आरंभ हुआ। याचिकाकर्ता ने केवल सीमित उपयोग के लिए क्षमता स्थापित की है और वर्तमान स्थापित क्षमता घरेलू उद्योग की कैप्टिव जरूरतों को पूरा करने के लिए भी पर्याप्त नहीं है। एक अन्य मामले में, प्राधिकारी ने टिप्पणी की है कि नीलांचल इस्पात निगम लिमि. वर्ष 2014-15 के लिए उपलब्ध सूचना के अनुसार अपने पर्याप्त उत्पादन के 82.28 प्रतिशत को कैप्टिव प्रयोग के लिए प्रयुक्त करता है जबकि बाकी प्रतिशतांक की व्यापारी बाजार में बिक्री करता है। इसलिए, इस पर कैप्टिव उत्पादक के रूप में विचार किया गया और इसे घरेलू उद्योग के सीमाक्षेत्र से निकाल दिया गया। घरेलू उद्योग द्वारा स्वीकार किया गया है कि प्रथम विज्ञापन मार्च 2016 में बनाया गया था और संबद्ध वस्तुओं की बिक्री करने के लिए कोई गंभीर प्रयास नहीं किए गए थे। यह डी आई का उद्देश्य नहीं है किंतु यह वास्तविक तथ्य है कि वह महत्वपूर्ण है। ए डी डी के प्रयोग से डी आई डाउन स्ट्रीम उत्पादकों को खत्म करना और एकाधिकार सृजित करना चाहता है।
- iii. याचिकाकर्ता घरेलू बाजार की मांग को पूरा करने में पर्याप्त रूप से सक्षम नहीं है और इसलिए आयात अपरिहार्य हैं। यह देखा जा सकता है कि मांग उस से कहीं अधिक ज्यादा थी जितना याचिकाकर्ता उत्पादित कर रहा था और उसका 100 प्रतिशत केवल कैप्टिव उपयोग के लिए प्रयुक्त किया जा रहा था। यह कहा जा सकता है कि याचिकाकर्ता घरेलू बाजार में उत्पादन के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं कर रहा है और चूंकि, याचिकाकर्ता प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धा नहीं कर रहा है, संबद्ध वस्तुओं के कारण कोई क्षति या महत्वपूर्ण बाधा नहीं हो सकती है। पी ओ आई के दौरान देश की मांग लगभग 748 मी. टन पर स्थित थी। इसलिए, ऑफलॉक्ससिन का उत्पादन लगभग 800 मी. टन पर विचारित करते हुए देश की जरूरत को 700 मी. टन अनुमानित करने का प्राधिकारी का निर्धारण पूरी तरह से गलत था। डाटा दर्शाता है कि प्रत्येक वर्ष ओ-एसिड के लिए मांग लगभग 20 प्रतिशत बढ़ी है। इसलिए याचिकाकर्ता की कैप्टिव जरूरतें, पी ओ आई के दौरान, 560 मी. टन थी किंतु मांग में वृद्धि की प्रवृत्ति को देखते हुए इसमें आगामी एक वर्ष की अवधि के भीतर लगभग 20 प्रतिशत तक वृद्धि होने की संभावना है। इसलिए यह अनुमान है कि याचिकाकर्ता ने "बाजार मांग" को पूरा करने के लिए क्षमताएं स्थापित की हैं और न कि सिर्फ स्वयं के उपयोग के लिए, इस वर्तमान मामले के तथ्यों द्वारा वहन नहीं किया जाता है। यदि याचिकाकर्ता के पास अधिक क्षमता है और वह घरेलू बाजार में संबद्ध वस्तुओं की बिक्री करना चाहता है, तब भी उसे इस आधार पर शामिल नहीं किया जाना चाहिए कि वह मुख्य रूप से एक कैप्टिव प्रयोक्ता है।
- iv. घरेलू उद्योग को क्षति हो नहीं हो रही है क्योंकि वस्तुएं लाभ अर्थात् लागत + 10 प्रतिशत पर स्थानांतरित की जा रही हैं। याचिकाकर्ता ने स्वीकार किया है कि उस के द्वारा उत्पादित ओ-एसिड

- कैप्टिव रूप से ऑफलॉक्सासिन के उत्पादन में प्रयुक्त किया जाता है। अतः, ऑफलॉक्सासिन यूनिट को ओ-एसिड की स्थानांतरण कीमत पर नजर रखने की जरूरत है। किसी सत्ता की स्थानांतरण कीमत पर केवल तभी विचार किया जाना चाहिए जब इसे केवल आर्म्स-लैंथ सौदे के रूप में स्थापित किया जाना है। प्राधिकारी को उनके द्वारा प्रयुक्त स्थानांतरण कीमत की विश्वसनीयता से संबंधित अपने विश्लेषण यदि कोई हो, को प्रस्तुत करना चाहिए।
- v. नियोजित पूंजी पर वापिसी के दावे को बढ़ा चढ़ाकर बताया गया है। निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा निर्धारित एन आई पी अत्यधिक बढ़ा कर बताई गई है और वास्तविक स्थितियों पर आधारित नहीं है।
  - vi. महत्वपूर्ण क्षति और महत्वपूर्ण बाधा के संबंध में प्राधिकारी का किया गया समकालिक मूल्यांकन कानूनी रूप से असमर्थनीय है। यह साक्ष्य है कि संधि तोड़ने, कानूनी आधारों को पृथक करने के लिए शब्द "अथवा" अधिनियम में प्रयोग किया जाता है। ऐसे मामले में, प्राधिकारी शब्द "और" के अर्थ में शब्द "अथवा" का पाठ नहीं कर सकता। चीन से लेमिनेटिड बुने हुए बोरो के मामले में जैसा कि निर्धारित किया गया है अमरीकी न्यायशास्त्र से संदर्भ लिया गया है "जैसा कि कमीशन ने पहले देखा है, कानून के अंतर्गत, महत्वपूर्ण मंदी और महत्वपूर्ण क्षति/ उसका खतरा पारस्परिक रूप से विशिष्ट मानक हैं।" पिछले आयोग निर्णयों में, यदि कोई घरेलू उद्योग स्थापित किया जाता है, तब उसे हमेशा एक "नवोन्मेषी" उद्योग नहीं माना जा सकता और इसके बजाय विश्लेषण महत्वपूर्ण क्षति या उस के खतरे के मुद्दों की ओर मुड़ जाता है।
  - vii. याचिकाकर्ता, जिसने वाणिज्यिक उत्पादन आरंभ करने के पश्चात वस्तुओं का आयात करना जारी रखा, ने कथित रूप से पाटित वस्तुओं की क्रय और बिक्री से लाभ उठाने के द्वारा कथित पाटन के किसी भी बुरे प्रभावों से अपने आप को बचाए रखा। अब यह प्राधिकारी द्वारा स्थापित तथ्य है कि याचिकाकर्ता के स्वयं के आयात याचिकाकर्ता के ओ-एसिड व्यापार के लिए क्षतिकारक कीमत पर किए गए थे और इसलिए, इस के स्वयं के आयातों के कारण हुई कोई क्षति स्वतः प्रदत्त है और याचिकाकर्ता के लिए उस के द्वारा किए गए क्षति आकलन में प्राधिकारी द्वारा इसे पृथक और विशिष्ट रूप में दिखाया जाना चाहिए।
  - viii. क्षति अवधि में आयात मात्रा की प्रवृत्ति का आकलन पूर्ण रूप से किया जाता है जब कोई घरेलू उत्पादन पक्षपातपूर्ण स्थिति का कारण नहीं होता। इसमें प्रत्यर्थी पिछली अवधियों के लिए प्रस्तुत डेटा के कारण पूर्वाग्रहित है जब याचिकाकर्ता वस्तुओं की किसी मात्रा का उत्पादन नहीं कर रहा था और इसने हाल ही में अपनी सुविधाओं को आरंभ किया है। इस दौरान, याचिकाकर्ता के अपने स्वयं के आयातों में भी वृद्धि हुई और साथ ही भारत में समग्र आयात भी।
  - ix. केवल चीन जन गण से आयातों के मूल्यों की प्रवृत्ति पर विचार करने के स्थान पर, प्राधिकारी को कच्ची सामग्रियों के मूल्यों की प्रवृत्तियों पर भी विचार करना चाहिए। डेटा का एक ओर कॉलम, जिस में कच्ची सामग्रियों की कीमतें भी शामिल होती, विचाराधीन आयात कीमतों की प्रवृत्तियों का बेहतर प्रतिनिधि होता।
  - x. नवंबर, 2015 में आयातों के मूल्य में गिरावट हुई है। कीमतों में ऐसी गिरावट याचिकाकर्ता की उत्पादन गतिविधि या वाणिज्यिक उत्पादन से स्वतंत्र और असंबंधित है। उस के पश्चात, दिसंबर, 2015 में कीमतों में मामूली रूप से वृद्धि हुई और तब दिसंबर, 2016 के बाद से इनमें गिरावट आई। तथापि, किसी प्रकार, प्राधिकारी ने सह संबद्ध किया है कि कीमत में ये विभिन्नताएं चीनी उत्पादकों/ निर्यातकों की ओर से ठोस पाटन के कारण हैं।
  - xi. जहां तक सकारात्मक कीमत कटौती का संबंध है, प्राधिकारी के लिए यह नोट करना महत्वपूर्ण है कि भारत में संबद्ध वस्तुओं के आयातों का लगभग 70 प्रतिशत या उससे अधिक प्रमुख भाग स्वयं

- याचिकाकर्ता द्वारा किया जाता है। यह देखना भी महत्वपूर्ण है कि भारत में ओ-एसिड के एकमात्र, सबसे बड़े प्रयोक्ता स्वयं याचिकाकर्ता ही है, जो ऐसे आयातों की कीमतों को आदेशित करता है।
- xii. प्राधिकारी का निष्कर्ष कि "आयात कीमत घरेलू उद्योग की कच्ची सामग्री की कीमत की तुलना से भी कम है" भी गलत है। याचिकाकर्ता द्वारा उच्च शुल्कों पर कच्ची सामग्रियां आयातित की गई हैं और इसलिए इसकी विचाराधीन कच्ची सामग्रियों की लागतें भी स्वयं में अपेक्षाकृत ऊंची हैं।
- xiii. प्राधिकारी ने वास्तविक साथ ही प्रक्षेपणों के अनुसार याचिकाकर्ता की क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग, कैप्टिव बिक्री, अन्य स्टॉक से संबंधित सभी डेटाको संशोधित किया है। इस संबंध में किसी प्रकार की गोपनीयता का दावा नहीं किया जा सकता। प्राधिकारी को याचिकाकर्ता के इन कारकों से संबंधित डेटा उपलब्ध कराया जाना चाहिए। कम से कम, इन में उत्तर देने वालों को इस से संबंधित अनुक्रमित डेटा की आपूर्ति की जानी चाहिए।
- xiv. स्वयं याचिकाकर्ता द्वारा संबद्ध आयातों के प्रमुख भाग का आयात किया गया है। इसलिए, याचिकाकर्ता के उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग पर विपरीत प्रभाव याचिकाकर्ता द्वारा आयातों का आश्रय लेने के कारण स्व-प्रदत्त है। लाभ, नकद लाभ और पी बी आई टी आंकड़ों के पूर्ण मासिक विश्लेषण के दौरान पूरे पी ओ आई में सभी आंकड़े सकारात्मक बने रहे हैं। इस प्रकार, यह स्पष्ट नहीं है कि कैसे याचिकाकर्ता प्राधिकारी द्वारा निर्धारित "वित्तीय हानियों" में बने रहने के लिए दृढ़-निश्चय है।
- xv. प्रकटीकरण के पैराग्राफ 64 में यह कहा गया है कि याचिकाकर्ता "उत्पादक के कैप्टिव स्थानांतरों में महत्वपूर्ण वित्तीय हानि" का सामना कर रहा है। तत्पश्चात् प्राधिकारी ने यह भी स्पष्ट किया है कि याचिकाकर्ता की स्थानांतरण कीमत निर्धारण उत्पादन की लागत पर आधारित थी। इसलिए, जब प्राधिकारी ने ओ-एसिड की उत्पादन लागत का सहारा लिया है तब वित्तीय हानियों का दावा नहीं किया जा सकता। जहां कोई लाभ भी प्राप्त नहीं किया जा रहा है, वहां इस तथ्य के कारण कोई वित्तीय हानि स्थिति उत्पन्न नहीं हो सकती कि याचिकाकर्ता ने इस के उत्पादन की लागत के आधार पर अपनी ऑफलॉक्सासिन यूनिट को कच्ची सामग्री ओ-एसिड के स्थानांतरण की कीमत का निर्धारण है।
- xvi. प्रत्यर्थी के लिए निर्मित सामान्य मूल्य को याचिकाकर्ता के लिए प्रभार्य किसी आयात शुल्कों को निकालने के लिए समायोजित किया जाना चाहिए क्योंकि चीन जन गण में सामान्य मूल्य में ऐसे किसी शुल्क संघटक को शामिल नहीं किया जाता।
- xvii. एक बेंचमार्क कीमत आधारित शुल्क पर वर्तमान मामले में विचार किया जा सकता है जो आयातकों/ प्रयोक्ताओं के अधिकारों से समझौता किए बिना घरेलू उद्योग के लिए सुरक्षा को सुनिश्चित करता है।
- xviii. याचिकाकर्ता ने जांच की निर्धारित अवधि में केवल 9 महीनों के लिए वाणिज्यिक उत्पादन में है, जिसका अर्थ है कि प्राधिकारी का निर्धारण याचिकाकर्ता के केवल 9 महीने के निष्पादन पर आधारित है। दी गई परिस्थितियों में, प्राधिकारी कुल मिलाकर 5 वर्ष से कम अवधि के लिए शुल्कों के अधिरोपण की सिफारिश कर सकते हैं।

### ब. 3. प्राधिकारी द्वारा जांच

86. यह टिप्पणी की गई है कि पश्च प्रकटीकरण स्तर पर उठाए गए मुद्दों की प्राधिकारी द्वारा ऊपर संगत पैराग्राफों में जांच की गई है, तथापि निवेदनों की स्पष्टता के लिए उन्हें निम्नानुसार संबोधित किया गया है :
- जहां तक पी यू सी के कार्यक्षेत्र को संबंध है, प्राधिकारी ने दोहराया है कि कार्यवाही के इतने विलंबित स्तर पर ओ-एसिड के एस्टर फार्म को शामिल किए जाने पर विचार नहीं किया जा

- सकता। वैकल्पिक रूप से, घरेलू उद्योग उक्त मामले में निवारणरोधी कानून के तहत जांच के लिए पृथक आवेदन को प्राथमिकता दे सकता है यदि वह सोचता है कि उत्पाद को ओ-एसिड के आयातों पर सिफारिश किए गए पाटनरोधी शुल्क के निवारण के लिए आयातित किया जा रहा है।
- ii. जहां तक दो पृथक मार्जिनों का संबंध है, प्राधिकारी ने टिप्पणी की है कि एन आई पी और पहुंच मूल्य से संबंधित दस्तावेजों की विस्तृत जांच की गई थी और यह पाया गया कि पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन पृथक-पृथक हैं जब संबद्ध वस्तुएं दो विभिन्न चैनलों के जरिए निर्यातित की जा रही हों।
  - iii. जहां तक घरेलू उद्योग के रूप में याचिकाकर्ता की पात्रता का संबंध है, प्राधिकारी ने वर्तमान जांच परिणाम के पैरा 16 और 17 में घरेलू उद्योग के रूप में विचार किए जाने के लिए याचिकाकर्ता के कार्यक्षेत्र का पहलेही निर्धारण किया है। प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा उठाए गए आयातों के मुद्दे और कैप्टिव उपयोग के मुद्दे प्राधिकारी द्वारा संगत समझे गए तथ्यों/ डेटा/ दस्तावेजों पर उचित विचार तथा विस्तृत जांच के पश्चात् विस्तार में की जांच की है, प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 2 (ख) की शर्तों में उन्हें घरेलू उद्योग के रूप में पात्र माना है।
  - iv. जहां तक घरेलू बाजार में मांग को पूरा करने के लिए घरेलू उद्योग की क्षमता का संबंध है, प्राधिकारी ने टिप्पणी की है कि अंतिम जांच परिणाम के पैरा 63 में प्राधिकारी द्वारा विस्तृत जांच की गई है जहां विश्लेषण के पश्चात् प्राधिकारी ने निर्धारित किया है कि घरेलू उद्योग के पास देश में उत्पाद के लिए मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त क्षमता है। इसलिए, यह स्पष्ट है कि घरेलू उद्योग द्वारा स्थापित उत्पादन क्षमता उन के स्वयं के उपयोग साथ ही बाजार में अन्य प्रयोक्ताओं को बिक्री के लिए है।
  - v. जहां तक स्थानांतरण कीमत का संबंध है, प्राधिकारी ने टिप्पणी की है कि विस्तृत विश्लेषण के पश्चात्, प्राधिकारी ने जांच परिणाम के पैरा 47 में विस्तार से दिए गए अनुसार स्थानांतरण कीमत निर्धारित की है, जहां प्राधिकारी ने उपलब्ध सभी तथ्यों और डेटा पर विचार करने के पश्चात्, अधिकारी ने ऑफलॉक्ससिन और औ-एसिड, दोनों के संबंध में घरेलू उद्योग के लिए एन आई पी का निर्धारण किया है।
  - vi. प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा ओ-एसिड के आयातों की भी सावधानीपूर्वक जांच की है और पाया कि याचिकाकर्ता द्वारा ओ-एसिड के आयात के पहुंच मूल्य का भारांशित औसत प्राधिकारी द्वारा निर्धारित ओ-एसिड के एन आई पी से कम है। इस के अतिरिक्त, प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता के ओ-एसिड के उत्पादन की नियामक कीमत की याचिकाकर्ता द्वारा ओ-एसिड के आयात की पहुंच कीमत के साथ तुलना की है और पाया कि आयात की पहुंच कीमत याचिकाकर्ता के उत्पादन की नियामक कीमत से कम है।
  - vii. जहां तक चीन की गैर बाजार अर्थव्यवस्था की प्रास्थिति का संबंध है प्राधिकारी ने टिप्पणी की है कि पी ओ आई और जांच शुरुआत अधिसूचना परिग्रहण प्रोटोकॉल की तारीख से पूर्व थी। इस के अतिरिक्त, निर्यातक द्वारा दिए गए विवरणों की संगत प्रावधानों के प्रकाश में जांच की गई और ऊपर उल्लिखित पैराग्राफों में यथा उल्लिखित प्राधिकारी द्वारा निर्णय लिया गया था।
  - viii. जहां तक सामान्य मूल्य का संबंध है, प्राधिकारी ने टिप्पणी की है कि प्रकटीकरण विवरण में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि सामान्य मूल्य को आयात शुल्क को निकाल कर निर्मित किया गया है। वर्तमान जांच परिणाम में, प्राधिकारी ने पैरा 3 में सी एन वी की संगणना करते समय आयातित कच्ची सामग्रियों पर शुल्क के संबंध में निर्यातक की चिंता पर विचार किया है। सी एन वी की संगणना के लिए, घरेलू कीमत (अर्थात् इन कच्ची सामग्रियों का पहुंच मूल्य) को आधार के रूप में लिया गया है और तब पहुंच प्रभार सीमा शुल्क, सीमा शुल्क उपकर, समुद्री माल भाड़ा और बीमा को एफ ओ बी कीमत पर पहुंचने के लिए घटाया गया है और इसे कच्ची सामग्री की कीमतों के रूप में लिया गया है।

- ix. जहां तक घरेलू उद्योग को स्व-प्रदत्त क्षति का संबंध है, प्राधिकारी ने टिप्पणी की है कि घरेलू उद्योग द्वारा किए गए आयातों को व्यापारी बाजार में नहीं बेचा गया है। आवेदक चयन की तुलना में स्व-रक्षा के मामले के रूप में उत्पाद का आयात करने के लिए बाध्य है।
- x. जहां तक गोपनीयता का संबंध है, प्राधिकारी ने टिप्पणी की है कि हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए गोपनीयता के दावे प्राधिकारी द्वारा सामान्यतः अपनाए जा रहे पद्धति के अनुरूप हैं। जहां भी संभव था, हितबद्ध पक्षकारों ने सूचना के गोपनीय रूपांतरण उपलब्ध कराए हैं। घरेलू उद्योग ने गोपनीय याचिका में अंतर्निहित विभिन्न सूचनाओं का अनुक्रमित रूपांतरण उपलब्ध कराया है।
- xi. जहां तक आयात कीमत का संबंध है, प्राधिकारी ने टिप्पणी की है कि आयातों की मात्रा और आयात कीमत का विश्लेषण मासिक आधार पर किया जाता है। आवेदक द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना दर्शाती है कि आयात कीमत में गिरावट आई है। जनवरी, 2016 के बाद से इस में बहुत तेजी से गिरावट आई है। आयातों की पहुंच कीमत लागत घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तावित बिक्री कीमत और घरेलू उद्योग के एन आई पी के स्तर से महत्वपूर्ण रूप से कम बनी रही है। इस प्रकार आयात बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों में कटौती कर रहे हैं और घरेलू बाजार कीमतों पर उल्लेखनीय हासित प्रभाव डाल रहे हैं। आगे यह भी टिप्पणी की गई है कि आयात कीमत घरेलू उद्योग की कच्ची सामग्री लागत की तुलना में भी कम है।
- xii. जहां तक लाभ, नकद लाभ और पी बी आई टी आंकड़ों का संबंध है, प्राधिकारी ने टिप्पणी की है कि घरेलू उद्योग ने इसके प्रचालन के प्रथम वर्ष अर्थात् 2016 में लाभ प्रक्षेपित किया था। तथापि, घरेलू उद्योग बाजार में महत्वपूर्ण रूप से पाटित संबद्ध वस्तुओं की उपस्थिति को ध्यान में रखते हुए इसकी उत्पादन लागत को वसूल करने में भी सक्षम नहीं है और भारी हानि उठा रहा है।
- xiii. चूंकि घरेलू उद्योग ओ-एसिड के उत्पादन के लिए एक नया उद्योग है और चयन अवधि के केवल 9 महीनों के लागत /उत्पादन के आंकड़े उपलब्ध हैं, प्राधिकरण ने तीन साल के लिए केवल एक शुल्क लागू करने का निर्णय लिया है जिसमें कि इसका प्रभाव घरेलू उद्योग के स्वास्थ्य पर विरोधी डंपिंग कर्तव्यों और उपयोगकर्ताओं की प्रतिक्रिया इस अवधि में स्थापित की जा सकती है। डेटा/सूचना का एक पूरा सेट, उस समय तक उपलब्ध होगा जब मामला समीक्षा के लिए तैयार हो जाएगा, अगर घरेलू उद्योग प्रासंगिक समय पर चाहता है।
- xiv. जहां तक एन आई पी के निर्धारण का संबंध है, प्राधिकारी ने टिप्पणी की है कि यह घरेलू उद्योग के संबंध में जांच की अवधि के लिए उत्पादन की लागत से संबंधित सत्यापित सूचना/ डेटा को अपना कर निर्धारित किया जाता है। घरेलू उद्योग के लिए एन आई पी को पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध III में प्रस्तुत किए गए सिद्धांतों की शर्तों में निर्धारित किया गया है।

## ख. निष्कर्ष

87. उठाए गए मुद्दों की जांच करने के पश्चात और हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदनों और इस जांच परिणाम में प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध तथ्यों की जांच के पश्चात्, प्राधिकारी ने निर्णय दिया है कि :
  - i. संबद्ध देश से भारत को विचाराधीन उत्पाद इस के सामान्य मूल्य से कम पर निर्यातित किया गया है, जिस के परिणामस्वरूप पाटन हुआ।
  - ii. घरेलू उद्योग संबद्ध देश से विचाराधीन उत्पाद के पाटन के कारण महत्वपूर्ण क्षति सामना कर रहा है।
  - iii. संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण महत्वपूर्ण क्षति हुई है।

## ग. भारतीय उद्योग का हित और अन्य मुद्दे :

88. प्राधिकारी ने टिप्पणी की है कि पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य, सामान्यतः पाटन की अनुचित व्यापार पद्धतियों के कारण घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली और



उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति को दुबारा स्थापित किया जा सके, जो देश के सामान्य हित में है। यह पहचान की गई कि पाटनरोधी शुल्कों का अधिरोपण डाउनस्ट्रीम उत्पादों की कीमत स्तर को प्रभावित कर सकता है और परिणामस्वरूप इन उत्पादों की सापेक्ष प्रतिस्पर्धात्मकता पर कुछ प्रभाव डाल सकता है। हालांकि, भारतीय बाजार में उचित स्पर्धा पाटनरोधी शुल्क को लागू करना घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए जरूरी एक धनराशि तक प्रतिबंधित है। इस के विपरीत, पाटन पद्धतियों द्वारा प्राप्त अनुचित लाभों को समाप्त करने के लिए पाटनरोधी उपायों का अधिरोपण घरेलू उद्योग की गिरावट का निवारण करेगा और संबद्ध वस्तुओं के प्रयोक्ताओं को विस्तृत चयन की उपलब्धता को बनाए रखेगा। पाटनरोधी उपायों का अधिरोपण किसी भी प्रकार से संबद्ध देश से आयातों को प्रतिबंधित नहीं करेगा और इसलिए उपभोक्ताओं को उत्पाद की उपलब्धता को प्रभावित नहीं करेगा।

#### घ. सिफारिशें

89. प्राधिकारी ने टिप्पणी की है कि जांच आरंभ की गई थी और इस संबंध में सभी हितबद्ध पक्षकारों को अधिसूचित किया गया और निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंधों के पहलूओं पर सकारात्मक सूचना उपलब्ध कराने के लिए पर्याप्त अवसर दिया गया था। ए डी नियमावली की शर्तों में पाटन, क्षति और उन के कारणात्मक संबंध में जांच आरंभ और आयोजित कर के और ऐसे पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की सकारात्मक पाटन मार्जिन साथ ही महत्वपूर्ण क्षति की स्थापना करने के द्वारा, प्राधिकारी का मत है कि पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण पाटन और क्षति के प्रतिकार के लिए जरूरी है। इसलिए प्राधिकारी ने यहां नीचे दिए गए रूप और तरीके में संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर निश्चित पाटनरोधी शुल्क 3 वर्षों के लिए अधिरोपण की सिफारिश करना जरूरी समझा है।
90. जहां तक प्राधिकारी द्वारा अनुसरित किए जा रहे कमतर शुल्क नियम का संबंध है, प्राधिकारी ने पाटनमार्जिन और क्षति मार्जिन के कमतर के समकक्ष निश्चित पाटनरोधी शुल्क के अधिरोपण की सिफारिश की है ताकि घरेलू उद्योग को क्षति को दूर किया जा सके। तदनुसार, नीचे सारणी के कॉलम 8 में सांकेतिक राशि के समकक्ष निश्चित पाटनरोधी शुल्क की चीन जन गण के मूल के अथवा वहां के निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क की तारीख से लागू किए जानेकी सिफारिश 3 वर्षों के लिए की गई है जैसा कि प्रारंभिक जांचपरिणाम अधिसूचना दिनांक 23.5.2017 और सीमा शुल्क अधिसूचना सं. 35/2017 (सीमा शुल्क (ए डी डी) दिनांक 13.7.2017 के अनुसार अधिसूचित प्रारंभिक जांच परिणाम अधि. में सिफारिश की गई थी:

शुल्क तालिका

क्र. सं.	उप शीर्ष या टैरिफ मद*	वस्तुओं का विवरण	मूलता का देश	निर्यात करने वाले देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क राशि	माप की यूनिट	मुद्रा
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1.		ओ-एसिड या ऑफलॉक्ससिन एसिड	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	जियांगशी चाईबांग फार्मास्युटीकल कंपनी लि.	जियांगशी चाईबांग फार्मास्युटीकल कंपनी लि.	4.91	कि. ग्रा.	अम.डॉ.
2.	29419030	ओ-एसिड या ऑफलॉक्ससिन एसिड	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	जियांगशी चाईबांग फार्मास्युटीकल कंपनी लि.	i. झेजियांग कैमिकल्स इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. ii. झेजियांग हेंगडियन एपिलोआ इम्पोर्ट एंड एक्स. क. लि.	7.50	कि. ग्रा.	अम.डॉ.
3.	29152990 29163990 29183090 29189900 29349900	ओ-एसिड या ऑफलॉक्ससिन एसिड	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	जियांगशीदादी फार्मास्युटीकल लि. लाइब्रैट्री कं. एंड/ और यांगचेंगजियांगझोऊ फार्मास्युटीकल	i. झेजियांग कैमिकल्स इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. ii. झेजियांग हेंगडियन एपिलोआ इम्पोर्ट एंड एक्स. क. लि.,	4.90	कि. ग्रा.	अम.डॉ.

	<b>29411090</b> <b>29419090</b> <b>29420090</b>				कंपनी लि.	iii. झेजियांग उएसी बिजनेस सर्विस कं. लि. iv. झेजियांग जिंगयांग इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि.			
4.		ओ-एसिड या ऑफ्लॉक्सासिन एसिड	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	i. झेजियांग युहांगहोंग मेडिकल एंड केमिकल टेक्नोलॉजी क. लिमि. एंड/ और ii. इनर मोंगोलिया युआनहोंग फाइन केमिकल कं. लिमि.	i. झेजियांग मेडिसिन्स एंड हेल्थ प्रोडक्ट्स कं. लि. ii. चाइनासिनोफार्म इंटरनेशनल कॉर्पोरेशन iii. झेजियांग केमिकल्स इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट क. लि., iv. झेजियांग जियांगयान इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट क. लि. v. शंघाई चांगयू केमिकल टेक्नोलॉजी कं. लि.	4.16	कि. ग्रा.	अम.डॉ.
5.		ओ-एसिड या ऑफ्लॉक्सासिन	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	उपरोक्त उल्लिखित क्र.सं. 1-4 से इतर अन्य कोई संयोजन		8.55	कि. ग्रा.	अम.डॉ.
6.		ओ-एसिड या ऑफ्लॉक्सासिन	चीन जन. गण.	चीन के अतिरिक्त अन्य कोई देश	कोई	कोई	8.55	कि. ग्रा.	अम.डॉ.
7.		ओ-एसिड या ऑफ्लॉक्सासिन	चीन के अतिरिक्त अन्य कोई देश	चीन जन. गण.	कोई	कोई	8.55	कि. ग्रा.	अम.डॉ.

\* सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक हैं और शुल्क का निर्धारण पी यू सी के विवरण के अनुसार किया जाएगा।

91. इस प्रयोजन के लिए पहुंच मूल्य निर्धारणीय मूल्य होगा जैसा कि सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1962 और सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 3, 3क, 8ख, 9, 9क के तहत लागू किए गए शुल्कों के अतिरिक्त सीमा शुल्कों के प्रयोज्य स्तर के तहत सीमा शुल्क द्वारा यथा निर्धारित किया गया है।
92. इस अंतिम जांच परिणाम से उत्पन्न केंद्रीय सरकार के आदेश के विरुद्ध किसी अपील को सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम के अनुसरण में सीमा शुल्क, उत्पाद और सेवा कर अपीलीय अधिकरण के समक्ष प्रस्तुत किया जा सकता है।

सुनील कुमार, अपर सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

**MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY****(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, the 19th December, 2017

**FINAL FINDINGS**

**Subject : Antidumping investigation concerning imports of O-Acid originating in or exported from China PR.**

**F. No. 14/31/2016-DGAD.**—Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended from time to time (hereinafter referred as The Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules thereof, as amended from time to time (hereinafter referred as The AD Rules);

**A. Background of the Case**

1. M/s. Aarti Drugs Ltd. (hereinafter referred to as the “applicant” or “domestic industry”) had filed an application before the Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) in accordance with The Act, as amended from time to time The Anti-dumping Rules, for initiation of anti-dumping investigation and imposition of anti-dumping duty concerning imports of O-Acid originating in or exported from China PR.
2. Whereas, the Authority, on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant, issued a Notification No. 14/31/2016-DGAD dated 21<sup>st</sup> September, 2016, published in the Gazette of India, initiating the subject investigations in accordance with the Rule 5 of the above Rule to determine existence, degree and effect of the alleged dumping of the subject goods, originating in or exported from China PR, and to recommend the amount of anti-dumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the alleged injury to the domestic industry.
3. The Authority issued Preliminary Findings vide Notification No. 14/31/2016-DGAD dated 23.5.2017 recommending provisional anti-dumping duty in the present case, accordingly, Ministry of Finance issued a notification imposing provisional antidumping duty vide Customs Notification No. No.35/2017-Customs (ADD) dated 13.07.2017.

**B. PROCEDURE**

4. The procedure described herein below has been followed with regard to the subject investigation:
  - i. The Authority notified the Embassy of the subject country in India about the receipt of the anti-dumping application before proceeding to initiate the investigations in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra.
  - ii. The Authority issued a notification dated 21<sup>st</sup> September, 2016 published in the Gazette of India Extraordinary, initiating anti-dumping investigation concerning imports of the subject goods.
  - iii. The Embassy of China in India was informed about the initiation of the investigations in accordance with Rule 6(2) of the Rules with a request to advise the exporters/producers from China PR to respond to the questionnaire within prescribed time limit.
  - iv. The Authority sent exporter’s questionnaires to elicit relevant information to the following known producers/exporters in China PR in accordance with Rule 6(4) of the Rules:

SN	Name of Producer/ Exporter
1	Apeloa Kangyu Business Office
2	<b>Zhejiang Jingxin Pharmaceutical Co., Ltd</b>
3	Zhejiang East Pharmaceutical Ltd.
4	Yongning pharma
5	Jiangsu Guotai Int'l Group Huatai Imp. & Exp. Co Ltd
6	Zhejiang Medicines & Health Products Import & Export Co. Ltd

7	Zhejiang Chemicals Import & Ex
8	China Sinopharm International Corporation

- v. In response to the above notification, following exporters/ producers have responded or submitted exporter questionnaire responses.

SN	Name of Producer/ Exporter
1	Zhejiang Hengdian Apelo Imp & Exp Co. Ltd
2	Jaingxi Chibang Pharmaceutical Co. Ltd
3	Jiangxi Dadi Pharmaceutical Limited Liability Co.
4	Zhejiang Xingyang Import & Export Co. Ltd
5	China Sinopharm International Corporation
6	Yancheng Xinanzhou Pharmaceutical Co, Ltd
7	Shanghai Changyu Chemical Technology Co. Ltd
8	Inner Mongolia Yuanhong Fine Chemical Co. Ltd
9	Dreamland Creation Inc.
10	Zhejiang Yuanhong Medical & Chemical Technology Co. Ltd
11	Zhejiang UeasyBusiness Service Co. Ltd
12	Zhejiang Medicines & Healthproducts Import & Export Co. Ltd
13	Zhejiang Chemicals Import & Export Co. Ltd

- vi. Market Economy Treatment (MET) questionnaire was also forwarded to the known producers/exporters in China PR and the Embassy of China PR in India with a request to provide relevant information to the Authority within the prescribed time limit. None of the responding exporters have claimed MET.
- vii. The Authority sent Importer's Questionnaires to the following known importers/ users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the Rules. However, no questionnaire response has been received from any importer of the subject goods:

SN	Name of Importers/Consumers
1	M/s. Cipla Limited
2	M/s. Macleods Pharmaceuticals Ltd
3	M/s. J.B.Chemicals & Pharmaceutical Ltd.
4	M/s. Aristo Pharmaceutical Pvt Ltd
5	M/s. Sun Pharmaceutical Ind. Limited
6	M/s. Medi Pharma Drug House
7	M/s. FDC Ltd
8	M/s. Medley Pharmaceuticals Ltd
9	M/s. Cadila Healthcare Ltd.
10	M/s. Merck (India) Ltd
11	M/s. Alkem Laboratories Ltd.

- viii. The China Chamber of Commerce for Import & Export of Medicines & Health Products Association have filed submissions. Submissions/Responses made by all the parties have been taken into account in the present determination.
- ix. Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties.

- x. Further information was sought from the applicant and other interested parties to the extent deemed necessary. Verification of the data provided by the domestic industry and producers/exporters was conducted to the extent considered necessary for the purpose of the investigation.
- xi. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claims. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis and the same were kept in the public file maintained by the Authority as per the Rules.
- xii. The Non-injurious Price has been worked out based on the cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) so as to ascertain the injury margin and apply lesser duty rule followed by the drawback. Applicant started their trial production in June 2015 and full scale production from October 2015. Investigation was carried out for the period starting from July 2015 - June 2016 (POI). Injury analysis has been carried out on month to month basis.
- xiii. Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the past three years, including the POI. The Authority has relied upon import data procured from DGCI&S in the present investigation.
- xiv. Subsequent to issuance of preliminary findings, the interested parties were asked to file their comments on preliminary findings.
- xv. The Authority held an oral hearing on 31<sup>st</sup> July 2017 to provide an opportunity to the interested parties to present relevant information orally in accordance with Rule 6 (6), which was attended by the representatives of domestic industry and the opposing interested parties. The representatives of domestic industry and the interested parties who presented their views orally at the time of oral hearing were advised to file written submissions of the views expressed orally.
- xvi. The last date for issue of Final finding was 20<sup>th</sup> September, 2017, however the same was extended for three months by Central Government in terms of Rule 17(1)(a) upto 20<sup>th</sup> December, 2017.
- xvii. Due to change of the Designated Authority and in line with the judgment of the Hon'ble Supreme Court in the ATMA case, another oral hearing was conducted by the new Designated Authority on 25<sup>th</sup> October, 2017. The parties, who presented their views in the 2nd oral hearing, were requested to file written submissions of the views expressed orally, followed by rejoinder submissions.
- xviii. A Disclosure Statement was issued on 30.11.2017 containing essential facts under consideration of the Designated Authority, giving time up to 07.12.2017 to furnish comments, if any, on Disclosure Statement. The Authority has considered post disclosure comments received from interested parties appropriately.
- xix. The submissions made by the interested parties considered relevant by the Authority have been addressed in this Final Finding.
- xx. \*\*\* in this Final Finding represents information furnished by an interested party on confidential basis, and so considered by the Authority under the Rules.
- xxi. The exchange rate adopted by the Authority for the subject investigation is 1 US \$ = Rs. 66.84

## **C. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND LIKE ARTICLE**

### **C.1 Views of the Domestic industry**

5. Following submissions have been made by the domestic industry with regard to product under consideration:
  - i. The product under consideration is O-acid or Ofloxacin Acid. It is an intermediate chemical for manufacture of Ofloxacin, which is a synthetic chemotherapeutic antibiotic of the fluoroquinolone drug class considered to be a second-generation fluoroquinolone. Ofloxacin is a racemic mixture,

which consists of 50% levofloxacin (the biologically active component) and 50% of its “mirror image” or enantiomer dextrofloxacin.

- ii. Import data for the product under consideration shows that the product under consideration is commercially transacted by a number of different names, such as O Acid, Ofloxacin Acid (Ofloxacin Acid 98% Min), 9,10-Difluoro-2,3-Dihydro-3-Methyl-7-Oxo-7h-Pyrido[1,2,3-De]-1,4-Benzoxazine-6-Carboxylic Acid (Ofloxacin Q Acid), 9,10-Difluoro-2,3-Dihydro-3-Methyl-7-Oxo-7h-Pyrido(1,2,3-De)-1,4-Benzoxazine-6-Carboxylic Acid (Ofloxacin Acid), Ofloxacin Q Acid, 9,10-Difluoro-2,3-Dihydro-3-Methyl-7-Oxo-7h-Pyrido(1,2,3-De)-1,4-Benzoxazine-6-Carboxylic Acid (Ofloxacin Q Acid), Ofloxacin Acid, Ofloxacinacid, Q-Acid Of Ofloxacin, etc. Since these are various possible commercial names of the product under consideration, the scope of the product under consideration includes all these names.
- iii. Ofloxacin Acid is used in production of Ofloxacin. This is the sole use of Ofloxacin Acid. Ofloxacin is sold under a wide variety of brand names as well as generic drug equivalents, for oral and intravenous administration. Ofloxacin is also available for topical use, as eye drops and ear drops. It is on the WHO Model List of Essential Medicines, the most important medications needed in a basic health system
- iv. The scope of the product concerned be clarified to include Ofloxacin Ester and any other forms in which the product can be transacted. Inclusion of Ofloxacin Ester is clearly permissible for the reasons Ofloxacin Ester was never imported in to India before imposition of anti-dumping duty, provisional duties got imposed on 13<sup>th</sup> July, 2017, imports of Ofloxacin Ester started in July. Imports to the tune of 142 MT have come into the market in just 3 months, Ofloxacin Ester is nothing but Ofloxacin acid in different form and the sole purpose of importing Ofloxacin Ester is to avoid ADD that is payable on imports of O-Acid, there is no other usage of O Acid ester, and the cost of converting Ofloxacin Acid ester to O Acid is very insignificant.

**C.2. Views of the opposing interested parties**

6. None of the interested parties have made submissions with regard to product under consideration.

**C.3. Examination by the Authority**

7. The product under consideration in the present petition is O-acid or Ofloxacin acid . It is an off-white to white crystalline powder and is used as an intermediate for the manufacture of Ofloxacin, which is a synthetic chemotherapeutic antibiotic of the fluoroquinolone drug class considered to be a second-generation fluoroquinolone. Ofloxacin is a racemic mixture, which consists of 50% levofloxacin (the biologically active component) and 50% of its “mirror image” or enantiomer dextrofloxacin.
8. O-Acid is used in production of Ofloxacin, which is used to treat certain infections including bronchitis, pneumonia, and infections of the skin, bladder, urinary tract, reproductive organs, and prostate.
9. Product under consideration is classified under Chapter 29 of the Customs Tariff Act. The PUC is imported under various other HS codes namely 29419030, 29152990, 29163990, 29183090, 29189900, 29349900, 29411090, 29419090, 29420090. Customs classification in any case is indicative and not binding on the scope of the product under consideration in the present investigation.
10. The Authority notes from the information available on record that the product under consideration produced by the domestic industry is like article to the goods imported from the subject country. Product under consideration produced by the domestic industry and imported from the subject country are comparable in terms of physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The goods produced by the domestic industry and imported from the subject country are like articles in terms of the Rules. The two are technically and commercially substitutable. Thus, the Authority holds that goods produced by the applicant domestic industry are like article to the subject product under consideration imported from subject country in accordance with the AD Rules.

11. The domestic industry has demanded extension of antidumping duty to the imports of ester form of the product under consideration. The Authority however considers that it has not been established that inclusion of ester form of the product under consideration shall not imply extension of scope of the product under consideration. Further, inclusion of ester form of the product under consideration cannot be considered at such belated stage of the proceedings. In any case, the domestic industry can prefer an application under anti-circumvention law in case the domestic industry considers that the product is being imported to circumvent the antidumping duty earlier recommended on imports of ester form of product under consideration.

#### **D. SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY & STANDING**

##### **D.1. Views of the Domestic industry**

12. Following submissions have been made by the domestic industry with regard to scope and standing of the domestic industry:
- i. The applicant is the sole producer of the product under consideration and has set up new production facility hitherto not produced in India.
  - ii. Applicant has been producing Ofloxacin for quite some time for which the applicant was importing Ofloxacin Acid from China.
  - iii. Petitioner was importing the product under consideration in the past for the reason that there was no production of the product under consideration in India. Petitioner made significant investment for production of the product under consideration and commenced commercial production. However, the Chinese producers intensified dumping as soon the petitioner commenced commercial production.
  - iv. The raw materials costs (at optimum consumption factors) involved in production of the product under consideration were higher than the price offered by the Chinese producer. It is thus a clear case where the Chinese producers have offered highly aggressive prices and even below a level that is supported by the costs involved on account of raw materials. The petitioner was therefore forced to import some volumes of the product under consideration after commencement of commercial production
  - v. The applicant has not exported the product under consideration. The applicant is not related to any importer or exporter of the product under consideration from the subject country. In any case, there is no such relationship that would attract possibilities of exclusion under Rule 2(b).
  - vi. Considering the circumstances in which the applicant has imported the product under consideration, the Authority should consider the applicant as eligible domestic industry within the meaning of the Rules.
  - vii. The petitioner is a new producer and thus it cannot be judged in the same way as established producers. The cases in which captive producers were excluded are different since in those cases the producers did not have any intention to sell in the domestic market. Significant investment had been made to create capacity which is comparable to the demand O-Acid in India.
  - viii. There is no other known producer of product under consideration in India. Applicant is the new producer of the product under consideration in India with no past history of production in India. The petition satisfies the requirement of standing under the Rules. Further, the applicant constitutes domestic industry within the meaning of the Anti-Dumping Rules.
  - ix. The petitioner has not bought any shares in any Chinese company in the recent period. The petitioner has a joint venture company in China. The company is however significant old and does not produce the product under consideration or Ofloxacin.
  - x. The petitioner is not related to any importer in India or exporter from subject country
  - xi. The petitioner has been importing the product under consideration for consumption in Ofloxacin. Petitioner has established capacities for captive purpose as well as for sale in merchant market.

- Petitioner had invested significant capital for production of the product concerned and had stopped importing the subject goods after commencement of their own production.
- xii. The Chinese producers reduced their prices to such an extent that the petitioner was forced to import the subject goods for the production of 'Ofloxacin', which too, is subject to separate anti-dumping investigations.
  - xiii. The petitioner is a new producer and cannot be judged with the same benchmark as for an established producer. The petitioner is producing downstream product (Ofloxacin) which is also subject to antidumping investigation. Other cases where captive producers have been excluded are different as the producers therein did not even intend to sell goods in the domestic market. Imports have been made to be used in the downstream product.
  - xiv. Rule 2(b) clearly provides discretion to the Authority and the submissions on this account are without basis.

## **D.2. Views of the opposing interested parties**

13. Following submissions have been made by the other interested parties with regard to standing and scope of domestic industry:
- i. Investigation has been initiated based on application by applicant which started manufacturing O-Acid in October 2015 and it is not clear whether the production is trial run or commercial production.
  - ii. Applicant cannot be treated as Domestic Industry for the reason that it is only a captive producer and not domestic seller. The applicant had produced \*\*\* MT of O-Acid and used the same for captive consumption and not sold in the domestic market, hence the production of O-Acid by the petitioner is just to meet the captive demand for production of Ofloxacin.
  - iii. The current installed capacity of O-Acid is sufficiently to meet the captive requirement of the applicant for manufacture of Ofloxacin. In a situation when the main target of the applicant is to meet the captive requirement, how they can be termed as domestic industry.
  - iv. The Applicant's investment is for captive consumption and not domestic sales. Captive producers have been excluded from the scope of DI under Final Findings No. 14/09/2015-DGAD dated 20th Oct, 2016, Anti-dumping investigation concerning imports of "Low Ash Metallurgical Coke" originating in or exported from Australia and China PR.
  - v. The present investigation is bad in law since the petitioner freely admits that it is also an importer of the subject goods from China PR. As per Rule 2(b) the producers that are also importers may be excluded from the purview of Domestic Industry. The petitioner has been importing the subject goods before and also after the commercial production of the subject goods by them, in fact the petitioner was not only importing goods prior to POI, but also during the POI and after the POI. Since Aarti Drugs Ltd. has imported the subject goods in order to get benefit of low priced imports, now Aarti Drugs Ltd. cannot claim that it has been adversely affected due to such low-priced imports.
  - vi. The petitioner has shares in a Chinese company and the fact has been suppressed from the Authority.
  - vii. The petitioner has claimed confidentiality with respect to production figures during the POI as well as petitioner's import from China PR it is not possible for the respondents to comment on the same. The petitioner appears to have shielded itself from any ill-effects of the alleged dumping, by benefiting from the purchase and sale of the alleged dumped goods. Thus there are sufficient grounds to dismiss the present petition.

## **D.3. Examination of the Authority**

14. The application has been filed by M/s. Aarti Drugs Ltd., Mumbai as a domestic producer of the product under consideration. It is undisputed that there is no other known producer of product under consideration in India and the applicant is a new producer of the product under consideration in India. Applicant has made fresh investment for production of the product under consideration. The capacity



created by the domestic industry for production of product under consideration has been compared with the captive requirement of the applicant for production of Ofloxacin. It is noted that the applicant has installed capacity of \*\*\* MT and its own requirement of the product is about \*\*\* MT. Further, the requirement for the product in the Country has been estimated as \*\*\* MT considering production of Ofloxacin as about \*\*\* MT. It is thus evident that the applicant has set up production capacities for O Acid far beyond its own requirement. Further, they have exhibited their clear intention to sell the goods to others in the market though without any success. Therefore it is clear that the production capacity set up by domestic industry are for their own use as well as for selling to other users in the market.

15. The interested parties have contended that the applicant has set up facilities only for captive consumption and the Authority has held in the past that captive consumption is not required to be considered for determination of standing of a domestic producer under Rule 5. The Authority notes that (a) the capacities created by the company for Ofloxacin Acid are much higher than its own requirement, (b) such capacities are quite comparable to the demand for the product in the Indian market, (c) the applicant has stated that after commencing production, they offered the product for sale through email communications and public advertisements in Chemical Weekly, thereby, it can be inferred that the DI had set up plant for captive as well as merchant sales. The present investigation is a case where the Authority is investigating whether dumping of the product is materially retarding establishment of domestic industry in the Country in addition to causing injury to the present capacities. In view thereof, the Authority holds that the fact of absence of actual merchant sales up to POI should not deprive the company from being treated as domestic industry under Rule 2(b).
16. Regarding the question of eligibility of domestic Industry on account of imports, the Authority notes that the intent of the provisions laid down under Rule 2(b) of the Anti-Dumping Rules is not to debar a producer from the ambit of domestic industry merely because they have imported the subject goods from the subject country. The Authority finds it appropriate to consider the rationale and circumstances of such imports and accordingly examine whether or not the domestic producer should be treated as domestic industry in terms of AD Rules. It is important to assess the intent of such domestic producer and the situation under which such imports have been effected. As per the claim of the applicant, they were importing O-Acid before they commenced production of O-Acid for consumption in production of Ofloxacin. After commencement of their own production of O-Acid, applicant had stopped importing O-Acid. However, the exporters from China reduced the prices so significantly that the applicant was constrained to again import O-Acid from China to continue the production of downstream product (Ofloxacin) so as to remain competitive in that product, particularly when Ofloxacin also is being exported at dumped prices from China for which a separate investigation is going on. It was stated that applicant's operations for production of Ofloxacin would have become more unviable in case it had used all its own captive O-Acid for production of Ofloxacin. This is supported by the data on record that the DI reduced its import over a period of time and then completely stopped import of O-Acid after imposition of provisional duty. The Authority noted that the main focus of the applicant domestic industry is in production rather than imports and the allegedly dumped imports were not allowing the domestic industry to get fully established in the market. Further, the imports made by the domestic industry have not been sold in the merchant market. Applicant has been constrained to import the product as a matter of self defence rather than a choice, hence, the applicant constitutes domestic industry within the meaning of the Anti-Dumping Rules.
17. After careful examination of the legal provisions and facts of the case, the Authority considers that the applicant is an eligible domestic producer in terms of Rule 2 (b). The production of the applicant accounts for entirety of Indian production of the like article. The Authority, therefore, determines that the applicant constitutes eligible domestic industry within the meaning of Rule 2 (b) of the Anti-Dumping Rules and the application satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5 (3) of the Rules supra.

**E. CONFIDENTIALITY****E.1. Views of Domestic Industry**

18. Following submissions have been made by the domestic industry:

- i. The Chinese exporters have claimed excessive confidentiality. Even public domain information has been claimed confidential.
- ii. The Chinese exporters have claimed information with regard to benefits and subsidies confidential, while publicly available information shows that the Chinese producers benefit from significant subsidies.
- iii. Even when some information could be indexed, the Chinese producers have not provided the same.

**E.2. Views of the opposing interested parties**

19. The submissions of various interested parties are summarized as follows:

- i. The non-confidential version of the Petition does not allow for a reasonable understanding of the allegations contained therein. The rights of defense of interested parties cannot be fully exercised, since significant data provided in the Petition is not properly indexed in the non-confidential version. The non-confidential version of the Petition fails to meet the standards laid down in Rule-7 of the Rules and Trade Notice No 1/2013 dated December 09, 2013 issued by the Designated Authority
- ii. The Petitioner has claimed excessive confidentiality and filed an incomplete petition. “Format A, B, C1, C2, D and E”, and all these Formats have been claimed as confidential. A sufficient and suitable non confidential summary of Performa IVB, project reports relied by the petitioner, certificate of accuracy/ format F, estimations/comparisons and the basis of projections for optimization carried out by the petitioner must be provided.
- iii. No data from the project reports has been made available, thus it is unclear whether the figures in the preliminary finding are derived from the project report or are a new construct altogether.
- iv. The petitioner did not provide any data pertaining to its economic parameters and Authority also redacted all data pertaining to capacity, production, capacity utilization, captive sales, closing stock as per actuals as well as projections. No confidentiality can be claimed with respect to the same.
- v. Conclusion and determination reached by the Authority such as constructed normal value and export prices have been kept confidential contrary to the specific jurisdiction declared by the Hon’ble Supreme Court in Reliance Industries v. Designated Authority.
- vi. The Authority has not kept DGCI&S data in public file and same has not been disclosed in the preliminary findings.

**E.3. Examination by the Authority**

20. The various submissions made by the interested parties during the course of the present investigation with regard to confidentiality and considered relevant by the Authority were examined. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis was directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis. The Authority made available the non-confidential version of the evidences submitted by various interested parties in the form of public file.
21. The interested parties have raised arguments with regard to confidentiality of information. The Authority notes that the confidentiality claims of the interested parties are consistent with the practice being generally followed by the Authority. Wherever possible, the interested parties have provided non confidential version of the information. The domestic industry has provided indexed version of its various information contained in the confidential petition.
22. The CNV is confidential because it is calculated based on the NIP figures of the DI, the methodology for calculation of CNV has been mentioned in the relevant paras. The NEP has been calculated on the basis of data furnished by co-operative exporters and cannot be disclosed.

23. The import data relied upon by DI as per IBIS has been disclosed in their petition and has been kept in public file. As for DGCIS data any interested party could have approached the Authority who would have issued authorization for procurement of detailed data from DGCIS as per the terms & conditions. In this case none of the exporters approached the Authority for availing the data from DGCIS.

## **F. MISCELLANEOUS ISSUES**

### **F.1.Views of Domestic Industry**

24. Following submissions have been made by the domestic industry:
- i. False and misleading statements have been made by the exporters in the questionnaire response regarding absence of any subsidies by the Chinese government since there are non-exhaustive list provided by the petitioner stating the programs that are being run by the Government of China wherein benefits are being provided to the exporters.
  - ii. The current quantum of ADD recommended by the Designated Authority are low, inadequate to protect the domestic industry and therefore the petitioner requests the Designated Authority to kindly consider upward increase in the quantum of ADD.
  - iii. The Authority has awarded two different duties in the name of two different channels in the preliminary findings for Jaingxi Chibang Pharmaceutical Co. Ltd; first when they exports the goods themselves and second when they export the goods through Zhejiang Chemicals Import & Export Co., Ltd. and Zhejiang Hengdian Apelo Imp. & Exp. Co., Ltd., which gives an undue, unintended leverage to the producer to attract a lower duty channel.

### **F.2. Views of the opposing interested parties**

25. The submissions of various interested parties are summarized as follows:
- i. The provisional duties cannot be imposed in cases of “Material Retardation” as per Section 9B (1)(b)(iii). It can be imposed only when dumping causes injury during POI and there is a further determination that duty is necessary to prevent injury during the investigation i.e. the requirement of preventing injury is in addition to and not in lieu of existing duty.
  - ii. The Authority cannot continue with the investigation without first evolving and disclosing the methodology to examine material retardation to domestic industry. Incorporation of the US standard would enable the Authority to conduct a complete and efficient investigation.
  - iii. Data in petition merely indicates normal start-up conditions. The injury alleged is caused due to operational inefficiencies and start up pangs, rather than any alleged dumping from China PR.
  - iv. The Petitioner is a young establishment and its production and supply lines are not clearly established. Disrupting established lines, in the instance of such an essential commodity, would lead to adverse impacts on the user industry, i.e., health care industry. Even increasing the price of the product from the sole supplying country may hinder supply entirely and cause undue burden on the user industry and ultimately, on patients who are consumers of the product.
  - v. The fact that Petitioner itself is unable to supply the subject goods in the market should not be an undue burden which must not be placed upon the importers of the subject goods. In fact, even the Petitioner is an importer of the subject goods. Moreover, price factors and volume factors do not singularly dictate the levy of any anti-dumping measure.
  - vi. No substantial evidence regarding material retardation has been provided by the applicant nor have been examined by the Authority in the Preliminary Findings. Petitioner has failed to establish the case of Material Retardation hence the present Anti-dumping investigation should be terminated with immediate effect.
  - vii. There was a shutdown of the facilities of M/s Aarti Drugs Ltd due to order the Maharashtra Pollution Control Board (MPCB) since they are still embroiled in environmental issues and its facilities continue to face shut down. Thus the domestic supply is uncertain and unreliable.
  - viii. There is no evidence presented to establish that the Exporters have in any way misled the Authority herein since no such subsidies have been received by the exporters. Moreover, the present investigation is not one for estimation of subsidies being granted, it is not possible to determinatively make any statements regarding the same for either the Petitioner or the Authority. The Respondents

herein are not claiming MET, and therefore, even if any subsidies were received by the Respondents it would be irrelevant for the purposes of the present investigation.

- ix. There is nothing wrong in the Authority's determination of different duty margins for different trade channels since the Authority essentially identifies duties based on channel of trade, between producer and exporter, to India. Thus, any producer that receives a rate of duty in a duty table for direct exports, also automatically attracts the residual rate for using any other exporter. Moreover, claiming one unique duty for every producer and one unique duty for every exporter is completely at odds with the realities of trade as well as duty margin calculations since duty margins are determined by the Authority on the basis of the trade channel, including a producer and exporter. It would be unfair to penalize a producer for dumping on the part of its exporter and unfair to penalize an exporter for dumping on the part of its producer.
- x. The Authority is requested to consider recommendation of duties for a shorter, limited period of 18 months in order to enable the Domestic Industry to complete commercial production for some time and to provide further information allowing for a proper assessment of the Domestic Industry's position.

### **F.3. Examination by the Authority**

26. The miscellaneous submissions have been analysed as under:

- i. As regards the contention that provisional duties cannot be levied in material retardation case, it is noted that there is no bar under Custom tariff Act for imposition of provisional anti-dumping duty. "Injury" in terms of Section 9B (1)(b)(iii) includes all three forms of injury, i.e., material injury, threat of material injury and material retardation to the establishment of the domestic industry. Further, the case was also examined for existence of injury during the period of investigation which has been further analysed on month to month basis. As the industry was facing extreme situation regarding their existence, the Authority considered it necessary to impose provisional duty to prevent the injury being caused to the domestic industry. However, all the case facts have been freshly examined and analysed for issuance of the final finding in the present investigation.
- ii. As regards the contention that investigation cannot be continued without first evolving and disclosing the methodology to examine material retardation, the Authority notes that there have been several cases on material retardation in past. Further, the initiation notification clearly laid down that the investigation concerns examination of material injury and material retardation to the establishment of the domestic industry and thus monthly performance of the domestic industry will be taken into consideration.
- iii. As regards the contention that domestic industry's production and supply line has not been established, the Authority notes that monthly analysis shows that the domestic industry could increase its production which has stabilized and capacity utilization of its plant can be further enhanced. However, the low priced imports have prevented the domestic industry from producing and selling the subject goods in the domestic market and thus demotivating from producing the goods. The decline in production and sales has consequently resulted into financial losses.
- iv. It is noted that there was no shut down of the plant during POI (July 15-June 16) however, as per the order of MPCB there was a shut down from 3.12.2016-3.02.2017 and 25.04.2017-18.05.2017, but they had sufficient inventories to keep the downstream plant running.
- v. On reexamination of the exporters' response and verification of the same, it is found that the producers are related or one unit is subsidiary of the other, in such a case the duties have been collapsed appropriately.

### **G. MARKET ECONOMY TREATMENT, NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN**

27. The Provisions pertaining to normal value are given in Section 9A(1)(c) of the Act and Annexure-I to AD Rules.

**G.1.Views of the Domestic industry**

28. Following submissions have been made by the domestic industry:

- i. China is a non-market economy country. None of the exporters satisfy each and every condition to qualify for grant of market economy status. The Chinese producers' cost and price cannot be relied upon for determination of normal value.
- ii. Normal Value cannot be determined on the basis of price or constructed value in a market economy third country for the reason that the relevant information is not publicly available. The applicant has not been able to procure such information from a producer in a market economy third country as the product is produced in China and India only. In fact, imports have also not been reported in the country from any other country
- iii. The normal value has been determined on the basis of cost of production in India; duly adjusted. Further, normated costs have been considered for determination of normal value and therefore abnormality of cost on account of fresh investment has been factored into while constructing normal value.
- iv. The applicant has relied upon transaction wise import data provided by IBIS for calculation of export price. The export prices being CIF value while the normal values being at ex-factory level, the export prices have been adjusted for, ocean freight, marine insurance, commission, inland freight expenses, port expenses, bank charges and VAT adjustment. The dumping margin from subject country is not only above *de minimis* levels, but also substantial.
- v. The questionnaire response by Yancheng Xinanzhou Pharmaceutical Co. Ltd. and Jiangxi Dadi Pharmaceutical Limited Liability Co. should be rejected in absence of response from its related producer of O-Acid M/s Waigaoqiao Liantong Pharmaceutical Ltd.
- vi. Yancheng Xinanzhou Pharmaceutical Co. Ltd. is a related producer to Jiangxi Dadi Pharmaceutical Limited Liability Co., 2,3,4,5 Tetraflourobenzoyl chloride a raw material was purchased from each other as well as other unrelated suppliers. Thus it is pertinent to ascertain that the purchase of raw material from its related party is at arms' length price.
- vii. It is seen in the preliminary findings that one exporter is exporting goods produced by multiple producers. Thus anti-dumping duty for common producers or exporters should collapse and there should be one unique duty for every producer and one unique duty for every exporter.
- viii. The Authority should determine month wise dumping margin and thereafter consider weighted average dumping margin in the Final findings.

**G.2.Views of the opposing interested parties**

29. Following submissions have been made by domestic industry: :

- i. The application does not meet the evidentiary standard of Article 5.2 of the AD agreement and rule 5(2) of the AD rules since the petitioner has not provided any evidence of dumping. Export prices for 2014-15, 2015-16 and the POI are at the same level. This clearly shows that there is no "intensified dumping".
- ii. Petition lacks information related to domestic prices in China PR. Even in the case of treatment of exporters based on China's non-market economy status, it is still mandatory to examine the domestic prices in China PR.
- iii. The normal value has been constructed without any basis and no evidences have been disclosed in its construction of normal value. When constructing the normal value, the application should have contained relevant evidence about the constructed normal value. Instead, no details pertaining to the values or the basis of the same has been provided. The Petitioner has not mentioned any consumption norms, conversion costs or utilities costs, etc.
- iv. The ex-factory export price claimed by the applicant is on incorrect assumptions since most of the imports are made by end users directly. No commission is applicable in respect of export sales. Illegal adjustments have been made by the petitioner with respect to the export price which are unjustified and abnormally high. The non-confidential version of the application does not

contain any reasonable basis or evidence about the deductions, adjustments and their basis cannot be confidential. Specifically, the Petitioner has not even claimed confidentiality for the same. The petition does not provide a sufficient basis for the calculations and deprives the Respondents of the opportunity of full and proper rebuttal.

- v. Any comparison of the exporters' cost with that of the petitioner is unwarranted since the costing of the petitioner's product is vastly different from that of the imports from the subject country. Thus at least, the Authority must exclude the captive production and consumption of the petitioner from the ambit of DI production and domestic demand in order to ensure fair estimation and determination.
- vi. The petitioner claims to be a nascent industry while the respondents are well established players, thus the two are completely different entities with innumerable variations in every functional aspect. To equate the costs of two such entities is an absurd preposition without any substantial evidence or explanation.
- vii. The Authority Analysis of normal value in preliminary finding is deeply flawed. The Authority has adjusted the normal value for the subject goods exported by all the exporters in China by considering the optimum cost of production and after making additions for selling, general and administrative costs and providing profits at a redacted percentage. It failed to note the respondent's submissions regarding the import duties on inputs used for the manufacture of O-Acid that are inherent in the cost of production for the petitioner. The import duties on input goods must not be factored into cost of production while constructing the normal value and exporters consumption norm must only be considered for construction of the normal value. Moreover, The Authority must note that the customs duty applicable on the raw materials used for production of O-Acid is higher than the raw material on the imports of the finished goods.
- viii. M/s Inner Mongolia Yuanhong Fine Chemicals Co Ltd and M/s Zhejiang Yuanhong Medical and Chemical Technology Co. Ltd. are related producers of the subject goods and the same rate of duty must be determined for them.
- ix. Yancheng XinAnzhou and Jiangxi Dadi have duly reported their relation to the Authority. Purchase invoices from related suppliers as well as unrelated suppliers have been supplied to the Authority by Yancheng XinAnzhou and Jiangxi Dadi. The same have been shared with the Authority on a confidential basis. Sales/ purchases to both related and unrelated suppliers/purchasers is within the same price range. Therefore, the sales are clearly made at arm's length price. Moreover, as the Respondents are not claiming MET, the raw material prices of the Respondents are not relevant for the purposes of this investigation.
- x. No evidence has been adduced that Yancheng XinAnzhou and Jiangxi Dadi are related to another producer Taizhou Waigaoqiao Liantong Pharmaceutical Co. Ltd. who is also a manufacturer of O-Acid. The company has ceased operations in 2015 and its Company registration details for 2015 and 2016 read as "*operation status: shut down*".

### **G.3.Examination by the Authority**

30. At the stage of initiation, the Authority proceeded with the presumption that China PR is a non-market economy country. Upon initiation, the Authority advised the producers/exporters in China to respond to the notice of initiation and provide information relevant to determination of their market economy status. The Authority sent copies of the MET questionnaire to all the known producers/ exporters for rebutting presumption of non-market economy in accordance with criteria laid down in Para 8(3) of Annexure-I to the Rules. The Authority also requested Government of China to advise the producers/exporters in China to provide the relevant information.
31. The Authority notes that the known Chinese producers/exporters and the Government of China have been adequately notified about the requirement of submission of information in the form and manner prescribed and adequate opportunity was also granted to them to make their submissions in this regard.

A number of producers/exporters have responded to the present investigation. However, none of them claimed MET. Further, none of the interested parties have provided any other alternative basis, as defined in the Rules, on which normal value can be determined.

32. In view of the above position and in the absence of rebuttal of non-market economy claim by any Chinese exporting company, the Authority considers it appropriate to proceed with para-7 of Annexure-I to the Rules for determination of normal value.
33. The responses furnished by exporters have been examined which contains details regarding exports during 2013 to 2016 and POI. The submission made by exporters that export prices have remained at the same level for the entire injury period is not correct which is clear from their information submitted to the Authority in various appendices. Further, it is also clear as per DGCI&S data (transaction by transaction data obtained) that the export prices have gone up during the injury period as compared to base year and then have dropped during the POI.
34. Applicant contended that the product under consideration is not produced in many countries. In fact, there is very limited production of the product under consideration globally. Entirety of imports of the product under consideration in India over the injury period was from China. There is no publicly available information with regard to cost or price of the product in market economy third countries. Thus, in the absence of any reliable price and cost details for the subject goods in any market economy third country, the Authority has constructed normal value in China on the basis of cost of production in India; duly adjusted. The concern of exporter regarding duty on imported raw materials has also been kept into consideration while calculating CNV. The DI is procuring the raw material namely, 2,3,4,,5-Tetra Fluoro Benzoyl Chloride (TFBC), Ethyl 3-(N, N-Dimethylamino) Acrylate and Alaninol from the subject country on payment of applicable import duties. For the calculation of CNV; domestic price (i.e. landed value of these raw materials) has been taken as base and then landing charges, custom duty, custom cess, ocean freight and insurance are deducted to arrive at FOB price and the same has been taken as the raw material prices.
35. It is noted that the applicant is a new producer of the product in the Country and therefore its actual cost of production may be high due to low production. However, the Authority has not considered its actual cost of production. The Authority has determined cost of production of the applicant, as it would be if it had been operating at a reasonable level of capacity utilization. Accordingly, the Authority has determined the Normal Value for the subject goods exported by all exporters in China by considering the optimum cost of production and after making additions for selling, general & administrative costs and providing profit at \*\*\*%.

#### **Export price for all exporters in China**

36. Following producers/exporters from subject country have filed exporter questionnaire response and have provided information giving details of export price.
  - i. Jaingxi Chibang Pharmaceutical Co. Ltd (Producer & Exporter)
  - ii. Jiangxi Dadi Pharmaceutical Limited Liability Co. (Producer)
  - iii. Yancheng Xinanzhou Pharmaceutical Co. Ltd. (Producer- related to Jiangxi Dadi Pharmaceutical Limited Liability Co.)
  - iv. Zhejiang Yuanhong Medical & Chemical Technology Co. Ltd (Producer)
  - v. Inner Mongolia Yuanhong Fine Chemical Co. Ltd. (Producer-related to Zhejiang Yuanhong Medical & Chemical Technology Co. Ltd. )
  - vi. Zhejiang Hengdian Apeloa Imp & Exp Co. Ltd. (Exporter)
  - vii. Zhejiang Chemicals Import & Export Co. Ltd. (Exporter)

- viii. Zhejiang Xingyang Import & Export Co. Ltd.(Exporter)  
ix. Zhejiang Ueasy Business Service Co. Ltd.(Exporter)  
x. Zhejiang Medicines & Health Products Co., Ltd. (Exporter)  
xi. China Sinopharm International Corporation(Exporter)  
xii. Shanghai Changyu Chemical Technology Co. Ltd (Exporter)  
xiii. Dreamland Creation Inc. (trader of subject goods)
37. The responses have been appropriately examined as under for determination of dumping margin.  
Jiangxi Chibang Pharmaceutical Co. Ltd. (Producer) along with traders M/s. Zhejiang Chemical Import & Export Co. Ltd. and Zhejiang Hengdian Apelo Imp. & Exp. Co. Ltd.
38. From the response filed by M/s. Jiangxi Chibang Pharmaceutical Co. Ltd. (Chibang), Authority notes that Chibang is a producer as well as exporter of the subject goods. During the POI, Chibang exported the subject goods directly and also through two unrelated trading companies namely M/s Zhejiang Chemicals Import & Export Co. Ltd. and M/s. Zhejiang Hengdian Apelo Import & Export Co. Ltd.. Both exporter companies have filed responses separately. Adjustment towards inland freight, ocean freight, handling and customs charges, insurance, credit cost, and bank charges have been claimed by the producer and exporters and the same have been allowed by the Authority. The VAT is not charged on direct exports and from indirect exports on adjustment of 4% has been made. Accordingly, the export price has been determined for direct exports of M/s. Jiangxi Chibang and indirect exports through exporters at ex-factory level is shown in the Dumping Margin Table below.
- Jiangxi Dadi Pharmaceutical Limited Liability Company (Producer) and Yancheng XinAnzhou Pharmaceutical Co. Ltd., (Producer) along with exporters/traders Zhejiang Chemical Import & Export Co. Ltd., Zhejiang Ueasy Business Service Co. Ltd., Zhejiang Xingyang Import & Export Co.Ltd., Zhejiang Hengdian Apelo Import & Export Co. Ltd.**
39. From the response filed by Jiangxi Dadi Pharmaceutical Limited Liability Company and Yancheng XinAnzhou Pharmaceutical Co. Ltd. the Authority notes that Yancheng XinAnzhou is a subsidiary of Jiangxi Dadi Pharmaceutical and both are the producers of the subject goods in China PR. During the POI, they have sold the subject goods to four unrelated trading companies for exports to India namely, M/s Zhejiang Chemicals Import & Export Co. Ltd., M/s. Zhejiang Ueasy Business Service Co. Ltd., M/s Zhejiang Xingyang Import & Export Co. Ltd. and M/s. Zhejiang Hengdian Apelo Imp. & Exp. Co. Ltd. All the exporter companies have filed responses separately. Adjustment towards inland freight, ocean freight, handling and customs charges, insurance, credit cost, VAT adjustment and bank charges have been claimed by the producer and exporters and the same have been allowed by the Authority. Accordingly, the export price has been determined for Yancheng XinAnzhou at ex-factory level as shown in the Dumping Margin Table below.
- Zhejiang Yuanhong Medical & Chemical Technology Co. (Producer) and Inner Mongolia Yuanhong Fine Chemical Co. Ltd. (Producer) along with exporters/traders Dreamland Creation Inc. Ltd. Zhejiang Ueasy Business Service Co., Ltd., Shanghai Changyu Chemical Technology Co. Ltd. Zhejiang Medicines & Health Products Import & Export Co. Ltd. Zhejiang Chemical Import & Export Co. Ltd. Zhejiang Xingyang Import & Export Co. Ltd. and China Sinopharm International Corporation**
40. From the response filed by Inner Mongolia Yuanhong Fine Chemical Co. Ltd. and Zhejiang Yuanhong Medical & Chemical Technology Co. Ltd. the Authority notes that Inner Mongolia is a subsidiary of the Zhejiang Yuanhong, both are producers of subject goods and have exported the subject goods through several traders namely, Dreamland Creation Inc. Ltd. Zhejiang Ueasy Business Service Co. Ltd. Shanghai Changyu Chemical Technology Co. Ltd. Zhejiang Medicines & Health Products Import & Export Co. Ltd. Zhejiang Chemical Import & Export Co. Ltd., Zhejiang Xingyang Import & Export Co. Ltd. and China Sinopharm International Corporation. M/s. Dreamland Creation Inc. have not exported goods to India but only supplied goods to other exporters. All exporting/trading companies have filed responses separately. Adjustment towards inland freight, ocean freight, handling and customs charges, insurance, credit cost, VAT adjustment and bank charges have been claimed by the producer and exporters and the same have been allowed by the Authority. Accordingly, the export price has been determined at ex-factory level as shown in the Dumping Margin Table below.



**Dumping Margin**

41. Considering the normal value and export price as above, the dumping margin for all exporters of the subject goods from the subject country is determined as below:

**DUMPING MARGIN TABLE**

S.No	Producer	Exporter	CNV USD/Kg	NEP USD/Kg	Dumping Margin USD/Kg	Dumping Margin (%)	Dumping Margin Range
1	Jiangxi Chibang Pharmaceutical Co. Ltd.	Jiangxi Chibang Pharmaceutical Co. Ltd	***	***	***	***	15-25
2	Jiangxi Chibang Pharmaceutical Co. Ltd.	i.Zhejiang Chemicals Import & Export Co. Ltd. ii. Zhejiang Hengdian Apeloa Imp.& Exp. Co. Ltd.	***	***	***	***	35-45
3	i.Jiangxi Dadi Pharmaceutical Limited Liability Company and/or ii.Yancheng XinAnzhou Pharmaceutical Co. Ltd.	i.Zhejiang Chemicals Import & Export Co. Ltd. ii.Zhejiang Hengdian Apeloa Imp.& Exp. Co. Ltd. iii.Zhejiang Ueasy Business Service Co., Ltd. iv.Zhejiang Xingyang Import & Export Co. Ltd.	***	***	***	***	30-40
4	i.Zhejiang Yuanhong Medical & Chemical Technology Co. Ltd and/or ii. Inner Mongolia Yuanhong Fine Chemical Co. Ltd	i. Zhejiang Medicines & Health Products Co. Ltd ii.China Sinopharm International Corporation iii.Zhejiang Chemicals Import & Export Co. Ltd. iv.Zhejiang Xingyang Import & Export Co. Ltd. v.Shanghai Changyu Chemical Technology Co. Ltd	***	***	***	***	25-35
5	Any other producer not mentioned at Sr. No. 1-4 above	Any other exporter or any other combination not mentioned above	***	***	***	***	50-60

**METHODOLOGY FOR INJURY DETERMINATION AND EXAMINATION OF INJURY AND CAUSAL LINK****H.1. Views of Domestic Industry**

42. Following submissions have been made by the domestic industry with regard to injury and causal link:

- i. Demand for the product under consideration has been positive so far, with increasing production of Ofloxacin.
- ii. The petitioner commenced full scale commercial production of the subject goods from Oct, 2015 and the goods so produced were consumed captively. Till Oct 2015, entire demand was being met by the Chinese imports. With the production of the product under consideration by the petitioner, market share of the imports declined and that of the petitioner increased. However, with the price reduction by the Chinese producers, the market share of imports increased once again and that of the domestic industry declined from 86% in Dec. 2015 to 41% in June, 2016.
- iii. In spite of having a capacity to fulfil the demand, the Applicant is not able to utilize its capacity fully because the price of imported goods is much lesser than the price of domestically produced subject goods. In fact, the price of imported subject goods was even lower than the price of raw materials cost of the domestic industry.
- iv. There was a steep decline in the import price, particularly after Oct. 2015. In fact, the decline is far more, if the import price is considered in US\$. The decline is very sharp from January, 2016 and the Chinese producers have reduced their prices drastically in order to regain their market resultantly the imports increased from Feb, 2016 onwards.
- v. If the import price is compared with the cost of production on account of raw materials and utilities alone, it would be seen that the import prices have been even below the costs on account of raw materials and utilities.
- vi. Applicant commenced commercial production in 2015-16. The applicant placed advertisements in leading trade journal (Chemical Weekly) informing that the applicant is offering the product under consideration in the market. The applicant however received no response from the consumers. When the material is available in the market at a price below the costs, it is quite natural that the consumers are not at all interested in buying the product from the Indian market. As a result, the domestic industry could utilize its production only for captive use.
- vii. The domestic industry, which commenced commercial production in Oct. 2015 had to thereafter suspended production in Jan 2016. Inventories in Dec. 2015 reached very high levels leading to suspension of production in Jan. 2016. Further, production even during Feb, 2016 remained low.
- viii. Chinese producers are also resorting to dumping of downstream product namely Ofloxacin in the Indian market. Therefore, dumping of both the products in the Country is preventing the domestic industry from using its own production to the extent of its own requirements.
- ix. Domestic industry achieved capacity utilisation of \*\*\*% in Dec. 2015 and thereafter \*\*\*% in March, 2016. The domestic industry is however unable to regularly keep this production level in view of dumping in the Country
- x. Given dumping of Ofloxacin in the market, evidently the applicant would not have got better prices for Ofloxacin from the market and would have been forced to absorb the entire loss. While the applicant is already suffering financial losses in Ofloxacin, the applicant would have suffered higher and significant financial losses, had the applicant based its entire operations on its own production of O-Acid.
- xi. Examination of projected profitability and actual profitability shows that the applicant suffered significant losses in the captive sales and would have suffered significant financial losses had the applicant sold the product at prices aligned to the current import prices.
- xii. The applicant has made fresh investment in the manufacturing of O-Acid. However, the performance of the product is very adverse. Despite commencement of commercial production, the domestic industry is not able to produce and sell the product to the extent of its abilities because of dumping of the product under consideration in the Country.
- xiii. The Petitioner was earlier importing entire volumes of O-Acid for consumption in the production of Ofloxacin. Petitioner has now started producing O-Acid. However, the Petitioner has to import O-Acid even after commencement of production of O-Acid due to dumping of O-Acid and Ofloxacin.

- xiv. If the Petitioner would have produced the entire volume O-Acid required for manufacturing Ofloxacin in house the profitability would have been far more severe had the petitioner not used imported subject goods partially.
- xv. The Authority can assess performance of the domestic industry to the extent of existence of domestic industry. The Petitioner has provided information for the relevant period. However, considering and appreciating that the relevant period is less than three years period, the Petitioner has undertaken monthly and then quarterly analysis to establish its case.
- xvi. Growth of the domestic industry in terms of all parameters has remained poor. Being a new company, the domestic industry had expected much better growth in both volume and price parameters. Dumping of the product in the Country is however adversely affecting the growth of the domestic industry in the market.
- xvii. While the test of material injury or a threat of material injury can be applied to an existing domestic industry. In the case of domestic industry yet to be fully established, the test to be applied is that of material injury to the extent of existence and material retardation to the establishment of industry to the extent of targeted performance.
- xviii. In the instant case, the petitioner has commenced commercial production in Oct. 2015. Therefore, the Authority may consider (a) actual performance so far to establish effect of dumping, (b) potential situation in order to establish threat of material injury and (c) whether dumping of the product under consideration is materially retarding the establishment of the domestic industry in India.
- xix. Imports in absolute terms and in relative terms are at significantly high level during the POI.
- xx. Transfer price of the subject goods for captive consumption in production of Ofloxacin, is below the NIP of the Domestic Industry. This is resulting in undercutting of prices of the domestic industry and causing depressing effect of the prices in the domestic market.
- xxi. The imports from the subject country are undercutting the prices of the domestic industry and causing price depression.
- xxii. The Domestic Industry is not into exports and there is no trade restrictive practice thus the claimed injury is only on account of domestic operations. Moreover, the performance of the other products being produced and sold by the domestic industry is not the cause of injury since the information provided is only for the subject goods.
- xxiii. The Authority has recognized and differentiated the valuation of captive procurement between cost of production and market price. The term “at period of investigation rates” in annexure III has been explained by the Authority in the affidavit filed before the Delhi High Court and the Authority has also put a clarification on the website where the Authority had clearly stated that the captive inputs are considered for the purpose of NIP determination reflected in the audited books of account viz cost of production, market value etc. and if such record value such captive inputs at its cost of production, 22% return on capital employed is added. Further, if such captive input is valued at market price then nothing is added towards the investment made in captive plants.

## **H.2. Views of opposing interested parties**

43. Following submissions have been made by the other interested parties with regard to injury and causal link:
- i. It is clear from the petition that applicant has not sold any goods in the domestic market; they are themselves importing huge volumes. Since applicant has not sold product domestically, there is no question of selling it at low prices. No domestic sales means no sales realization thus conclusions with regard to consequent impact of the imports on domestic industry in terms of price undercutting, price suppression and depression, deterioration in respect of parameters such as profits, return on capital employed is baseless.
  - ii. There is no mention of either a non-injurious price or a calculation thereof to support the allegation of price underselling and injury. The elements to establish price injury have not been established or clearly alleged by the Petitioner. Even the preliminary findings the Authority did not reveal the

methodology for NIP since annexure III of the AD Rules lays down the procedure for construction of NIP by considering past three years' period and POI, since in the present case the petitioner had not been in existence for such a long time at the time of initiation, the Authority cannot consider the past three years. Thus it is crucial to reveal and elaborate on the procedure adopted in the present case to establish NIP of the petitioner. The Authority is duty bound to consider such evidentiary shortcoming while initiating the present investigation and failure to do so is a violation of Article 5.3 of the ADA.

- iii. No material retardation to the establishment of the domestic industry or causal link is established in the present case. There is no injury, as alleged, to the DI and their economic parameters appear to be improving, regardless of imports from the subject country.
- iv. Imports did not increase in relative terms. Clearly, since the Petitioner's sales increased from 0 MT to 126 MT in 2015-16 and therefrom to 220 MT in the POI, it is evident that the relative figures of growth of domestic production/sales clearly outshine the relative figures of growth of imports. Thus the imports are not impeding the growth of the domestic industry
- v. The Petitioner has claimed to be an embryonic industry with no history of production. Thus, the Authority has drawn conclusions of deterioration where no comparative figures exist.
- vi. While determining the cost of production of the Applicant, extra-ordinary costs must be excluded. In the present investigation, the domestic producer is a nascent industry. Therefore, considering their actual cost of production in the NIP calculation will provide skewed result.
- vii. The alleged injury is due to high costs for raw materials in India.
- viii. The petitioner prices are not reflective of average prices of raw material since the petitioner has not carried out production throughout the year and has procured raw material for only some select month. Thus It is important to disregard the petitioner's raw material prices and consider international prices for the raw materials.
- ix. The demand of subject goods in India during POI was 524 MT and Domestic Industry cannot cater to the prevailing demand in India hence imports from other countries have to take place and it is inevitable by all means in order to fulfill the demand.
- x. The commercial production of subject goods by the petitioner started only in the year of 2015-16, so they cannot claim for injury before that period, hence the claim made by petitioner seems unrealistic and should be rejected.
- xi. The transfer pricing by the applicant from O-Acid to Ofloxacin cannot be the basis for calculation of price undercutting as DGAD as a long-term practice never accepted transfer pricing for price undercutting determination. Moreover, in order to show injury in case of AD proceedings in respect of Ofloxacin, the petitioner has deliberately inflated the transfer price of O Acid.
- xii. The transfer price of O-Acid to Ofloxacin facility is based on Excise Valuation, thereby including all costs of production and a 10% profit margin. The DI cannot incur losses if it bases its valuation on excise valuation.
- xiii. Thus there is no base for comparison of the sale price in the domestic market and captive consumption.
- xiv. The applicant has made misleading statement about sales and sales policy, since the applicant does not have any domestic sales how can they have any such policy. Moreover, at one part of the petition it has been claimed that the company could not sell the subject goods in domestic market and on the contrary, it has been claimed that the company has made sales to big customers.
- xv. Domestic industry appears to be performing sufficiently well, given that the market has been historically import driven and shifting demand in a pharmaceutical market is difficult in any case. Moreover, there is no injury as per the petitioner's economic parameters.
- xvi. The Authority in the preliminary finding has disregarded the lowered volume of imports from China as a relevant factor, instead it appears to presume that the fact of domestic production automatically means that the same would substitute imports in the domestic market. The presumption is legally untenable.

- xvii. There is no volume effect arising from the volume of the imports from China. The imports reduced in absolute term from 583 MT in 2015-16 to 524 MT in the POI, a mere three months later. More over the imports from china reduced in relation to the production of the domestic industry as well as in relation to the Indian consumption. Domestic Industry in merely 8 months of commercial production has gained 48% of the domestic market.
- xviii. No examination can be undertaken on price effect as there is no reasonable “selling price” against which a comparison can be made for establishing either price undercutting or price suppression/depression. Moreover, the examination of price underselling is not a price effect examination but a computation of injury margin.
- xix. The injury assessments carried out in the preliminary finding is on the basis of captively consumed quantity of the subject goods and self-imports made by the domestic industry, such an approach leads to distortion of facts.
- xx. The monthly analysis of the profit, cash profit and PBIT figures, all figures remain positive throughout the POI. Thus, it is unclear how the Petitioner is claiming losses at all.
- xxi. The Authority must identify the captive consumption as well as the merchant sales, and consider the competition between these products and the imports under consideration.

### **H.3.Examination by the Authority**

- 44. The Authority has taken note of various submissions of the Domestic Industry and the opposing interested parties on injury to the domestic industry and has analyzed the same considering the facts available on record and applicable laws. The injury analysis made by the Authority hereunder ipso facto addresses the various submissions made by the interested parties.
- 45. As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry. Para (iv) of Annexure-II of the AD Rules states as follows:  
*“The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the Industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment wages growth, ability to raise capital investments.”*
- 46. For the examination of the impact of imports on the domestic industry in India, the Authority has considered such further indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilization, sales quantum, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping etc. in accordance with Annexure II(iv) of the Rules supra.
- 47. As already highlighted in the initiation notification, the domestic industry has alleged that dumping of PUC in India is materially retarding the establishment of the domestic industry. Since the domestic industry is a new industry and commenced production only in October, 2015, and is yet to be fully established the Authority has also undertaken examination of (a) actual performance to the extent of its existence and (b) material retardation to the domestic industry.
- 48. **Transfer Pricing of PUC and NIP:** As the domestic industry is also the producer and captive user of the raw material, the issue of transfer pricing while calculating non injurious price has been especially examined by the Authority. The Authority notes that investigations in respect of dumping of Ofloxacin and O-Acid are being conducted simultaneously. The Authority has determined NIP for the domestic industry in respect of both Ofloxacin and O-acid. The Authority has also carefully examined imports of O-acid by the petitioner and finds that the weighted average of landed price of import of O-acid by the petitioner is below the NIP of O-Acid determined by the Authority. Further, the Authority has compared the normated cost of production of O-Acid of the petitioner with the landed price of import of O-Acid by the petitioner. It is found that the landed price of import is below normated cost of production of the petitioner. Further, the examination of data indicate that the prices of O-acid have dropped more

significantly during the April 15 to July 17 as compared to the raw material prices used for manufacture of O-acid during the same period, indicating an intention to export O-acid at dumped prices. The petitioner has resorted to imports even when it has got its own manufacturing facilities because of higher cost of production as compared with the landed price of import. Thus, dumped imports of O-Acid has forced the petitioner to import O-Acid for production of Ofloxacin.

### **Assessment of Demand**

49. The Authority has defined, for the purpose of the present investigation, demand or apparent consumption of the product in India as the sum of domestic sales of the applicant and imports from all sources. While there are no merchant sales by the applicant in the POI, the applicant has captively consumed the product and the same has been considered for assessment of consumption of the product in the Country. The demand so assessed is given in the table below:

Particulars	Unit	2013-14	2014-15	2015-16	POI (July 2015-June 2016)
Subject Country	MT	427	516	583	524
DI domestic Sales	MT	0	0	126	224
Other Indian Producers	MT	0	0	0	0
<b>Demand/ consumption</b>					
Including captive consumption	MT	427	516	709	748

50. The Authority notes that the demand for the product under consideration has increased over the injury period and a substantial jump in demand is noted during 2015-16.

### **A. Volume Effects of Dumped Imports**

#### **xi. Import volumes and market share in imports**

51. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in India. For the purpose of injury analysis, the Authority has relied on the transaction wise import data procured from DGCIS. The year wise and month wise import data from the subject country and other countries are given in the tables below

#### **Yearly Imports**

Particulars	UOM	2013-14	2014-15	2015-16	POI
China	MT	427	516	583	524
Other Countries	MT	0	0	0	0
Total	MT	427	516	583	524

52. Analysis of annual imports of the product under consideration from subject country shows that the imports have increased over the injury period but decreased during the POI on account of commencement of production of the subject goods by the domestic industry. There are no imports from any other country except from subject country.
53. The Authority has also analysed volume of imports and import price on monthly basis. The information submitted by applicant shows that there is decline in import price. The decline has been very sharp from January 2016 onwards. The domestic industry commenced full scale commercial production of the product under consideration in Oct., 2015 which led to the decline in imports. However, Chinese producers reduced their prices drastically in order to regain the market and imports increased from February, 2016 onwards.

**Monthly Imports and Import Price**

Month	Imports (MT)	Import Price (Rs/Kg)
Jul-15	96	2344
Aug-15	52	2300
Sep-15	85	2320
Oct-15	29	2404
Nov-15	22	2198
Dec-15	4	2237
Jan-16	16	2022
Feb-16	60	2057
Mar-16	39	2019
Apr-16	8	2045
May-16	66	2017
Jun-16	45	2077

**ii. Market share in Demand**

54. The market share including and excluding captive consumption is analyzed as under:

	UOM	2013-14	2014-15	2015-16	POI
Subject Country- China	MT	427	516	583	524
DI domestic Sales	MT	0	0	126	224
Other Indian Producers	MT	0	0	0	0
Demand including captive	MT	427	516	709	748
Demand excluding captive	MT	310	244	583	524
Market share of imports					
Including captive consumption	%	100%	100%	82%	70%
Excluding captive consumption	%	100%	100%	100%	100%

55. It is clear from the table above that entirety of imports are from China. Domestic industry has submitted that despite several attempts made by them to offer subject goods in the market by placing advertisements in chemical weekly and approaching various customers, the domestic industry have not been able to make any sale in the domestic market. Therefore, applicant could utilize its production only for captive use and hence had to curtail the production to that extent thereby the imports prevented the domestic industry from achieving its projected target of sales.

56. The market share of imports and domestic industry in total demand has been further analyzed on monthly basis as below:

**Monthly analysis of Imports**

Period	China Market Share %	DI Market Share %
POI	70	30
Jul-15	100	0
Aug-15	100	0
Sep-15	98	2
Oct-15	77	23
Nov-15	50	50
Dec-15	14	86
Jan-16	40	60

Feb-16	91	9
Mar-16	48	52
Apr-16	26	74
May-16	65	35
Jun-16	59	41

57. As regards demand and market share including captive consumption is concerned, share of imports fell from 100% before commencement of commercial production by the domestic industry to 70% in the POI. It is however noted from the monthly analysis of the market share that the domestic industry was able to sharply increase its market share after commencement of the production. However, with the reduction in the prices by the Chinese producers, the market share of Chinese suppliers increased once again and that of domestic industry fell. Market share of domestic industry reached 86% in Dec., 2015. The same however declined thereafter to 41% in June, 2016.

#### **B. Price Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry**

58. With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Designated Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like products in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. The impact on the prices of the domestic industry on account of the dumped imports is required to be seen by considering price undercutting, price underselling, price suppression and price depression, if any. The Authority considers, for the purpose cost of production, Net Sales Realization (NSR), the Non-injurious Price (NIP) of the Domestic industry and landed cost of imports from the subject country. However, in the instant case, where a new producer has commenced commercial production for a product which was not being produced before and where the Authority is investigating whether dumped imports are materially retarding establishment of the domestic industry in the market, the Authority notes that the effect of dumped imports on the domestic industry is required to be considered by considering the prices at which the product has been sold by the domestic industry or offered for sale, optimum cost of production, and NIP of the domestic industry and compare the same with the landed price of imports.
59. Price undercutting has been assessed by comparing the landed price of imports with the price at which the product has been sold by the domestic industry or offered for sale in India. It has been stated that the applicant has offered the product to the consumers at a price, which is below the cost of production, NIP and landed price of imports. Further, the applicant has transferred the subject goods for captive consumption in production of Ofloxacin. The landed price of imports is materially below the price at which the subject goods have been transferred for production in Ofloxacin. Further, such transfer price is below the NIP of the domestic industry. Subsequent to the commencement of commercial production, the Chinese producers have further reduced the prices significantly. It is thus seen that the landed price of imports remained significantly below the level of cost, selling price offered by the domestic industry and NIP of the domestic industry. The imports are thus undercutting the prices of the domestic industry in the market and are having significant depressing effect on the prices in the domestic market. It is further noted that the import price is even lower than the raw material cost of the domestic industry.
60. The undercutting has been calculated by comparing the landed value of O-acid with the sale price, which is taken as the transfer price of O-acid to Ofloxacin plant. The Authority has considered the transfer price as the optimum price, which has been verified from the records as the cost of production of O-acid, i.e. NIP before return.



S. No.	Particulas	Quantity (MT)	Value (Rs. in Lakhs)	Unit price (Rs/Kg)	LV (Rs/Kg)	Transfer Price (Sale Price) (Rs/Kg)	Undercutting (In Rs/Kg)	Undercutting (%)	Undercutting Range)
1	Total Imports	524	11,502	2,196	2,358	***	***	***	1-10
2	Imports by DI	***	***	***	2,504	***	***	***	(5)-5
3	Imports excluding DI	***	***	***	2,262	***	***	***	5-15

S. No.	Particulars	Quantity (MT)	Value (Rs. in Lakhs)	Unit price (Rs/Kg)	Land ed Value (Rs/Kg)	NIP (Rs/Kg)	Under selling (In Rs/Kg )	Under selling	Underse lling (Range)
1	Total Imports	524	11,502	2,196	2,358	***	***	***	5-15
2	Imports by DI	***	***	***	2,504	***	***	***	1-10
3	Imports excluding DI	***	***	***	2,262	***	***	***	15-25

### C. Economic parameters of the domestic industry

62. Since the applicant is a new producer and commercial production started only in October 2015, the Authority has undertaken a monthly analysis of production, capacity utilisation and sales for the POI as shown in the table below and compared it with their projections/targeted performance:

[illegible]

Apr-16	***	***	***	***	***	***	***	***
May-16	***	***	***	***	***	***	***	***
Jun-16	***	***	***	***	***	***	***	***
Q1	***	***	***	***	***	***	***	***
Q2	***	***	***	***	***	***	***	***
Q3	***	***	***	***	***	***	***	***
Q4	***	***	***	***	***	***	***	***
POI	***	***	***	***	***	***	***	***

63. It is seen that

- The domestic industry has capacity sufficient to cater to the demand for the product in the Country.
- Production started in August, 2015 and was commercialised in October, 2015. Thereafter, production increased till December, 2015. They stated that inventories increased till December, 2016 even with the captive consumption. Therefore, they reduced their production during subsequent months.
- The Authority noted that the producer is using the goods captively, hence they themselves are responsible for build up of inventory if any.
- The domestic industry had projected \*\*\*% of capacity utilization and \*\*\* MT of production and sales in its first year of operation. However the domestic industry's production, sales and capacity utilization have remained significantly below the projected levels and, in fact, could not even reach half of what was envisaged by the applicant.

ii. **Profit/Loss, Return of Investment**

64. The petitioner has given details of the cost of sales. The same have been compared with the sales realisation, which in this case is the transfer price of the subject goods to the other plant for manufacture of Ofloxacin. The profits earned and cash profit etc. by the domestic industry were as follows:

Month	Cost of Sales	Sales realisation (Transfer Price)	Profit	Cash profit	PBIT	Capital employed	ROI
	Rs/Kg	Rs/Kg	Rs/Kg	Rs/Kg	Rs/Kg	Rs/Kg	%
Jul-15	-	-	-	-	-	-	-
Aug-15	***	-	-	-	-	--	-
Sep-15	***	-	-	-	-	-	-
Oct-15	***	***	(***)	(***)	(***)	***	(***)
Nov-15	***	***	(***)	(***)	(***)	***	(***)
Dec-15	***	***	(***)	(***)	(***)	***	(***)
Jan-16	***	***		***	***	***	***
Feb-16	***	***	(***)	(***)	(***)	***	(***)
Mar-15	***	***	(***)	(***)	(***)	***	(***)
Apr-15	***	***	(***)	(***)	(***)	***	(***)
May-15	***	***	(***)	(***)	(***)	***	(***)
Jun-15	***	***	(***)	(***)	(***)	***	(***)
Q1	***	***		***			
Q2	***	***	(***)	(***)	(***)	***	(***)
Q3	***	***	(***)	(***)	(***)	***	(***)
Q4	***	***	(***)	(***)	(***)	***	(***)
POI	***	***	(***)	(***)	(***)	***	(***)

65. It is noted that

- The domestic industry intended to do merchant sales, however, they have only captively consumed the product. In the absence of merchant sales, profits, cash profits and ROI have been determined considering the transfer price.
- The domestic industry is suffering significant financial losses in captive transfers of the product. Consequently, the cash flow and ROI is also significantly negative.
- The transfer price for captive consumption were kept at par with \_the cost of production of the subject goods. The Chinese producers reduced the prices for the product, which further led to significant financial losses, negative ROI and negative cash flows from the captive consumptions.

66. It is further noted that the domestic industry had projected profits in its very first year of operation i.e. 2016. However, the domestic industry is not even able to realize its cost of production in view of presence of significantly dumped subject goods in the market, and have huge losses.

iii. **Productivity, employment and wages**

67. From the monthly information given below, the Authority notes that Productivity in terms of productivity per day as well as per employee shows a declining trend towards the end of the Period of Investigation. Further wages paid have marginally increased

Month	No of employees	Production in MT	Productivity/ employee	Productivity/ Day	Wages
Jul,15	***	-			***
Aug,15	***	***	***	***	***
Sep,15	***	***	***	***	***
Oct,15	***	***	***	***	***
Nov,15	***	***	***	***	***
Dec,15	***	***	***	***	***
Jan,16	***	-	-	-	***
Feb,16	***	***	***	***	***
Mar,16	***	***	***	***	***
Apr,16	***	***	-	-	-
May,16	***	***	***	***	***
Jun,16	***	***	***	***	***
Q1	***	***	***	***	***
Q2	***	***	***	***	***
Q3	***	***	***	***	***
Q4	***	***	***	***	***
POI	***	***	***	***	***

iv. **Magnitude of Dumping**

68. The dumping margin in respect of the producers/exporters from the subject country is significant for the Period of Investigation.

v. **Growth**

69. The Authority notes that despite being a new producer in the Country with significant capacities and demand for the product in the Country, the domestic industry has negative growth in terms of all major economic parameters. The imports have prevented the domestic industry from establishing itself.

vi. **Ability to raise capital investment**

70. Despite fresh investment in India in a product having sufficient demand in the Country, the performance of the domestic industry is adverse. The negative profitability, return on investment along with abysmal

market share indicates that the ability of the domestic industry to raise capital investments for the sector is seriously affected due to the dumped imports from the subject country.

vii. **Factors Affecting Domestic Prices**

71. Imports are at a price materially below the cost of production and NIP of the domestic industry. Since the only competition to the domestic industry is import and the domestic industry is new producer in the Country, it is the import price that is solely responsible for the prices offered by the domestic industry.

viii. **Overall assessment of Injury**

72. The examination of the imports of the subject goods and performance of domestic industry clearly shows that the import of the product under consideration are significant despite commencement of production by the domestic industry. The imports are at a price materially below cost of production and NIP of the domestic industry, thus resulting in significant undercutting. With regard to consequent impact of the dumped imports on the domestic industry, it is seen that the domestic industry could not sell its product in the domestic market despite repeated attempts in view of availability of significantly dumped imports in the market. Even when domestic industry started production and utilization of the new facilities created at modest level, production and capacity declined materially after reaching some levels. Decline in production and capacity utilisation was due to inability of the domestic industry to sell the product in the market. The consumers are unwilling to buy from the domestic industry due to availability of the dumped material from China. The domestic industry is suffering significant financial losses, cash losses and negative return on investments.

**I. OTHER KNOWN FACTORS & CAUSAL LINK**

73. Having examined the existence of material injury and retardation to the establishment of nascent injury, volume and price effects of dumped imports on the prices of the domestic industry, other indicative parameters listed under the Indian Rules and Agreement on Anti-Dumping have been examined by the Authority to see whether any other factor, other than the dumped imports could have contributed to injury to the domestic industry.

(a) **Volume and prices of imports from third countries**

74. It is noted that the imports from subject countries constitute 100% of imports into India thus there is no question of imports from other countries causing injury to the domestic industry.

(b) **Contraction in demand:**

75. The demand of the product under consideration has not declined. Thus, contraction in demand is not a possible reason for the injury suffered by the domestic industry. In fact, domestic industry is a new producer for a product hitherto not produced in the Country.

(c) **Changes in the pattern of consumption: -**

76. The pattern of consumption with regard to the product under consideration has not undergone material change and therefore could not have been the cause for the material injury suffered by the domestic industry.

(d) **Trade restrictive practices**

77. The Authority notes that there is no trade restrictive practice, which could have contributed to the injury to the domestic industry.

(e) **Developments in technology: -**

78. The Authority also notes that technology for production of the product has not undergone any change. Developments in technology are, therefore, not a factor of injury.

**(f) Export performance:**

79. The applicant has not exported the product under consideration. Hence, claimed injury to domestic industry cannot be attributed to exports.

**(g) Performance of other products being produced and sold by the domestic industry:**

80. Claimed injury to the domestic industry is on account of product under consideration.

**(j) MAGNITUDE OF INJURY AND INJURY MARGIN**

81. The non-injurious price of the subject goods produced by the domestic industry as determined by the Authority in terms of Annexure III to the AD Rules has been compared with the landed value of the exports from the subject country for determination of injury margin during the POI and the injury margin so worked out is as under:

**INJURY MARGIN TABLE**

S.No.	Producer	Exporter	NIP USD/Kg.	Landed Price USD/Kg.	Injury Margin USD/Kg.	Injury Margin (%)	Injury Margin Range.
1	Jiangxi Chibang Pharmaceutical Co. Ltd.	Jiangxi Chibang Pharmaceutical Co. Ltd.	***	***	***	***	10-20
2	Jiangxi Chibang Pharmaceutical Co. Ltd.	Zhejiang Chemicals Import & Export Co. Ltd. Zhejiang Hengdian Apelo Imp.& Exp. Co. Ltd.	***	***	***	***	20-30
3	M/s. Jiangxi Dadi Pharma Ltd. Liability Company and/or M/s. Yancheng XinAnzhou Pharmaceutical Co. Ltd.	Zhejiang Chemicals Import & Export Co., Ltd. Zhejiang Hengdian Apelo Imp.& Exp. Co., Ltd. Zhejiang Ueasy Business Service Co. Ltd. Zhejiang Xingyang Import & Export Co. Ltd.	***	***	***	***	10-20
4	M/s. Zhejiang Yuanhong Medical & Chemical Technology Co. Ltd. and/or M/s. Inner Mongolia Yuanhong Fine Chemical Co. Ltd.	Zhejiang Medicines & Health Products Co. Ltd. China Sinopharm International Corporation Zhejiang Chemicals Import & Export Co. Ltd. Zhejiang Xingyang Import & Export Co. Ltd. Shanghai Changyu Chemical Technology Co. Ltd.	***	***	***	***	5-15
5	Any other producer not mentioned at Sr. No. 1-4 above	Any other exporter or any other combination not mentioned above	***	***	***	***	25-35

82. The injury margin is positive and substantial against all the responding producers and exporters.

**POST DISCLOSURE COMMENTS**

83. The post disclosure submissions have been received from the interested parties. The issues raised therein have already been raised earlier during the investigation and also addressed appropriately. However, for the sake of clarity the submissions by the interested parties are being examined as below:

**Views of the Domestic industry**

84. The Domestic Industry made the following submissions:

- i. The scope of PUC needs to be widened to include Ofloxacin Ester. Ofloxacin Ester is nothing but O-Acid in a different form. Prior to imposition of provisional duties Ofloxacin Ester was never imported into India. The imports began only to avoid the provisional duty. Cost of converting Ofloxacin Ester to O-Acid is insignificant and within a span of 3 months since imposition of duty, 142 MT of Ofloxacin Ester has been imported. The same could not have been foreseen and included in the description and/or the scope of the product in the original application.
- ii. There are no other producers of O-Acid in the country, apart from petitioner. The petitioner is not related to an importer in India or exporter from subject country, but had to import the PUC for production of Ofloxacin which is a downstream product and is also subject to AD investigation. The Chinese are dumping O-Acid even below normated costs of O-Acid. The Authority has rightly considered the petitioner as eligible domestic producer.
- iii. Authority has awarded two different margins in view of two different channels for Jaingxi Chibang Pharmaceutical Co. Ltd. – first when they export the goods themselves and second when they export the goods through Zhejiang Chemicals Import & Export Co., Ltd. and Zhejiang Hengdian Apelo Imp. & Exp. Co., Ltd., which gives an undue, unintended, unwarranted leverage to the producer to attract a lower duty channel.
- iv. Imports in absolute terms and in relative terms are at significantly high level in the POI. Import prices are on a declining trend from July 2015 to June 2016. The decline has been very sharp from January 2016 onwards.
- v. Landed price of imports remained significantly below the level of cost, selling price offered by the domestic industry and NIP of the domestic industry.
- vi. With reduction in the prices by Chinese producers, the market share of imports increased once again and that of DI fell. The DI could not sell the product to outside consumers in the domestic market, as the Chinese producers reduced the prices further.
- vii. Cash flow and ROI is significantly negative. The Chinese producers reduced the prices, which further led to significant financial losses, negative ROI and negative cash flows from the captive sales. The negative profitability, return on investment along with abysmal market share indicates the ability of the DI to raise capital investments is affected due to the dumped imports.
- viii. The plant setup had enough capacity to cater to captive demand and merchant market. DI has not been able to sell goods in the merchant market despite several attempts. DI is precluded from utilising the production even for captive purposes because of dumping.
- ix. The petitioner did not sell goods in domestic market because of absence of orders. Focus of industry is equally on producing and selling in the merchant market. Repeated attempts were made to sell in the market by directly approaching the consumers through emails as also placing advertisements publicly. DI could not succeed in selling the product because of dumped goods in the market. Without any merchant sale of subject goods, the level of inventories kept on increasing, as captive requirements were far below the production and capacities.
- x. Because of low priced imports none of the consumers came forward to buy the goods. In absence of merchant sales, selling price to be considered is the one used for captive transfers. Valuation has

been done of all captive sales of O-Acid consistent with the statutory requirements. DI has sold O-Acid to Ofloxacin plant and further since the valuation is consistent with the statutory regulations, profitability can be determined by considering such captive sales. The information relating to captive sales both in terms of volume and value are credible enough in as much as the company has paid excise duty on this basis, has valued its captive sales on this basis in the books of accounts.

- xi. Monthly analysis conducted by DA shows that the imports started declining with increase in production by DI. Import prices started declining further without decrease in costs. This forced DI to regulate production. Share of DI reached 86% in Dec., 2015. The same declined to 41% in June, 2016. A detailed project report was submitted. It has been shown that performance of the DI is below projected levels. The DI projected profits in first year of operation. However, DI has suffered huge losses. The optimized cost and NIP determined by DA clearly shows the effect of dumped imports on DI.
- xii. Fixed antidumping duty should be imposed. Customs port authorities lack a mechanism to ensure correctness of import price reported by an importer. Neither feasible nor practicable for the port authorities to verify the import price.
- xiii. Provisional duty is at present expressed in terms of US\$. Request the same to be continued in the final determination. Rupee has depreciated significantly. Depreciation of INR has impacted the costs of the raw materials, utilities and other costs.

#### **Views of the opposing interested parties**

85. The submissions of various interested parties are summarized as follows:

- i. Treatment of China as non-market economy after December, 2016, is in violation of China's accession protocol. The Accession Protocol expired on 11<sup>th</sup> Dec, 2016 and after that no country will be able to derogate from the standard rules on determination of normal values while dealing with imports from China.
- ii. Aarti Drugs Ltd. cannot be treated as DI as they are captive producers and not sellers in the merchant market. The DI Production began in Aug, 2015 with commercial production starting only in Oct, 2015. The petitioner has installed capacity only for captive consumption and the current installed capacity is not enough to meet even the captive requirement of the DI. In another case, the Authority noted that Neelachal Ispat Nigam Ltd., uses its substantial production for captive use to the tune of 82.28% as per the available information for the year 2014-15 while the remaining percentage is sold off in the merchant market. Therefore, it was considered as captive producer and excluded from the purview of the domestic industry. Admitted by DI that first advertisement was made in March 2016 and no serious efforts were made to sell the subject goods. It is not the intent of the DI but the actual facts that are important. With ADD the DI wants to kill downstream producers and create a monopoly.
- iii. The petitioner is not capable enough to cater to the domestic market and so the imports are inevitable. It can be seen that the demand was much more than what the petitioner produced and that too was used 100% only for captive consumption. It can be said that the petitioner is not competing with the product in domestic market. And since the petitioner is not competing directly there can be no injury or material retardation due to subject goods. The country's demand in the POI stood at about 748 MT. Thus the Authority's estimate of the country's requirement at 700 MT considering ofloxacin production as about 800 MT is completely incorrect. The data shows that the demand for O-Acid, year on year, has been growing by about 20%. Therefore, the Petitioner's captive needs during the POI were at \*\*\* MT but, given the trend on demand are likely to have increased, by about 20% within the following one year period. Therefore, the presumption that the Petitioner has established capacities to meet "market demand" and not just for self-consumption is not borne by the facts of the present case. Even if the Petitioner has excess capacities and is likely to sell the subject

- goods in the domestic market, even then, it must be excluded on the grounds that it is predominantly a captive consumer.
- iv. Injury is not being caused to the DI as the goods are being transferred at a profit i.e; cost + 10%. The Petitioner has admitted that O-Acid produced by it was captively consumed by it in the production of Ofloxacin. Thus, there is necessity of looking at the transfer price of O-Acid to Ofloxacin unit. The transfer price of any entity may only be considered when the same can be established to be an arms-length transaction. The Authority must represent its analysis, if any, pertaining to the reliability of the transfer price used by the Authority
  - v. The claims of return on capital employed have been inflated. NIP determined by DA is highly inflated and not based on real situations
  - vi. The Authority's simultaneous assessment of material injury and material retardation to the Petitioner is legally untenable. It is evident that the Act uses the word "or" to indicate disjunctive, separate legal bases. In such a case, the Authority cannot read "or" to mean "and". Reference made to American jurisprudence, as laid down in the case of Laminated Woven Sacks from China. "As the Commission has previously recognized, under the statute, material retardation and material injury/threat thereof are mutually exclusive standards. In previous Commission determinations, if a domestic industry is established, then it no longer qualifies as a "nascent" industry, and instead, the analysis turns on the issues of material injury or threat thereof.
  - vii. Petitioner, who continued to import goods well after beginning commercial production, has shielded itself from any ill-effects of the alleged dumping by benefitting from the purchase and sale of the allegedly dumped goods. It is now a fact established by the Authority that the Petitioner's own imports were made at an injurious price to the Petitioner's O-Acid business and therefore, any injury attributable to its own imports is self-inflicted and must be separated and distinguished by the Authority in its injury assessment of the Petitioner.
  - viii. An assessment of trend of import volumes over the injury period in absolute terms when there are no domestic production leads to a situation of prejudice. The Respondents herein are prejudiced by virtue of data for past periods when the Petitioner was not producing any volume of goods and has only recently commissioned its facilities. In such a time, the Petitioner's own imports also grew and so did the overall imports into India
  - ix. Instead of considering merely the trend of values of imports from China PR, Authority should also consider the trends of the values of raw materials. Another column of data, consisting of the raw material prices, would be better representative of the trends of the import-prices under consideration.
  - x. The price decline for imports has occurred in November, 2015. Such a price decline is independent of and unrelated to the Petitioner's production activity or commercial production. Thereafter, the prices marginally went up in December, 2015 and then declined January, 2016 onwards. However, somehow, the Authority has correlated that these price variations are attributable to concerted dumping on the part of the Chinese producers / exporters.
  - xi. As regards positive undercutting, it is important for the Authority to note that a majority- almost 70% or more of the imports of the subject goods into India are made by the Petitioner itself. It is also important to note that as the singular, largest consumer of O-Acid in India, it is the Petitioner itself that dictates the prices of such imports.
  - xii. The Authority's observations that the "import price is even lower than the raw material cost of the domestic industry" is also inappropriate. The raw materials are imported at high duties by the Petitioner and therefore, the costs of its raw materials under consideration are, themselves, rather high.
  - xiii. The Authority has redacted all data pertaining to the Petitioner's capacity, production, capacity utilization, captive sales, closing stock as per actuals as well as projections. No confidentiality can be claimed with respect to the same. The Authority must provide the data pertaining to these factors of the Petitioner. At the least, indexed data pertaining to the same should have been supplied to the Respondents herein.



- xiv. A majority of the subject imports are made by the Petitioner themselves. Therefore, the Petitioner's resort to importation has self-inflicted the adverse effects on the Petitioner's production, sales and capacity utilization. Throughout the monthly analysis of the profit, cash profit and PBIT figures, all figures remain positive throughout the POI. Thus, it is unclear how the Petitioner is determined to be in "financial losses" by the Authority.
- xv. At paragraph 64, of the Disclosure it is stated that the Petitioner is suffering "significant financial losses in captive transfers of the product". Thereafter, the Authority has also made it clear that the transfer pricing of the Petitioner was based on cost of production. Therefore, when the Authority has relied on the costs of production of O-Acid, then there cannot be a claim of financial losses. Even where no profits are being made, there would not be any financial loss situation owing to the fact that the Petitioner has priced its transfer of raw material O-Acid to its Ofloxacin unit on the basis of costs of production of the same.
- xvi. The normal value constructed for the Respondents must be adjusted to exclude any import duties chargeable to the Petitioner. This is because the normal value in China PR would not include any such duty component.
- xvii. A benchmark price based duty which would ensure protection for the domestic industry without compromising the rights of the importers / users may be considered in the present case
- xviii. Petitioner has been in commercial production for merely 9 months of the selected period of investigation, meaning thereby that the Authority's determination is based on 9 months of the Petitioner's performance only. In the given circumstances, the Authority may recommend, if at all, the imposition of duties for a period less than five years.

### **J.3.Examination by the Authority**

86. It is noted that the issues raised at post disclosure stage have already been examined by the Authority in above relevant paragraphs, however for the sake of the clarity of the submissions they are addressed as below:
- i. As regards the extension of scope of PUC, the Authority reiterates that inclusion of ester form of O-Acid cannot be considered under the present investigation at this stage of the proceedings. In case the domestic industry considers that the product is being imported in circumvention of the antidumping duty recommended on imports of O-Acid, it is free to file a separate application for investigation under anti-circumvention law.
  - ii. As regards duty imposition against the exporter for two different channels of exports to India, the Authority notes that a detailed verification of documents concerning Net ex-factory export Price and Landed Value was undertaken and it is found that the dumping margin and injury margin is different when the subject goods are exported through two different channels. Therefore, the Authority considers it appropriate to indicate different duty for the two channels.
  - iii. As regards the eligibility of petitioner as Domestic Industry, the Authority has already determined the same in para 16 & 17 of the present finding. The Authority has examined the issue of imports made by the petitioner and the issue of captive consumption in details after the detailed examination and due consideration of facts/data/documents considered relevant by the Authority. The Authority holds them eligible as Domestic Industry in terms of Rule 2(b) of the Rules.
  - iv. As regards the capacity of DI to cater to the domestic market demand, the Authority notes that the detailed examination has been done by the Authority in para 63 of the finding where after the analysis the Authority determined that the domestic industry has capacity sufficient to cater to the demand for the product in the Country. Therefore, it is clear that the production capacity set up by domestic industry are for their own use as well as for selling to other users in the market.
  - v. As regards the transfer price, the Authority notes that after the detailed analysis the Authority has determined the transfer price as detailed in para 48 of the finding where the Authority has determined NIP for the domestic industry after considering all the facts and data available in respect of both Ofloxacin and O-acid. Further, the Authority has compared the normatted cost of production of O-Acid of the petitioner with the landed price of import of O-Acid by the petitioner

and found that the landed price of import is below the normatted cost of production of the petitioner.

- vi. As regards the status of non market economy to China, the Authority notes that the initiation notification and Period of investigation was prior to the date of accession protocol. Further, the details as given by exporter were examined in the light of relevant provisions and a decision was taken by the Authority as mentioned in the para 30 - 32 above.
- vii. The Authority notes that the initiation notification clearly laid down that the investigation is for a petitioner who is a new industry. The Authority examined the material injury during the period of 9 months of POI for which production/costing/financial data was available for the petitioner. Further, the Authority examined the material injury on the basis of monthly performance of the domestic industry.
- viii. As regards the normal value, the Authority notes that the normal value has been constructed excluding the import duty as already mentioned in para 34 of the findings.
- ix. As regards the self-inflicted injury to the Domestic Industry by alleged dumped imports, the Authority notes that the imports made by the domestic industry have not been sold in the merchant market. Applicant has been constrained to import the product as a matter of self defense rather than a choice.
- x. As regards the claims of confidentiality, the Authority notes that the confidentiality claims of the interested parties are consistent with the practice being generally followed by the Authority. Wherever possible, the interested parties have provided non confidential version of the information. The domestic industry has provided indexed version of its various information contained in the confidential petition.
- xi. As regards the import price, the Authority notes that the analysis of volume of imports and import price has been done on monthly basis. The information submitted by applicant shows that there is decline in import price. The decline has been very sharp from January 2016 onwards. The landed price of imports remained significantly below the level of cost, selling price offered by the domestic industry and NIP of the domestic industry. The imports are thus undercutting the prices of the domestic industry in the market and are having significant depressing effect on the prices in the domestic market. It is further noted that the import price is even lower than the raw material cost of the domestic industry.
- xii. As regards the the monthly analysis of the profit, cash profit and PBIT figures, the Authority notes that the domestic industry had projected profits in its very first year of operation i.e. 2016. However, the domestic industry is not even able to realize its cost of production in view of presence of significantly dumped subject goods in the market, and have huge losses.
- xiii. As the Domestic Industry is a new industry for production of O-acid and the costing/production data of only 9 months of the selected period of investigation is available, the Authority has decided to impose a duty for three years only so that the impact of anti dumping duties on the health of the Domestic Industry and the response of the users can be established in this period. Also a complete set of data/information will be available by the time the case is ready for review, if Domestic Industry so desires at the relevant point of time.
- xiv. As regards the determination of NIP, the Authority notes that it has been determined by adopting the verified information/data relating to the cost of production for the period of investigation in respect of the Domestic Industry. The NIP for the Domestic Industry has been determined in terms of the principles outlined in Annexure III to the Anti-Dumping Rules

## **L. CONCLUSIONS**

87. After examining the issues raised and submissions made by the interested parties and facts made available before the Authority as recorded in this finding, the Authority concludes that:

- i. The product under consideration has been exported to India from the subject country below its normal value, resulting in dumping.

- ii. The Domestic Industry has suffered material injury due to dumping of the product under consideration from the subject country.
- iii. The material injury has been caused by the dumped imports from the subject country.

#### **M. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES:**

88. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the Country. It is recognized that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the downstream products and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the antidumping measures, particularly if the levy of the anti- dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the Domestic Industry. On the contrary, imposition of antidumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the Domestic Industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers

#### **N. RECOMMENDATIONS**

89. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspect of dumping, injury and causal links. Having initiated and conducted the investigation into dumping, injury and the causal link thereof in terms of the AD Rules and having established positive dumping margins as well as material injury to the Domestic Industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of antidumping duty is required to offset dumping and injury. Therefore, the Authority considers it necessary to recommend imposition of definitive anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject country for 3 years in the form and manner described hereunder.

90. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of Definitive anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, definitive antidumping duty equal to the amount indicated in Col 8 of the table below is recommended to be imposed for 3 years from the date of provisional anti-dumping duty on the imports of the subject goods, originating in or exported from China PR as notified vide Customs Notification No. 35/2017-Customs (ADD) dated 13.7.2017.

**Duty Table**

SN.	Sub Heading or Tariff Item*	Description of Goods	Country of origin	Country of Export	Producer	Exporter	Duty Amount	Unit of Measure	Currency
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1.	29419030 29152990 29163990 29183090 29189900	O-Acid or Ofloxacin Acid	China PR	China PR	Jiangxi Chibang Pharmaceutical Co. Ltd.	Jiangxi Chibang Pharmaceutical Co., Ltd.	4.91	Kg	US\$
2.	29349900 29411090 29419090	O-Acid or Ofloxacin Acid	China PR	China PR	Jiangxi Chibang Pharmaceu	i.Zhejiang Chemicals Import & Export Co.	7.50	Kg	US\$

	29420090				tical Co. Ltd	Ltd. ii. Zhejiang Hengdian Apeloa Imp.& Exp. Co. Ltd.			
3.		O-Acid or Ofloxacin Acid	China PR	China PR	i.Jiangxi Dadi Pharmaceu tical Limited Liability Compay and/or ii.Yanchen g XinAnzho u Pharmaceu tical Co. Ltd.	i.Zhejiang Chemicals Import & Export Co., Ltd. ii.Zhejiang Hengdian Apeloa Imp.& Exp. Co. Ltd. iii.Zhejiang Ueasy Business Service Co. Ltd. iv.Zhejiang Xingyang Import & Export Co. Ltd.	4.90	Kg	US\$
4.		O-Acid or Ofloxacin Acid	China PR	China PR	i.Zhejiang Yuanhong Medical & Chemical Technolog y Co., Ltd and/or ii. Inner Mongolia Yuanhong Fine Chemical Co. Ltd	i. Zhejiang Medicines & Health Products Co. Ltd ii.China Sinopharm Internation al Corporatio n iii.Zhejiang Chemicals Import & Export Co., Ltd. iv.Zhejiang Xingyang Import & Export Co., Ltd. v. Shanghai Changyu Chemical Technolog y Co., Ltd	4.16	Kg	US\$
5.		O-Acid or Ofloxacin Acid	China PR	China PR	Any combination other than mentioned in SI No- 1 to 4 above		8.55	Kg	US\$
6.		O-Acid or Ofloxacin Acid	China PR	Any countr y other than	Any	Any	8.55	Kg	US\$

				China PR					
7.		O-Acid or Ofloxacin Acid	Any country other than China PR	China PR	Any	Any	8.55	Kg	US\$

\* Custom classification is only indicative and the determination of the duty shall be made as per the description of PUC

91. The landed value of imports for this purpose shall be the assessable value as determined by the customs under Customs Tariff Act, 1962 and applicable level of custom duties except duties levied under Section 3, 3A, 8B, 9, 9A of the Customs Tariff Act, 1975.
92. An appeal against the order of the Central Government arising out of this final finding shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.

SUNIL KUMAR, Addl. Secy. & Designated Authority